



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 16, 1978/भाद्र 25, 1900

No. 37]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 16, 1978/BHADRA 25, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम

जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1978

सा० का० नि० 1123.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की अधिनूचना सं० सा० का० नि० 443 (क) तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के माध्यम से, कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिनूचना सं० सा० नि० आ० 3216 तारीख 4 अक्टूबर 1957 की अधिनूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिनूचना" कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निवेश देता है कि इसमें सूचीबद्ध शोजी केशा लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् "कम्पनी" कहा गया है) के मामले में जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षा जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी के, अपने लागू होने के संदर्भ में अधिनूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अन्य आवाहों तथा उपान्तरों के प्रवर्णन रहते हुए लागू होगी, अर्थात्:—

यदि 31-8-1976, 31-6-1977 तथा 31-8-1978 के किसी शर्तों की समाप्ति की बाबत कम्पनी भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार

को, निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के उपशर्तों का पत्राप्ति अनुपालन द्वारा समझा जायेगा।

- (1) कम्पनी द्वारा अपने निगमन के देश में, विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत इसके अंग्रेजी अनुवाद सहित विश्व लेखाओं की प्रति,
- (2) अधिनियम की धारा 592 के अधीन भारत आदेशिका तामील के लिये प्राधिकृत व्यक्ति तथा भारत के एक शास प्राप्त लेखापाल, द्वारा प्रमाणित, भारतीय शाखा द्वारा की गई प्राप्तियों तथा अयायियों का विवरण-पत्र
- (3) उपरोक्त मद (2) में वर्णित ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की विश्वलेखाओं की तारीख पर, परिपक्वतियों तथा लेखाकारियों का विवरण-पत्र
- (4) उपरोक्त मद (2) में वर्णित व्यक्तियों द्वारा इस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने इस अधिध के मध्य, भारत में कोई व्यापार नहीं किया है।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से

[फाइल संख्या-14/17/78/सी० एल०-6]

सी० खुशालवास, उप-सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

New Delhi, the 1st September, 1978

G.S.R. 1123.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957, (hereinafter referred to as "the Notification") the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Sumitomo Shoji Kaisha Ltd., (hereinafter referred to as "the company") being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial years ended 31-8-76, 31-8-77 and 31-8-78, the company submits to the appropriate Registrar of Companies in India :—

- (i) Three copies of the world accounts as filed by the company with the prescribed authority in the country of its origin, together, with an English translation thereof.
- (ii) Three copies of the Statement of Receipts and Payments made by the Indian Branch for each year duly certified by the person authorised under section 592 of the Act and a Chartered Accountant practising in India.
- (iii) Three copies of a statement of the company's assets and liabilities in India as on the date of world accounts certified as mentioned in item (ii) above.
- (iv) Three copies of a certificate from persons mentioned at item No. (ii) above to the effect that the company has not been carrying on any business in India during the period.

By order of the Company Law Board.

[File No. 14/17/76-CLVI]

C. KUSHALDAS, Secy.

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1978

सां. कां. नि० 1124.—केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 67 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एकाधिकार तथा निर्वन्धनकारी व्यापार प्रथा नियम, 1970 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम एकाधिकार तथा निर्वन्धनकारी व्यापार प्रथा (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. एकाधिकार तथा निर्वन्धनकारी व्यापार प्रथा नियम, 1970 के नियम 12 के खण्ड (ii) में—

(1) आरंभिक पैरा के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"जहां कोई व्यक्ति ऐसे बहुत से कार्यों का पक्षकार है, जो निम्नलिखित एक बात या एक से अधिक बातों को, अर्थात् :—

- (1) उसके दूसरे पक्षकार की पहचान,
- (2) उसकी तारीख या अस्तित्वावधि,
- (3) आवंटित क्षेत्र या बाजार या संवेय कमीशन या बट्टे या रिब्रेट की दर या भांदा या यह अवधि जिस तक उधार अनुज्ञात है

या जमा की जाने वाली प्रतिभूति की रकम और उस पर संवेय व्याज की दर यदि कोई हो, अथवा किसी पक्षकार को या उसके द्वारा किसी विनिश्चित अवधि के भीतर व्ययन के लिए अपेक्षित माण का न्यूनतम कोटा;

(4) ऐसे उत्पाद जो ऐसे कार्यों की विषयवस्तु हैं, छोड़कर एक ही रूप में हैं, वहां वह उनमें से प्रत्येक कारर की बाबत अलग-अलग रूप से इस नियम के खण्ड (i) का अनुपालन करने की बजाय अधिनियम की धारा 35 की उप-धारा (2) में विनिश्चित अवधि के भीतर रजिस्ट्रार को प्रस्तुत कर सकता है या भेज सकता है।";

2. खण्ड (ख) में "उनमें से एक का पक्षकार है" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात् :—

"ऐसे प्रत्येक कारर की बाबत ऐसी विनिश्चितियां हैं जो खण्ड (1) से (4) तक में विनिश्चित हैं,"

[फाइल संख्या 38/5/75/सी एल-V]

ए० जी० सिरसी, उप सचिव

New Delhi, the 4th September, 1978

G.S.R. 1124.—In exercise of the powers conferred by section 67 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the Monopolies and Restrictive Trade Practices (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of the publication in the Official Gazette.

2. In rule 12 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, in clause (ii),—

(1) for the opening paragraph, the following shall substituted, namely :—

"where any person is a party to numerous agreements which are in the same form except for one more of the following, namely :—

(1) the identity of another party thereto;

(2) the date or duration thereof;

(3) the area or market allotted or the rate or quantum of commission or discount or rebate payable or the period for which credit is allowed or the amount of security to be deposited at the rate of interest, if any, payable thereon the minimum quota of goods required to be disposed of over a specified period, to or any party thereto;

(4) the products which are the subject matter of such agreements, he may instead of complying with clause (i) of this rule in respect of each of those agreements individually, deliver or send to the Registrar within the period specified in sub-section (2) of section 35 of the Act";

(2) in clause (b), for the words, "a party to one of them," the following words shall be substituted, namely :—

"the particulars as specified in clauses (1) to (4) in respect of each such agreement."

[File No. 38/5/75-CL]

A. G. SIRSI, Dy. Sec

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 2 मितम्बर, 1978

सां. कां. निं. 1125.—भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियम, 1954 के नियम 4 के उप नियम (2) के प्रथम परन्तुक और उपनियम (1) के साथ पठित, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, हरियाणा सरकार के परामर्श से, भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) विनियम, 1955 में और आगे संशोधन करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्:—

(1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) ऐतद्वारा संशोधन विनियम, 1978 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) विनियम, 1955 की अनुसूची में “हरियाणा” शीर्षक के अधीन तत्स्थानी पद “उप राज्यपाल मिजोराम” के स्थान पर “मुख्य सचिव, दिल्ली प्रशासन” प्रतिस्थापित किए जायें।

[सं. 11031/6/78-अ. भा. से. (II)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 2nd September, 1978

G.S.R. 1125.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1) and the first proviso to sub-rule (2) of Rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the State Government of Haryana, hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955; namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) XIII Amendment Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 under the heading ‘Haryana’ the following should be substituted for the existing entry of ‘Lt. Governor, Mizoram’:—

“Chief Secretary, Delhi Administration”.

[No. 11031/6/78-AIS(II)]

नई दिल्ली, 4 मितम्बर, 1978

सां. कां. निं. 1126.—भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियम, 1954 के नियम 4 के उपनियम (2) के प्रथम परन्तुक और उपनियम (1) के साथ पठित, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, जम्मू एवं कश्मीर सरकार के परामर्श से, भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) विनियम, 1955

और आगे संशोधन करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) बारहवां संशोधन विनियम, 1978 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) विनियम 1955 की अनुसूची में “जम्मू एवं कश्मीर” शीर्षक के अधीन तत्स्थानी पद “उप आयुक्त खाद्य तथा पूर्ति-2” के स्थान पर “निदेशक, खाद्य तथा पूर्ति-2” प्रतिस्थापित किए जायें।

[सं. 11031/15/78-अ. भा. से. (II)-क]

New Delhi, the 4th September, 1978

G.S.R. 1126.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1), and the first proviso to sub-rule (2), of rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954 the Central Government, in consultation with the Government of Jammu and Kashmir hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) XII Amendment Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, under the heading Jammu and Kashmir for the existing entry “Deputy Commissioners, Food and Supplies-2” the following entry shall be substituted, namely:—

“Directors of Food and Supplies-2”.

[No. 11031/15/78-AIS(II)A]

सां. कां. निं. 1127.—भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम, 1954 के नियम 2 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार जम्मू एवं कश्मीर सरकार के परामर्श से भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम, 1954 में और आगे संशोधन करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) आठवां संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम, 1954 की अनुसूची-III ख में “जम्मू एवं कश्मीर” के अधीन तत्स्थानी पद “उप आयुक्त खाद्य तथा पूर्ति” के स्थान पर “निदेशक, खाद्य तथा पूर्ति”, प्रतिस्थापित किये जायें।

[संख्या 11031/15/78-अ. भा. से. (II)-ख]

कृष्ण लाल नेगी, अवर सचिव

G.S.R. 1127.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule II of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Jammu and Kashmir

hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Administrative Service (Pay) VIIIth Amendment Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954,—

In 'Schedule III-B' posts carrying pay in the senior scale of the Indian Administrative Service under the State Governments (including posts carrying special pay in addition to pay in the time scale)", against Jammu and Kashmir for the existing entry "Dy. Commissioners, Food and Supplies", the following entry shall be substituted, namely :—
"Directors of Food & Supplies."

[No. 11031/15/78-AIS(II)-B]

K. L. NEGI, Under Secy.

योजना मंत्रालय

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1978

सा. का. नि. 1128.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्धों द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, क्षेत्र संकाय प्रभाग, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (मुख्य प्रशासन अधिकारी) भर्ती नियम 1977 के निम्नलिखित नियमों में संशोधन करते हैं अर्थात्—

1. (1) इन नियमों को क्षेत्र संकाय प्रभाग, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (मुख्य प्रशासन अधिकारी) (संशोधन) भर्ती नियम, 1978 कहा जाए।

(2) ये नियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. क्षेत्र संकाय प्रभाग, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (मुख्य प्रशासन अधिकारी) भर्ती नियम 1977 की अनुसूची में कलाम 6 में प्रकृत प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी :—

"45 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारी के लिए छूट)"

[सं. ए. 12018/1/77-एन. एस. एस.-1]

वी. डी. अहुजा, अवसर सचिव

MINISTRY OF PLANNING

((Department of Statistics))

New Delhi, the 30th August, 1978

G.S.R. 1128.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Field Operations Division, National Sample Survey Organisation (Chief Administrative Officer) Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Field Operations Division, National Sample Survey Organisation (Chief Administrative Officer) (Amendment) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Field Operations Division, National Sample Survey Organisation (Chief Administrative Officer) Recruitment Rules, 1977, in column 6, for the entry the following entry shall be substituted :—

"Not exceeding 45 years (relaxable for Government servants)"

[No. A-12018/1/77-NSS. I]

V. D. AHUJA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1978

सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 1129.—केंद्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 152 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और कम्पनी विधि विभाग) की अधिसूचना सं. 101 सीमा-शुल्क, तारीख 1 जुलाई, 1964 को विरुद्ध करती है।

[अधिसूचना सं. 178 सीमाश./437/8/78-सी.श.]

एस. बसु, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 16th September, 1978

CUSTOMS

G.S.R. 1129.—In exercise of the powers conferred by section 152 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Company Law) No. 101-Customs dated the 1st July, 1964.

[Notification No. 178/F. No. 437/8/78-Cus. IV]

S. BASU, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1978

सा. का. नि. 1130.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा सिक्कूरिटी पेपर मिल ग्रुप 'ग' तथा ग्रुप 'घ' के पद भर्ती नियमावली, 1978 में और प्रागे संबोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों को सिक्कूरिटी पेपर मिल (ग्रुप 'ग' और ग्रुप 'घ' के पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1978 कहा जाएगा।

(2) ये उनके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किये जाने की तारीख से लागू होंगे।

2. सिक्कूरिटी पेपर मिल (ग्रुप 'ग' और ग्रुप 'घ' के पद) भर्ती नियमावली, 1978 की अनुसूची में—

(i) "कार्मैन मेकेनिकल" के पद से संबंधित क्रम संख्या 1 के सामने, कालम 12 में दो गई प्रविष्टियों के स्थान पर नीचे दी गई प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँगी, अर्थात्—

"कार्मैन मेकेनिकल तथा धरिष्ठ इन्फ्रस्ट्रक्चर (425—640 रुपए) जिनकी पदक्रम में कम से कम 3 वर्षों की सेवा हो,"

(ii) "कार्मैन मेकेनिकल" के पद से संबंधित क्रम संख्या 2 के सामने, कालम 9 में दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँगी, अर्थात्—

"आयु : नहीं

शैक्षणिक अर्हताएं : हायर सेकेंडरी या विज्ञान विषय सहित समकक्ष परीक्षा या मशीनिस्ट या टर्नर या फिटर या मोटर

मेकेनिक या जनरल मेकेनिक या ड्राफ्ट्समैनशिप (मेकेनिकल) व्यवसाय ;” में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रमाण पत्र सहित मैट्रिक परीक्षा ;

- (iii) “मापरेटिव मेकेनिकल” के पद के संबंध में क्रम सख्या 3 में कालम 9 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी अर्थात्—

“आयु : नहीं

शैक्षणिक अर्हताएं : मैट्रिक या टर्नर या मशीनिस्ट या फिटर या मोटर मेकेनिक या ड्राफ्ट्समैनशिप (मेकेनिकल) व्यापार, व्यवसाय में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान व्यवसाय में प्रमाण पत्र ;”

- (iv) “ड्राफ्ट्समन” के पद के संबंध में क्रम सख्या 32 के सामने कालम 8 में दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी अर्थात्—

“औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के ड्राफ्ट्समैनशिप (मेकेनिकल) के प्रमाण पत्र सहित मैट्रिक जिसे जूनिंग के काम का 2 वर्षों का अनुभव हो।”

[सं० एक० 8 (16)/78-करेंसी]

एस० एल० दत्त, अधर सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 21st August, 1978

G.S.R. 1130.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Security Paper Mill (Group ‘C’ and Group ‘D’ posts) Recruitment Rules, 1976, namely :—

1 (1) These rules may be called the Security Paper Mill (Group ‘C’ and Group ‘D’ posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Security Paper Mill (Group ‘C’ and Group ‘D’ posts) Recruitment Rules, 1976,

- (i) against serial number 1, relating to the post of “Foreman Mechanical”, for the entries in column 12, the following entries shall be substituted, namely :—

“Chargeman Mechanical and Senior Draughtsman (Rs. 425-640) with minimum 3 years’ service in the grade”;

- (ii) against serial number 2, relating to the post of “Chargeman Mechanical”, for the entries in column 9, the following entries shall be substituted, namely :—

“Age : No

Educational Qualifications : Higher Secondary or equivalent with Science subjects or Matric with Industrial Training Institute Trade Certificate Machinist or Turner or Fitter or Motor Mechanic or General Mechanic or Draughtsmanship (Mechanical) Trade”;

- (iii) against serial number 3, relating to the post of “Operative Mechanical”, for the entries in column 9, the following entries shall be substituted, namely :—

“Age : No

Educational Qualifications : Matric or Industrial Training Institute Trade Certificate in Turner or Machinist or Fitter or Motor Mechanic or Draughtsmanship (Mechanical) Trade”;

- (iv) against serial number 32, relating to the post of “Draughtsman” for the entries in column 8, the following entries shall be substituted, namely :—

“Matric with I.T.I Certificate in Draughtsmanship (Mechanical) and having 2 years’ experience of Drawing work”.

[No. F. 8(16)/78-CX]

S. L. DUTT, Under Secy.

सरकारी उद्यम कार्यालय

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1978

सा०का०नि० 1131.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति महोदय ने वित्त मंत्रालय के सरकारी उद्यम कार्यालय में सहायक निदेशक और वरिष्ठ अन्वेषक (प्रबन्ध तथा सूचना एवं अनुसंधान प्रभाग) भर्ती नियम, 1971 का प्रतिक्रमण करके, जहाँ तक इनका वरिष्ठ अन्वेषक (प्रबन्ध तथा सूचना एवं अनुसंधान प्रभाग) के पद से सम्बन्ध है, वित्त मंत्रालय के सरकारी उद्यम कार्यालय, में वरिष्ठ अन्वेषक (प्रबन्ध एवं सूचना तथा अनुसंधान प्रभाग) के पद पर भर्ती के तरीके का नियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाये हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ :—ये नियम वित्त मंत्रालय, सरकारी उद्यम कार्यालय, वरिष्ठ अन्वेषक (प्रबन्ध एवं सूचना तथा अनुसंधान प्रभाग) भर्ती नियम, 1978 कहें जायेंगे।

(2) ये नियम उसी तारीख से लागू होंगे जिस तारीख को ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किये जाएंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और वेतनमान वही होगा जैसा कि संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में निर्दिष्ट किया गया है।

3. भर्ती का तरीका, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती का तरीका, आयु-सीमा, अर्हताएं तथा उससे संबंधित अन्य बातें वही होंगी जैसी कि उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 तक में निर्दिष्ट की गई है।

4. अनर्हताएं :—कोई भी व्यक्ति,—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह अथवा संविदागत विवाह किया हो, जिसका जीवनसाथी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने एक जीवनसाथी के जीवन रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह अथवा संविदागत विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

किन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति पर और उससे विवाह करने वाले दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिगत नियमों के अन्तर्गत इस प्रकार के विवाह की अनुमति दी जा सकती है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह उस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति:—जिन मामलों में केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों में किसी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों के सम्बन्ध में छूट देना आवश्यक या इष्टकर हो, वहाँ उनके लिए वह निश्चित रूप में कारण बताकर और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से छूट का आदेश दे सकती है।

6. व्याप्ति:—केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गए सामान्य आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए जो आरक्षण और अन्य रियायतें प्रदान की जाती हैं, उन पर इन नियमों के कारण किसी भी प्रकार से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	धनतमान	सेलेक्शन (प्रवरण) पद अथवा भिन्न पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु	सीधी भर्ती वालों के लिए शैक्षिक एवं अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
वरिष्ठप्रबन्धक (प्रबन्ध एवं सूचना तथा अनुसंधान प्रभाग)	10	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' भराज-पत्रित गैर-लिपिक वर्गीय।	550-25-750-२० २००-३०-९००।	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक न हो (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट दी जा सकती है।) टिप्पणी: भारत में (अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह एवं लक्षद्वीप को छोड़कर) के उम्मीदवारों से आवेदन पत्र प्राप्त किये जाने की अन्तिम तारीख ही आयुसीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख मानी जाएगी।	अनिवार्य: (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से वाणिज्य/अर्थशास्त्र गणित/सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री या उसके समकक्ष या व्यवसाय प्रबन्ध में स्नातकोत्तर डिग्री या किसी मान्यता प्राप्त प्रबन्ध संस्थान में सक्षम स्नातकोत्तर डिग्री। (2) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में काम का एक वर्ष का अनुभव। टिप्पण (1) अभ्यर्थियों के अन्यथा सुयोग्य होने पर संघ लोक सेवा आयोग यदि चाहे तो योग्यता सम्बन्धी शर्तों में ढील दे सकता है। (2) शर्तों के किसी स्तर पर यदि संघ लोक सेवा आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित पदों को भरने के लिए इन जातियों के अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवार संभवतः पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं होंगे, तो संघ लोक सेवा आयोग यदि चाहे तो अनुभव संबंधी अर्हता(ओं) में ढील दे सकता है।

यदि सीधी भर्ती वालों परीक्षा की अवधि, भर्ती का तरीका, सीधी भर्ती द्वारा प्रोन्नति/प्रति नियुक्ति/स्थानान्तरण विभागीय प्रोन्नति समिति से परीक्षितियों जिनमें के लिए निर्धारित आयु यदि कोई हो। अथवा पदोन्नति द्वारा अथवा किये जाने की स्थिति में ग्रेड है तो उम्मीद नष्ट। भर्ती करते समय संघ और शैक्षिक अर्हताएं प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा जिनमें पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ लोक सेवा आयोग से पदोन्नति के मामले में और विभिन्न तरीकों द्वारा भरे स्थानान्तरण किया जाना है। परामर्श किया जाना है। भी लागू होंगी जाने वाले रिक्त पदों का प्रतिभूत

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होगा	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण द्वारा 50 प्रतिभूत और सीधी भर्ती द्वारा 60 प्रतिभूत।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण: केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार के ऐसे अधिकारी जो समकक्ष पदों पर काम करते हों या 425-700 रु० के वेतनमान वाले या जिन्होंने समकक्ष पदों पर 5 वर्ष तक नियमित रूप से सेवा पूरी कर ली हो जो स्तम्भ 7 में सीधी भर्ती के लिए निर्धारित अर्हताएं और अनुभव रखने हों। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक न होगी।)	वर्ग 'अ' विभागीय पदोन्नति समिति (स्थायी करने के लिए) मलाहकार वित्त इसके अध्यक्ष और सचिव एवं मलाहकार तथा उप गणिव सबस्म होंगे।	सीधी भर्ती और केन्द्रीय सरकार के किसी अधिकारी को स्थानान्तरण पर और राज्य सरकार से किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण पर नियुक्त करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना जरूरी है।

[सं० ए० 12018/3/76-प्रशा०]

प्रेस कुमार, उप गणिव

New Delhi, the 22nd August, 1978

G.S.R. 1131.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in super-session of the Ministry of Finance, Bureau of Public Enterprises, Assistant Director and Senior Investigator (Management and Information and Research Division) Recruitment Rules, 1971, in so far as these relate to the post of Senior Investigator (Management and Information and Research Division), the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Investigator (Management and Information and Research Division) in the Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Finance, Bureau of Public Enterprises, Senior Investigator (Management and Information and Research Division) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and

other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with any person,

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, having a spouse living, or

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Senior Investigator (Management and Information and Research Division)	10	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 550-25-750-EB-30-900	Not applicable	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants) Note : The crucial date for determining the age	Essential : (i) Master's degree in Commerce/ Economics/Mathematics/ Statistics from a recognised University or equivalent. OR Master's degree in Business

1	2	3	4	5	6	7
					<p>limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep.)</p> <p>Administration or equivalent Post Graduate Degree from any recognised Institutes of Management.</p> <p>(ii) One year's experience in the working of Public Sector Undertakings.</p> <p>Note : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p>	

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruit will apply in the case of promotions	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion /transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable.	2 years	50% by transfer on deputation/transfer and 50% by direct recruitment.	Transfer on deputation/transfer Officers under the Central Government failing which under the State Government holding analogous posts or with 5 years' regular service in post in the scale of Rs. 425-700 or equivalent and possessing qualifications and experience laid down for direct recruits in Column 7. (period of deputations shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee. (for considering confirmation) Composed of Adviser (Finance) as Chairman and Secretary cum-Adviser and Deputy secretary being members.	Consultation with UPSC necessary while making direct recruitment and appointing a Central Government Officer on transfer and an officer from State Govt. on deputation or transfer.

No. A. 12018/3/76-Adm.]

PREM KUMAR, Dy. Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

(विदेशी मुद्रा नियन्त्रण विभाग)

(Exchange Control Department)

(केन्द्रीय कार्यालय)

(Central Office)

बम्बई, 17 अगस्त, 1978

Bombay, the 17th August, 1978

सा० का० नि० 1132.—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 13 की उपधारा (2) के अनुसरण में रिजर्व बैंक इसके द्वारा (1) मुख्य आयात और निर्यात नियंत्रक, (2) अपर मुख्य आयात और निर्यात नियंत्रक, (3) संयुक्त मुख्य आयात और निर्यात नियंत्रक, (4) उप मुख्य आयात और निर्यात नियंत्रक तथा (5) आयात और निर्यात नियंत्रक को इस बात के लिए प्राधिकृत करना है कि वे भारत सरकार के वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय द्वारा अधिसूचित स्वर्ण आभूषण निर्यात पुनर्पूरण योजना के अनुसार सोने से बनाने गए आभूषण भाग से बाहर भेजने (अर्थात् निर्यात करने) के लिए उक्त उप धारा के अधीन निर्यात लाइसेंस प्रदान करें।

[आदेश सं० ईसा० सी ओ० पी० एण्ड सी० 4/104-78]

पी० आर० नांगिया, उप गवर्नर

G.S.R. 1132.—In pursuance of sub-section (2) of Section 13 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), the Reserve Bank hereby authorises (1) the Chief Controller of Imports and Exports, (2) Additional Chief Controller of Imports & Exports, (3) Jt. Chief Controller of Imports and Exports, (4) Dy. Chief Controller of Imports & Exports and (5) Controller of Imports & exports, to grant export licence under that sub-section to send out of India (that is, to export) jewellery made out of gold in accordance with Gold Jewellery Export Replenishment Scheme notified by the Government of India, Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation.

[Order No. EC. CO. P&C. 4/104-78]

P. R. NANGIA, Dy. Governor.

वाणिज्य, नागरिक सम्भरण तथा सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1978

सा० का० नि० 1133.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और वाणिज्य मंत्रालय (कांशला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन गान्धीधाम) की 29वें अर्ती नियम, 1966 को, उन बातों को छोड़कर जो की जा चुकी हैं या की जाने से रह गई हैं, अधिस्त-करते हुए, वाणिज्य, नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) के अधीन कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन गान्धीधाम में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर अर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन (प्रशासनिक अधिकारी) अर्ती नियम, 1978 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुए समझ जाएंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इसमें उपाखंड अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. अर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर अर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	चयन पद अथवा अभ्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रायु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
प्रशासनिक अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपत्रित	650-30-740-35-810-६० री० 35-880-40-1000-६० री० -40-1200 रु०	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्रायु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, भर्ती की पद्धति भर्ती/सीधे हागी यदि कोई हो	या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी जो मद्रास पर धारण करते हों या जिन्होंने 550-900 रु०/425-700 रु० या सम-तुल्य वैतनमान के पदों पर नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् कमशः 3/8 वर्ष सेवा की हो और जिन्हें जिन्हें प्रशासन, स्थापन और लेखा संबंधी विषयों का अनुभव हो। कांठला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन में कार्य करने वाले ऐसे कार्यालय अधीक्षक पर भी विचार किया जायेगा जिनमें उम श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष सेवा की हो। यदि कार्यालय अधीक्षक को नियुक्ति के लिए चुन लिया जाता है तो पद की प्रोन्नति द्वारा, भरा गया समझा जायगा।	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श तब तक आवश्यक नहीं है जब तक कि किसी अवसर पर नियमों के उपबन्धों को शिथिल करने की अपेक्षा न हो	
(प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)						

[फा० सं० 1/7/72-गफ ०टी०जेड]

यू० आर० कुरलेकर, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Commerce)

New Delhi, the 12th April, 1978

G.S.R. 1133.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in super-session of the Ministry of Commerce (Kandla Free Trade Zone Administration, Gandhidham) Class II posts, Recruitment Rules, 1966, except as respects things done or omitted to be done, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Administrative Officer in the Kandla Free Trade Zone Administration, Gandhidham, under the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation (Department of Commerce), namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Kandla Free Trade Zone Administration, Gandhidham, Administrative Officer, Recruitment Rules, 1978.

(ii) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1978.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and

other methods relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Administrative Officer	1	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion deputation/transfer to be made	If a DPC exists' what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	2 years	By promotion/transfer on deputation.	Promotion/Transfer on deputations: Officers under the Central Government holding analogous posts or with at least 3/8 year's regular service in post in the scale of Rs. 550-900/ Rs. 425-700 or equivalent respectively and having experience in administration establishment and account matters. Office Superintendent working in the Kandla Free Trade Zone Administration with 5 year's service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis will also be considered. In case the Office Superintendent is selected for appointment, the post will be deemed to have been filled by promotion. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Not applicable.	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary unless the provisions of the rules are required to be relaxed on any occasions.	

[F. No. 1/72-FTZ]

U. N. KURLEKAR, Under Secy.

(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1978

सा० का० वि० 1134.—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 26) की धारा 3 की उपधारा (4) के अनुसूचन में, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० वि० 192 (अ), तारीख 5 अप्रैल, 1975 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "2 केन्द्रीय मंत्रालयों से धारा 3(4) (ii) के के अधीन नामनिर्देशित" उपशीर्षक के नीचे "(vii) वाणिज्य मंत्रालय" प्रविष्टि के स्थान पर "(vii) उद्योग मंत्रालय" प्रविष्टि रखा जाएगा।

[फा० सं० एल० 12011/5/74-ए०सी०एम०पी]

एल० जी० भाटिया, सचिव

(Department of Civil Supplies and Cooperation)

New Delhi, the 21st August, 1978

G.S.R. 1134.—In pursuance of sub-section (4) of section 3 of the National Co-operative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Civil Supplies and Co-operation) No. G. S. R. 192(E), dated the 5th April, 1975, namely:—

In the said notification, under the sub-heading "2. Nominees under Section 3(4) (ii) from the Central Ministries", for the entry "(vii) Ministry of Commerce", the entry "(vii) Ministry of Industry" shall be substituted.

[F. No. L. 12011/5/74-ACMP]

L. G. BHATIA, Under Secy.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1978

सा० का० वि० 1135.—सविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) में रिक्तार्थ कीपर की भर्ती के तरीकों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ:—(1) ये नियम पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) के रिक्तार्थ कीपर भर्ती नियम 1978 कहलायेंगे।
(2) इन नियमों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू ममज्ञा जायेगा।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान:—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण, उनसे संलग्न वेतनमान वही होंगे जो उक्त मारणी के कालम 2 से 4 तक में उल्लिखित हैं।

3. भर्ती करने की विधि, आयु सीमा तथा योग्यताएं आदि:—उक्त पदों की भर्ती विधि, आयु सीमा तथा योग्यताएं तथा उनसे संबंधित अन्य मामलें वही होंगे जिनका उल्लेख उपर्युक्त मारणी के कालम 5 से 13 में किया गया है।

4. अयोग्यताएं:—कोई भी ऐसा व्यक्ति उक्त पदों पर नियुक्ति के योग्य नहीं होगा—

(क) जो एक ऐसे व्यक्ति के साथ शादी करना चाहता हो अथवा करने का समझौता किया हो, जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित हो;

(ख) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित हो, शादी करना चाहता हो अथवा शादी करने का समझौता किया हो।

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसी शादी उस व्यक्ति पर तथा दूसरी पार्टी पर लागू होने वाले उनके स्वधर्म शास्त्र के अधीन अनुज्ञ है तथा ऐसा करने के लिए अन्य आधार हो, उस व्यक्ति पर यह नियम लागू न किये जाने की छूट दे दें।

5. छूट देने का अधिकार:—जिस किसी व्यक्ति की श्रेणी अथवा वर्ग के संबंध में इन नियमों के किसी उपबन्ध में, जहां कहीं केन्द्रीय सरकार की राय में छूट देना जरूरी अथवा न्यायोचित हो तो यह लिखित रूप में रिक्तार्थ किये जाने वाले कारणों के लिए आदेश द्वारा छूट प्रदान की जा सकती है।

6. बचाव:—केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों वाले व्यक्ति के लिए इस संबंध में जारी आदेशों के अनुसरण में उनके लिए प्रदान किये जाने वाले आरक्षण, आयु सीमा, छूट और अन्य नियमों पर इन नियमों से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

पदनाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या वे प्रवरण पद है अथवा अप्रवरण पद	सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित शैक्षणिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
रिक्तार्थ कीपर	एक	सामान्य केन्द्र सेवा श्रेणी 'सी' (धराजपत्रित गैर-मंत्रालय)	260-6-290-३० २००-6-326-8-366-३० २००-8-390-10-400 ₹०	अप्रवरण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

क्या सीधी भर्ती के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षणिक योग्यताएं पदोन्नतियों के मामले में लागू होंगी	यदि कोई परीक्षण कायम हो तो भर्ती करने की नीति क्या सीधी भर्ती द्वारा अथवा पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण और पदों की प्रतिशतता द्वारा विभिन्न पदों से भरा जाना है	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती के मामले में वे श्रेणियां जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाना है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसकी संरचना क्या है	ऐसी परिस्थितियों जिनमें भर्ती करने के समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना होता है	
8	9	10	11	12	13
नहीं	लागू नहीं होता	पदोन्नति द्वारा इसके अभाव में स्थानान्तरण अथवा प्रतिनियुक्ति द्वारा	पदोन्नति : प्रवरण श्रेणी दफ्तरी, रिकार्ड मास्टर जिन्होंने 3 वर्ष तक इस ग्रेड में नियमित रूप से कार्य किया हो और आठवीं कक्षा तक न्यूनतम शिक्षा ग्रहण की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : रिकार्ड मास्टर/प्रवरण श्रेणी दफ्तरी जिन्होंने भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों और पेट्रोलियम विभाग के अतिरिक्त अन्य विभागों में 3 वर्ष तक इस श्रेणी में कार्य किया हो तथा जिन्होंने— (क) मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से मैट्रिक अथवा इसके समान कोई परीक्षा पास की हो; अथवा (ख) भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार से रिकार्ड संरक्षण के प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया हो (प्रतिनियुक्ति की शर्तों को सामान्यतया तीन साल तक बढ़ाया गया है)	युप 'सी' विभागीय पदोन्नति समिति जिसमें— 1. अधर सचिव (स्थापना) 2. अन्य अधर सचिव 3. विभाग में वरिष्ठ विद्वान	लागू नहीं होता

[फाइल संख्या ए-42011/1/78-स्था०]

टी० पी० सुब्रह्मनियन, अधर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZERS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 11th August 1978

G.S.R. 1135.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Record Keeper in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) Record Keeper Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay :—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications :—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, age-limit relaxations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Record Keeper.	One.	General Central Service Group 'C' (non-gazetted non-Ministerial).	Rs.260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Non-Selection.	Not applicable.	Not applicable.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	If case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt
8	9	10	11	12	13
No.	Not applicable.	Promotion failing which by transfer or deputation.	<p>Promotion : Selection grade Daftries, Record Sorters with 3 years' regular service in the grade and possessing the minimum educational qualification of middle pass.</p> <p>Transfer on deputation : Record Sorters/Selection Grade Daftries with 3 years' service in the grade in the Ministries/Departments of the Government of India other than the Department of Petroleum who have—</p> <p>(a) Passed Matriculation or equivalent examination from a recognised university; or</p> <p>(b) Successfully completed of course of training in Record maintenance of record keeping at the National Archives of India (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).</p>	Group 'C' Departmental Promotion Committee composed of: 1. Under Secretary (Establishment) 2. Another Under Secretary. 3. Senior Analyst in the Department.	Not applicable.

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1978

सा० का० नि० 1136.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लक्षद्वीप प्रशासन, सहायक इंजीनियर (विद्युत), विद्युत विभाग, समूह ख पद, भर्ती नियम, 1977 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम लक्षद्वीप प्रशासन, सहायक इंजीनियर (विद्युत) विद्युत विभाग, समूह ख पद, भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लक्षद्वीप प्रशासन, सहायक इंजीनियर (विद्युत) विद्युत, विभाग, समूह ख पद, भर्ती नियम, 1977 की अनुसूची में, स्तम्भ 11 की प्रविष्टि में, "पांच" शब्द के स्थान पर, "सात" शब्द रखा जाएगा।

[मं० 2/78 फा० 39/10/76 प्रशा० 1]

जि० दे० मेहतानी, प्रवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

New Delhi, the 22nd August, 1978

G.S.R. 1136.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Lakshadweep Administration, Assistant Engineer (Electrical), Electricity Department, Group B post, Recruitment Rules, 1977, namely:—

1. (1) These rules may be called the Lakshadweep Administration, Assistant Engineer (Electrical), Electricity Department, Group B, Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come in to force on the date of their publication in Official Gazette.

2. In the Schedule to the Lakshadweep Administration, Assistant Engineer (Electrical), Electricity Department, Group B post, Recruitment Rules, 1977, in column 11, in the entry, for the figure "5", the word "seven" shall be substituted.

[No. 2/78 F. 39/10/76-Admn. I]

J. D. MEHTANI, Under Secy.

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1978

सा० का० नि० 1137.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति द्वारा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में श्रेणी-III के कतिपय पदों पर भर्ती करने की विधि को विनियमित करने के नियमों में संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, क्षेत्रीय कार्यकर्ता (पोषण) तथा क्षेत्रीय अन्वेषक (पोषण) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली (श्रेणी-III पद) भर्ती नियम, 1972 में अनुसूची के लिये निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

अनुसूची

क्रम संख्या	नाम पद	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अक्षयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिये अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	क्षेत्रीय कार्यकर्ता (पोषण)	4 (चार)	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' भराजपक्षित अनुसूचितीय	330-10-380-४० रो० 12-500-४० रो० 15-560 रुपये	अक्षयन	20-25 वर्ष तक	गृह विज्ञान में बी० एम० सी० जिसमें खाद्य और पोषण मुख्य विषयों के रूप में रहे हों। पोषण में शिक्षण अथवा अनुसंधान परियोजना का दो वर्ष की अवधि का अनुभव।

क्या सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बहिर्गत आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी	परिवर्द्धा की अवधि यदि कोई हो	सर्ती की पद्धति : क्या भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिफलता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे ग्रैंड जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि कोई विभागीय प्रोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना	वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने के लिये संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	-------------------------------	--	---	---	---

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	1. क्षेत्रीय सहायक (गल्फण्ड) से 50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा और 50 प्रतिशत रोजगार कार्यालय के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	अपने ग्रैंड में 8 वर्ष की सेवा वाले क्षेत्रीय सहायक (गल्फण्ड) में पदोन्नति।	विभागीय पदोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :— 1. निदेशक, प्रशासन और सतर्कता —अध्यक्ष 2. सलाहकार (गल्फण्ड) — सदस्य 3. अवर सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय — सदस्य 4. वरिष्ठ आहारविद — सदस्य 5. उप-निदेशक (प्रशासन) —सदस्य सचिव	लागू नहीं होता है।

1	2	3	4	5	6	7
2. क्षेत्रीय अन्वेषक (पोषण)	2 (बी)	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अराजपत्रित अतन्त्रसचिवाय	330-10-380-बी० रो० 12-500-बी० रो० 15-560	अन्वेषक	20-25 वर्ष	गृह विज्ञान में बी० एम० सी० जिसमें खाद्य और पोषण मुख्य विषयों के रूप में रहे हों। पोषण में शिक्षण अथवा अनुसंधान परियोजना का दो वर्ष का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
नहीं	दो वर्ष	क्षेत्रीय सहायक (गल्फण्ड) से 50% पदोन्नति द्वारा और 50% रोजगार कार्यालय के माध्यम से सीधे भर्ती द्वारा।	अपने ग्रैंड में 8 वर्ष की सेवा वाले क्षेत्रीय सहायक (गल्फण्ड) में पदोन्नति।	(1) निदेशक, प्रशासन और सतर्कता —अध्यक्ष (2) सलाहकार (पोषण) — सदस्य (3) अवर सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय —सदस्य (4) वरिष्ठ आहारविद — सदस्य (5) उपनिदेशक, प्रशासन — सदस्य —सचिव	लागू नहीं होता।

[सं. ए० 12018/9/76-प्रशा० III (स्वा० से० महा०)]

पी० एन० साधु, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (Department of Health)

G.S.R. 1137.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the rules regulating the method of recruitment to certain class III posts, in the Directorate General of Health Services, Recruitment Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Directorate General of Health Services, New Delhi (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the rules regulating the method of recruitment to the posts of Field Worker (Nutrition) and Field Investigator (Nutrition) in Directorate General of Health Services, Recruitment Rules, 1972 :—

Directorate General of Health Services, New Delhi (Class III posts) Recruitment Rules, 1972 for the Schedule, the following schedule shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

S. No.	Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	
1.	Field Worker (Nutrition)	4 (Four)	General Central Services, Group 'C' Non-gazetted Non-ministerial	Rs.330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Non-Selection	20-25 years	B.Sc. in Home Science with Food and Nutrition as main subjects. Experience in teaching or Research project in Nutrition for a period of two years.
2.	Field Investigator (Nutrition)	2 (Two)	General Central Services, Group 'C' Non-gazetted Non-ministerial	Rs.330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Non-Selection	20-25 years	B.Sc. in Home Science with Food and Nutrition as main subjects. Two years experience in teaching or Research Project in Nutrition.
	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation	Method of recruitment whether by direct, promotional or transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/transfer, from which promotion/transfer to be made	by If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitments	
8	9	10	11	12	13		
No	Two years	50% by promotion from Field Assistant (Goitre) and 50% by direct recruitment through Employment Exchanges.	Promotion from Field Assistant (Goitre) with 8 years service in the grade.	Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Director, Administration & Vigilance—Chairman 2. Adviser, Nutrition—Member 3. Under Secretary, Ministry of Health and Family Welfare—Member. 4. Senior Director—Member. 5. Deputy Director Administration—Member Secretary	Not applicable.		
No	Two years	50% by promotion from Field Assistant (Goitre) and 50% by direct recruitment through Employment Exchanges.	Field Assistant (Goitre) with 8 years service in the grade.	1. Director, Administration and Vigilance—Chairman 2. Adviser, (Nutrition)—Member 3. Under Secretary, Ministry of Health and family Welfare—Member 4. Senior Director—Member 5. Deputy Director Administration—Member Secretary	Not applicable.		

[No. A-12018/9/76-Adm.III (DGHS)]

P. N. SADHU, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1978

सं० का० नि० 1138—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा: स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (अनुसंधान सहायक) भर्ती नियमावली, 1973 को संशोधित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. इन नियमों को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (अनुसंधान सहायक) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1978 कहा जाए।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (अनुसंधान सहायक) भर्ती नियमावली, 1973 में अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची को अन्तःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. अनुसंधान सहायक एक (पोषण)	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अराजपक्षित अनुसन्धानीय	550-25-750-५० १००-30-900 रुपये	अन्य	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए शिथिलनीय) नोट :—भारत में उम्मीदवारों (अंशमान और निरक्षर द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अलावा) से आशेषन प्राप्त करने/होने की अंतिम तारीख आयु सीमा के निर्धारण की निर्णायक तारीख मानी जाएगी।	अनिवार्य :— (1) किसी माध्यमताप्राप्त विद्यालय से गृह विज्ञान/रसायन शास्त्र की डिग्री अथवा समतुल्य। (2) पोषण अथवा सम्बन्धित विषयों में अभ्यास/अनुसंधान और विकास/विस्तार सेवाओं के सम्बन्ध में तीन वर्ष का अनुभव। नोट :—सुयोग्य उम्मीदवार के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अर्हताएं शिथिलनीय हैं। नोट :—यदि अचयन के दौरान किसी समय संघ लोक सेवा आयोग का यह विचार हो कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित पदों के भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं तो अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामलों में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अनुभव संबंधी अर्हताएं शिथिलनीय हैं।	

क्या सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्तनी की दशा में लागू होंगी ?	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति : क्या भर्ती सीधे होंगी या प्रोत्तनी द्वारा या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोत्तनी/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे ग्रेड जिनसे प्रोत्तनी/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि कोई विभागीय प्रोत्तनी समिति हो तो उसकी संरचना	वे परिस्थितियां जिन में भर्ती करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	-----------------------------	---	---	---	---

8	9	10	11	12	13
नहीं	दो वर्ष	प्रोत्तनी द्वारा अन्यथा सीधी भर्ती द्वारा	प्रोत्तनी :— जिनकी अपने ग्रेड में नियमित नियुक्ति के पश्चात् पांच वर्ष की सेवा हो ऐसे तकनीकी सहायक (पोषण) तथा तकनीकी सहायक (सेवा)	'ख' समूह विभागीय प्रोत्तनी समिति : (1) निदेशक प्रशासन एवं सतर्कता—अध्यक्ष (2) सलाहकार (पोषण)—सदस्य (3) अवर सचिव (जन स्वा.) स्वा. और प. क. मंत्रालय—सदस्य (4) उप निदेशक प्रशासन (पी. एच.)—सदस्य	सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श लेना आवश्यक है।

1	2	3	4	5	6	7
2. अनुसंधान सहायक एक (ब्राह्म अपमिश्रण निवारण)	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अराजपक्षित अनुसंधानिक	550-25-750-५० रो०-30-900 रुपये	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए शिथिलनीय) नोट :—भारत में उम्मीदवारों (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा सखीप के उम्मीदवारों के अलावा) से आवेदन पत्र प्राप्त करने/होने की अंतिम तारीख आयु सीमा के निर्धारण की निर्णायक तारीख भारी जाएगी।	प्रतिवार्य : (1) किसी मास्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से गृह विज्ञान/रसायन शास्त्र की डिग्री अथवा सम-तुल्य। (2) बाह्य संबंधी कानूनों के कार्यान्वयन अथवा सम्बन्धित विषयों में अध्ययन/अनुसंधान सम्बन्धी कार्य में तीन वर्ष का अनुभव। नोट :—सुयोग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अर्हताएं शिथिलनीय हैं।	विश्व-विद्यालय से गृह विज्ञान/रसायन शास्त्र की डिग्री अथवा सम-तुल्य। (2) बाह्य संबंधी कानूनों के कार्यान्वयन अथवा सम्बन्धित विषयों में अध्ययन/अनुसंधान सम्बन्धी कार्य में तीन वर्ष का अनुभव। नोट :—यदि चयन के दौरान किसी समय संघ लोक सेवा आयोग का यह विचार हो कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए धारित पदों को भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं तो अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामलों में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अनुभव संबंधी अर्हताएं शिथिलनीय हैं।

8	9	10	11	12	13
नहीं	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा अन्यथा सीधी भर्ती द्वारा	पदोन्नति :— जिनकी अपने ग्रेड में नियमित नियुक्ति के पश्चात पांच वर्ष की सेवा हो ऐसे तकनीकी सहायक द्वारा (बाह्य अप-मिश्रण निवारण)	'ख' समूह विभागीय पदोन्नति समिति (1) निदेशक प्रशासन एवं सतर्कता—अध्यक्ष (2) सहायक महा निदेशक (पी० एफ० ए०) —सदस्य (3) अवर सचिव, स्वा० और प० क० मंत्रालय— सदस्य (4) उपनिदेशक प्रशासन— सदस्य	सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श लेना आवश्यक है।

[सं० ए० 12018/8/76-प्रणा० 3 (स्वा० सं० म० नि०)]

प्रेम नाथ साधू, अवर सचिव

New Delhi, the 31st August, 1978

G.S.R. 1138.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Directorate General of Health Services (Research Assistants) Recruitment Rules, 1973 namely:—

1. (1) These rules may be called the Directorate General of Health Services (Research Assistants) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Directorate General of Health Services (Research Assistants) Recruitment Rules, 1973, for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Research Assistant (Nutrition)	1	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)	Essential :— (i) Degree in Home Science/ Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' experience relating to teaching/research and development/extension services in Nutrition or allied subject. Note:—Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note:—The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt./ promotion/ deputation/transfer, from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
No.	2 years.	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion: Technical Assistant (Nutrition) and Technical Assistant (Goitre) with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'B' Departmental Promotion Committee : (i) Director Administration and Vigilance. —Chairman. (ii) Adviser (Nutrition)—Member. (iii) Under Secretary (Public Health) Ministry of Health and Family Welfare —Member. (iv) Deputy Director Administration (PH)—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.

1	2	3	4	5	6	7
2. Research Assistant (Prevention of Food Adulteration)	1	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants). Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential: (i) Degree in Home Science/ Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' experience relating to teaching/research in implementation of food laws or allied subjects. Note:—Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note:—The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

8	9	10	11	12	13
No.	2 years.	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion: Technical Assistant Food (Prevention of food Adulteration) with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'B' Departmental Promotion Committee : (i) Director Administration and Vigilance—Chairman. (ii) Assistant Director General (PFA)—Member. (iii) Under Secretary, Ministry of Health and Family Welfare—Member. (iv) Deputy Director Administration—Member.	Consultation with Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.

[No. A.12018/8/76-Adm.III(DGHS)]
PREM NATH SADHOO, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1978

सा.का.वि. 1139.—केन्द्रीय सरकार, औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 और 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात्, औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिये कल्पित नियम बनाना चाहती है। प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि नियमों के उक्त प्रारूप पर उस तारीख से 90 दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात्, विचार किया जायेगा, जिस तारीख को उम राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाये, जनता को उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व के उक्त प्रारूप की बाधत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम औषधि और प्रसाधन सामग्री (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में अनुसूची 'ग' के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जायेगी, अर्थात् :—

अनुसूची

(नियम 126 देखिए)

रोगाणुनाशी तरलों के मानक

(1) कृष्ण तरलों, और श्वेत तरलों को लागू उपबन्ध :

1. वर्गीकरण :

रोगाणुनाशियों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया जायेगा :

(क) कृष्ण तरल

(ख) श्वेत तरल

(क) कृष्ण तरल : ये पैट्रोलेियम, हाईड्रोकार्बनों सहित या उनके बिना, और/या अन्य फिलोसिक आमिशों और उनके व्युत्पन्न तथा उपयुक्त पायसीकारक से व्युत्पन्न कोलतार अम्लों या समरूप अम्लों के गहरे भूरे रंग के समांगी घोल होंगे।

(ख) श्वेत तरल : ये पैट्रोलेियम, हाईड्रोकार्बनों सहित या उनके बिना, और/या अन्य फिलोसिक आमिशों और उनके व्युत्पन्न से व्युत्पन्न कोलतार अम्लों या समरूप अम्लों से बने, सूक्ष्मतः परिक्षिप्त समांगी श्वेत से लेकर आफव्हाइट इमलेशन होंगे।

2. श्रेणीकरण

रोगाणुनाशी तरलों के उपर्युक्त वर्गों में से प्रत्येक को निम्नलिखित की बाबत न्यूनतम अपेक्षाओं के आधार पर वर्गीकृत किया जायेगा :—

राइडियल वाकर (आर० डब्ल्यू०) गुणांक निम्नलिखित रूप में होगा :

(नीचे सारणी 1 देखिए)

सारणी 1

श्रेणी राइडियल वाकर (आर० डब्ल्यू०)
गुणांक (न्यूनतम)

1. 18

2. 10

3. 5

3. प्रकार

रोगाणुनाशक तरलों की उपर्युक्त श्रेणियों में से प्रत्येक श्रेणी, प्रत्येक प्रकार के सामने उपदर्शित ताप परास में स्थिर होगी।

प्रकार निम्नलिखित परास में स्थिर

(1) 15° से 45° से०

(2) 5° से 30° से०

4. अपेक्षाएं :

रोगाणुनाशी तरलों के सभी वर्ग और श्रेणियाँ निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुरूप होंगी, अर्थात् :—

(1) तनुकरण के पश्चात् स्थिरता :

जब इसमें इसके पश्चात् वर्णित पद्धति से परीक्षण किया जाये तब रोगाणुनाशी तरल कृत्रिम कठोर जल (कृष्ण तरलों के लिये) के साथ, अथवा कृत्रिम समुद्री जल (श्वेत तरलों के लिये) के साथ, प्रायतन के एक प्रतिशत से पाँच प्रतिशत तक सभी अनुपात में, मिश्रणीय होगा जिससे कि वह पायस मिले जो कि, जब उसे छह घंटे तक प्रकार (1) (प्रसामान्य) के लिये 15° से 45° से० पर तथा प्रकार (ii) (शीतकाल) के लिये 5° से 30° से० तक पर रखा जाये तब

विच्छिन्न नहीं होगा और न ही शीर्ष भाग या तल पर के तेल पृथक्करण के चिह्नों से अधिक दक्षित करेगा।

(2) जर्मनापी मूल्य

राइडियल वाकर गुणांक :

कृष्ण तरल और श्वेत तरल का परीक्षण इसमें इसके पश्चात् दक्षित पद्धति द्वारा, राइडियल वाकर गुणांक (भार०डब्ल्यू०) गुणांक के प्रवधारण के लिये किया जायेगा।

(3) भण्डाकरण :

सभी बर्तों के रोगाणुनाशी तरल मुहु इस्पात के या कानईदार मुहु इस्पात के या अन्य उपर्युक्त आधानों में भण्डारकृत किये जायेंगे। इन्हें अस्तेदार लोहे के बने आधानों में भण्डारकृत नहीं किया जायेगा।

(4) लेबल लगाना

इन नियमों के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, आधान पर के लेबल पर निम्नलिखित का विवरण देना होगा :—

- (1) उत्पाद का नाम,
- (2) विनिर्माता का नाम और पूरा पता,
- (3) उत्पाद की श्रेणी, प्रकार और राइडियल वाकर गुणांक,
- (4) विनिर्माण की तारीख,
- (5) आधान में विद्यमान मात्रा; तथा
- (6) प्रयोग के संकेत और रीति।
- (7) वह तारीख जिस तक उत्पाद का प्रयोग किया जा सकता है।
- (5) परीक्षण की प्रणाली

(1) नमूने का तैयार किया जाता :

परीक्षण किये जाने के लिये रोगाणुनाशी तरल के नमूने को पूर्णतया मिश्रित किया जाना चाहिये और इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिये कि परीक्षण के लिये किसी प्रभाग के निकाले जाने के ठीक पहले तरल में कोई वायु न फँस जाये। परीक्षण प्रभाग को नमूने के बीच में से निकाला जाना चाहिये।

(2) तनूकरण के पश्चात् स्थिरता का परीक्षण करने की प्रणाली :

(क) कृत्रिम कठोर जल का तैयार किया जाना :

1. एन० हार्डडोक्लोरिक एमिड (बैक्टेरिक अभिकर्मक क्वालिटी) के 40 मि०लि० का कैल्शियम कार्बोनेट के क्वचित्ताधिक्य के साथ निष्प्रभावित किया जाता है और छान लिया जाता है। इसी वस्तु को आयुत जल के साथ 1000 मि०लि० तक तनुकृत किया जाता है। इस घोल के दस भागों को फिर आयुत जल के साथ सौ भागों तक और तनुकृत किया जाता है।

(ख) कृत्रिम समुद्री जल का तैयार किया जाना—27 ग्राम सोडियम क्लोराइड (बैक्टेरिक अभिकर्मक क्वालिटी) और 5 ग्राम मैग्नीशियम सल्फेट (बैक्टेरिक अभिकर्मक क्वालिटी) को आयुत जल में घोला जाता है तथा एक हजार मि०लि० तक तनुकृत किया जाता है। घोल को प्रयोग के पहले छान लिया जाता है।

(ग) प्रक्रिया : नमूने के 1 मि०लि० और 5 मि०लि० के प्रभागों को दो जगह, मो मि० लि० वाले डाटशर भापक मिनिंजरों (मार्ड० एम० 878-1956) से पिपेट द्वारा ले लीजिये। नमूनों को कृत्रिम कठोर जल या कृत्रिम समुद्री जल (जैसा भी स्थिति हो) के साथ 100 मि०लि० चिह्न तक तनुकृत कीजिये। सिलिंडरों को पाँच बार उल्टा करके नमूने पूर्णतः मिश्रित कीजिये। तनुकृत तरलों वाले सिलिंडरों को, उस विशिष्ट प्रकार के लिये विनिर्दिष्ट ताप परास की पराकाष्ठा

पर छह घंटे तक रखिए। नमूना परीक्षण में पूरा उत्तरता है यदि उसके शीर्ष भाग और तल पर पृथक्करण के चिह्न से अधिक कुछ भी न दिखाई दे।

(3) राइडियल वाकर गुणांक (भार०डब्ल्यू० सी०) के प्रवधारण की प्रणाली :

उपकरण आन्तरिक व्यास में चार मि०मी० का लूप, 28 एस० डब्ल्यू० ओ (0.376 मि०मी०) के प्लेटिनम या प्लेटिनम इरोडियम मिश्रधातु के तार के सिरे पर, जो लूप से होल्डर तक 38 मि०सी० लम्बा हो, बनाया जाता है। लूप तार को सम्बाई के साथ ऐसे कोण पर मोड़ा जाता है जिससे कि तरल की सतह से ऊँचा सटाकर उसके निकाले जाने में सुविधा हो, जबकि लूप का स्वान क्षेत्र बना रहे।

इस्यूवेटर 37° से० ± 10° से० पर चैट और संघारित

पिपेट 10 मि०लि०, 5 मि०लि० और 1 मि०लि० की धारिता के मानक संघारित पिपेट।

पातल पिपेट 0.2 मि०लि० टपकाने के लिये निर्मित।

श्रीवधि प्रयोग कठोर उबासीन काँच की बनी 125 मि०सी० × 20 मि०मी०

नलियाँ (5"/3/4") की रोगाणुरहित जलदार बिना रिम की 5 परख नलियाँ

यूथ नलियाँ श्रीवधि प्रयोग नलियाँ जैसी एक ही प्रकार की लगभग दो दर्जन

डाटशर और 10 मि०लि० में संघारित 500 मि०लि०—एक संघारित मानक 1 मि०लि० में संघारित 100 मि०लि०—पाँच

भापक सिलिंडर सभी उपकरण उपयोग के ठीक पहले साबुनीपूवक स्वच्छ और रोगाणुरहित होने चाहिये।

अभिकर्मक (क) यूथ : निम्नलिखित संघटकों का मिश्रण तैयार कीजिये :

मौम निष्कर्ष (सूक्ष्म जेबिकी श्रेणी)—20 ग्रा० पेक्टोन (सूक्ष्म जेबिकी श्रेणी) —20 ग्रा०

सोड० क्लोराइड—(अभिकर्मक क्वालिटी) 10 ग्राम भासुत जल—1000 मि०लि०

ठोस पदार्थों को आयुत जल में बोलिये। घोल को निष्प्रभावित करने के लिये उसमें पर्याप्त सोडियम हाईड्रोक्लोराइड मिलाइए, फिर फास्फेट धटाने के लिये उसे उबालिये और गर्म दशा में ही छान लीजिये। इस प्रकार तैयार किये गये यूथ को प्रसामान्य हार्डडोक्लोरिक एमिड के साथ पी०एच० 7.6 तक समायोजित कीजिये। तब यूथ को 20 मिनट तक 15 पाउण्ड दाब पर फाटोकलेव करके रोगाणुरहित कीजिये तब इसे छान और रोगाणुरहित की गई यूथ नलियों में 5 मि० लि० मात्राओं में रखिए। इस प्रकार तैयार की गई सीडिया की नलियाँ 10 मिनट तक 15 पाउण्ड दाब पर फाटोकलेव करके रोगाणुरहित की जाती हैं। सीडियम का अन्तिम पी०एच० 7.3 से 7.5 के बीच होना चाहिये। पूंज में या नलियों में घागे पुनः रोगाणुनाशन अनुसंग नहीं है।

(ख) परीक्षण जीव—अप्रयुक्त परीक्षण जीव सालमोनेला टाइफी एच० सी०डी०सी० 766 है जिसका उपयुक्त कल्चर निदेशक, केन्द्रीय श्रीवधि प्रयोगशाला, कलकत्ता से अभिप्राय किया जायेगा। इस कल्चर का, किसी न्यूट्रिएण्ट अगर स्नोप (जो उपर्युक्त रीति से तैयार किये गये यूथ में 2.5 प्रतिशत अगर-अगर (जीवाणु श्रेणी) का विलयन करके तैयार किया गया हो। साप्ताहिक सब-कल्चर द्वारा, सब-कल्चर को 37° से० पर 23 घंटे तक उभावित करके और तत्पश्चात् रेफि-

जरेटर में 22° से० से नीचे के तापमान पर भण्डारण करके, अनु-रक्षण किया जाता है। परीक्षण के प्रयोजन के लिये शुद्धित अणु-स्थोप में विलुप्त हाल ही के सब-कल्चर से थोड़ी सी अभिवृद्धि को आर० डब्ल्यू० यूथ की नली में रखा जाता है और 38° से० पर 23 घंटे तक उष्णायित किया जाता है। तब, मानक लूप भार मात्रा को दूसरी नली में अन्तर्गत किया जाता है और उसे पहले की तरह उष्णायित किया जाता है। कोई परीक्षण, किये जाने के पहले ऐसा कम से कम तीन बार किया जाता है। यूथ में सब-कल्चर 14 दिन तक किया जाता है।

(ग) मानक फिनाल

रासायनिक तौर पर शुद्ध फिनाल का निर्जर्म आमुन जल में 5 प्रतिशत डब्ल्यू०/बी० घोल, जिसका क्रिस्टलन बिन्दु 40.5° से० से कम न हो, तैयार किया जाता है। बनाए गये घोल के प्रति 95, 100, 105, 115 मि०लि० में एक ग्राम फिनाल के परीक्षण तनुकरण इस स्टाक घोल में तैयार किये जाते हैं। ये तनुकरण, तैयार किये जाने के एक सप्ताह के भीतर उपयोग में लाये जाने चाहिये।

(घ) रोगाणुनाशी (नमूना) के परीक्षण-तनुकरण

नमूना वेसे तैयार किया जाता है जैसे नमूनों का तैयार किया जाना के अन्तर्गत वर्णित है। परीक्षण 5 मि०लि० के लिये का हिस्सा निकाला जाता है और किसी 500 मि० लि० के कांच के डट्टर निर्जर्म मापक सिलिंडर में, लगभग 480 मि०लि० निर्जर्म आमुन जल में डोड़ा जाता है और पिपेट को माफ द्रव में नोन या अधिक बार खंभाया जाता है। तब उस सन्पूर्ण मात्रा को निर्जर्म आमुन जल से 500 मि० लि० तक कर लिया जाता है, सिलिंडर को अनेक बार उल्टा करके पूर्णतः मिश्रित कर लिया जाता है। तब इस स्टाक घोल से तुरन्त निर्जर्म आमुन जल में उपर्युक्त परीक्षण तनुकरण तैयार किये जाते हैं।

प्रक्रिया--रोगाणुनाशी के 5 मि०लि० के 5 चुने हुए तनुकरण, चार औषधि प्रयोग नलियों में रखे जाते हैं जिन्हें तत्पश्चात् ऐसे रैंक में रखा जाता है जिसमें 17° से० और 18° से० के बीच के स्थिर तापमान पर रखे गये जल उष्मक की व्यवस्था हो, प्रबलतम तनुकरण बाई और हांगा। पाँचवीं औषधि प्रयोग नली, जिसमें विशिष्ट फिनाल तनुकरण की 5 मि०लि० मात्रा हो, बाई और रखी जाती है। जब औषधि प्रयोग जीरो टाइम पर शुरू होकर जल उष्मक के तापमान पर पहुँच गया हो, तब कल्चर की नलियों की अन्तर्वस्तु और परीक्षण जीव का यूथ कल्चर 0.2 मि०लि० मात्रा बाई और की औषधि प्रयोग नली में मिला दी जाती है और नली को धीरे-धीरे हिलाया जाता है। और 30 सैकंड के अन्तरालों पर प्रत्येक आनुकृतिक नली के साथ यही प्रक्रिया दोहराई जाती है जब तक कि फिनाल नियन्त्रण को सरोपित न कर दिया गया हो। इस अन्तिम परिवर्धन के 30 सैकंड (जीरो से 2½ मिनट) पश्चात् बिल्कुल बाई और की नली को घनी भाँति हिलाई गयी अन्तर्वस्तु की स्कलूप भर मात्रा निकाली जाती है और उसे 5 मि०लि० यूथ मोडियम वाली नली में डाला जाता है। इसके 30 सैकंड पश्चात् द्वितीय औषधि प्रयोग नली पर ऐसी ही प्रक्रिया की जाती है। यह प्रक्रिया बाई और से बाई और कार्य करने हुए, पाँचवीं औषधि प्रयोग नलियों में से प्रत्येक के साथ 30 सैकंड के अन्तराल पर दोहराई जाती है, जब तक कि कल्चर के चार सैट, अर्थात् उच्छादन के पश्चात् क्रमशः 2½, 5, 7½ और 10 मिनट पर, न बन गये हों। प्रत्येक बार निकाले जाने के समय यह सुनिश्चित करने की सावधानी बरती जानी चाहिये कि लूप तरल की सतह से ऊपर-ऊपर में इस प्रकार निकाला जाना चाहिये कि उस का तल अनुप्रस्थ रहे और परीक्षण नलियाँ पार्श्व को स्पर्श न करें। लूप को प्रत्येक संक्रिया के बीच नी से रोगाणुरहित रखा जायेगा जिसमें यह सावधानी बरनी जानी चाहिये कि लूप पुनः प्रयुक्त किये जाने के पहले ठण्डा हो जाये। सरोपित यूथ नलियाँ 37° से० पर 48 घंटे तक और

अधिक से अधिक 72 घंटे तक उष्णायित की जाती है, जब परीक्षण जीवों की अभिवृद्धि दर्शित करने वाली नलियाँ यूथ की आविलता द्वारा पहचानी जाएँगी।

गुणांक की संगणना : आर० डब्ल्यू० गुणांक, रोगाणुनाशी के उस तनुकरण को विभाजित करके अभिप्राप्त किया जाता है जो 2½ और 5 मिनट में परीक्षण जीव का जीवन दर्शित करता है किन्तु उसके पश्चात् फिनाल के उस तनुकरण द्वारा जिसकी वही अनुक्रिया होती है कोई जीवन दर्शित नहीं होते। नमूने या एक प्रकृपी सैट नोबे दिया गया है :—

रोगाणुनाशी तनुकरणों के नमूने	उच्छादन का समय मिनटों में			
	2½	5	7½	10
1	2	3	4	5
1 : 1000	—	—	—	—
1 : 1100	+	—	—	—
1 : 1200	+	+	—	—
1 : 1300	+	+	+	—
				100
				= 12

फिनाल नियन्त्रण 1 : 100 + + — —

(+ अभिवृद्धि — कोई अभिवृद्धि नहीं)

अन्य रोगाणुनाशी तरीकों को लागू उपबन्ध :—

रोगाणुनाशी तरल जो उन रसायनों में निम्न रसायनों तैयार की जाते हैं जो इन अनुसूची के भाग 1 के नोबे विनिर्दिष्ट हैं, लेबल पर दर्शित सूत्र या संघटकों की सूची की अनुकूल होंगे।

लेबल लगाना—लेबल लगाने की बाबत नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, निम्न आघात के लेबल पर निम्नलिखित का कथन होगा :—

- (1) उत्पाद का नाम,
- (2) विनिर्माता का नाम और पूरा पता,
- (3) निर्माता का पूरा सूत्र या संघटकों की सूची,
- (4) विनिर्माण की तारीख,
- (5) वह तारीख जिस तक उत्पाद का प्रयोग किया जा सकता है,
- (6) आघात में विद्यमान मात्रा, तथा
- (7) उपयोग के सकेत और रीति

पूर्वावधानिक टिप्पण :

पारा आदेशों को सभी अंशों में से बिल्कुल ही निकाल दिया जायेगा।

[सं० 11013/1/78-जी०एम०एम० एण्ड पी० एफ०ए०]

(Department of Health)

New Delhi, the 24th August, 1978

G.S.R. 1139.—The following draft of rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945 which the Central Government proposes to make after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), is hereby published, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of 90 days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, for Schedule O, the following Schedule shall be substituted, namely :—

"SCHEDULE O

(See rule 126)

STANDARD FOR DISINFECTANT FLUIDS

(1) Provision applicable to Black Fluids and White Fluids :

1. Classification.—The disinfectants shall be classified as follows :

(A) Black fluids

(b) White fluids

(A) Black fluids :—

These shall be homogeneous dark brown solutions of coal tar acids or similar acids derived from petroleum, with or without hydrocarbons, and/or other phenolic compounds, and their derivatives and a suitable emulsifier.

(B) White fluids :

These shall be finely dispersed homogeneous white to off-white emulsion consisting of coal tar acids or similar acids derived from petroleum, with or without hydrocarbons, and/or other phenolic compounds, and their derivatives.

2. Gradation.—Each of the above classes of disinfectant fluids shall be graded on the basis of the minimum requirements in respect of :—

Rideal Walker (RW) Coefficient as follows :—

(See Table 1 below)

TABLE 1

Grade	Rideal Walker (RW) Coefficient (Minimum)
1.	18
2.	10
3.	5

3. Type :—Each of the above grades of Disinfectant fluid shall be stable in the range of temperature indicated against each type :

Type	Stable in the range of
(I) Normal	15°C to 45°C
(II) Winter	5°C to 30°C

4. Requirements :—All classes and grades of Disinfectant fluids shall comply with the following requirements namely :—

(1) Stability after dilution :—When tested by the method described hereinafter, the Disinfectant fluid shall be miscible with artificial hard water (for Black fluids) or with artificial sea water (for White fluids) in all proportion from 1 per cent to 5 per cent by volume, to give emulsion which shall not break or show more than traces of separation of either top or bottom oil when kept for 6 hours at 15°C to 45°C for Type (I) (Normal) and 5°C to 30°C for Type (II) (Winter).

(2) Germicidal Value :—

Rideal Walker Coefficient :—Black fluids and White fluids shall be tested for the determination of Rideal Walker Coefficient (R. W. Coefficient) by the method described hereinafter.

(3) Storage :—Disinfectant fluids of all classes shall be stored in mild steel, tinned mild steel or other suitable containers. These shall not be stored in containers made of galvanised iron.

580 GI/78—4

(4) Labelling :—Subject to the other provisions in these rules, the label on the container shall state :—

(i) The name of the product.

(ii) The name and full address of the manufacturer.

(iii) Grade, type, R. W. Coefficient of product.

(iv) Date of manufacture.

(v) Quantity present in the container.

(vi) Indications and mode of use.

(vii) Date upto which the product can be used.

(5) Method of testing :—

(1) Preparation of sample : The sample of disinfectant fluid to be tested should be mixed thoroughly taking care that no air is beaten into the fluid immediately before withdrawing any portion for testing. The rest portion should be withdrawn from the middle of the sample.

(2) Method of testing stability after dilution :—

(a) Preparation of Artificial hard water : 40 ml. of 1N Hydrochloric Acid (Analytical Reagent Quality) is neutralised with a slight excess of Calcium Carbonate and filtered. The filtrate is diluted to 1000 ml. with distilled water, 10 parts of this solution is further diluted to 100 parts with distilled water.

(b) Preparation of Artificial Sea Water :—27 G of Sodium chloride (Analytical Reagent Quality) and 5 G of Magnesium Sulphate (Analytical Reagent Quality) are dissolved in Distilled water and diluted to 1000 ml. The solution is filtered before use.

(c) Procedure :—Take 1 ml. and 5 ml. portions of the sample in duplicate in 100 ml stoppered measuring cylinder (IS : 878-1956) by means of pipettes. Dilute the sample with artificial hard water or Artificial Sea Water (as the case may be) upto 10 ml. mark. Mix thoroughly by inverting the cylinders 5 times. Keep the cylinders containing the diluted fluids for 6 hours at the extremes of the temperature range specified for the particular type. The sample complies with the test if the solution shows not more than a trace of separation at its top and bottom.

(3) Method of determination of Rideal Walker Coefficient (R. W. C.).

Apparatus :—A loop, 4 mm in internal diameter is made at end of a 28 swg (0.375 mm) wire of platinum or platinum iridium alloy, 38 mm long from the loop to the holder. The loop is bent at such an angle to the length of the wire as will facilitate its removal vertically from the surface of the liquid while keeping the place of the loop horizontal.

Incubator.—Set and maintained at 37°C ± 1°C.

Pipettes.—Standard graduated pipettes of capacity 10 ml., 5 ml. and 1ml.

Dropping Pipette.—Made to deliver 0.2 ml.

Medication tubes.—5 sterile plugged rimless test tubes 125 mm x 22 mm. (5" x 3/4") made of hard neutral glass.

Broth tubes.—About 2 dozens of the same description as medication tubes.

Standard measuring cylinders stopped and graduated.—500 ml. graduated in 10 ml.—one 100 ml. graduated 1 ml.—five. All apparatus must be scrupulously clean and sterile immediately before use.

Reagents.—(a) Broth—Prepare a mixture of the following ingredients :

Meat extract (Microbiological grade) 20 g. Peptone (Microbiological grade) 20 g. Sodium Chloride (Reagent quality)—10 g. Distilled Water—1000 ml.

Dissolve the solids in distilled water. Add sufficient sodium hydroxide to neutralise the solution ; then boil it to bring down phosphates and filter while hot. The broth thus prepared is then adjusted to pH.7.6 with normal Hydrochloric acid. The broth is then sterilised by autoclaving at 15 Lbs. pressure for 20 minutes. It is then filtered and placed in

5ml. quantities in sterilised broth tubes. The tubes of media thus prepared are sterilised by autoclaving at 15 Lbs. pressure for 10 minutes. The final pH of the medium should lie between 7.3 and 7.5. Further re-sterilisation in bulk or in tubes is not permissible.

(b) Test Organism :—The test organism used is *Salmonella typhi* (NCTC 786) of which suitable culture shall be obtained from the Director, Central Drugs Laboratory, Calcutta. This culture is maintained by weekly sub-culture on a nutrient agar slope (made by dissolving 2.5 per cent Agar Agar (Bacteriological grade) in the broth prepared as above), incubating the sub-culture for 24 hours at 37° and then storing in refrigerator at a temperature below 22°C. For the purpose of the test a little of the growth from the most recent sub-culture in nutrient agar slope is placed in tube of R. W. broth and incubated for 23 hours at 38°C. A standard loopful is then transferred to a second tube and incubated as before. This is done for at least three times before a test is carried out. Sub-culturing in broth is limited to 14 days.

(c) Standard Phenol : 5 per cent W/V solution in sterile distilled water of chemically pure phenol having a crystallising point of not less than 40.5°C is prepared. Test dilutions are prepared from this stock solution containing 1 g of phenol in each 95, 100, 105, 115 ml. of the solution made. These dilutions shall be used within a week of preparation.

(d) Test dilutions of Disinfectant (sample) :—The sample is prepared as described under "Preparation of samples". A test portion of 5 ml. is withdrawn and discharged into about 480 ml. of sterile distilled water in a 500 ml glass stoppered sterile measuring cylinder and the pipette is rinsed three times or more in the clear liquid. The whole is then made up to 500 ml. with sterile distilled water, the cylinder is stoppered and the contents thoroughly mixed by inverting the cylinder several times. Suitable test dilutions in sterile distilled water are then immediately prepared from this stock solution.

Procedure : 5 ml. of 4 chosen dilutions of the disinfectant are placed in 4 medication tubes which are then placed in a rack provided with water bath maintained at a constant temperature between 17°C and 18°C, with the strongest dilution on the left. The fifth medication tube containing 5 ml. of the particular phenol dilution is placed on the right. When the content on the medication tubes and broth culture of the test organism have reached the temperature of the water bath, starting at Zero time, 0.2 ml. of the culture is added to the left hand medication tube and the tube is shaken gently. After 30 seconds the next tube is inoculated similarly and the process is repeated with each successive tube at intervals of 30 seconds until the phenol control has been inoculated. Thirty seconds after this last addition (that is 2 1/2 minutes from zero) a loopful of the well shaken content of the tube at the extreme left is withdrawn and placed in tube containing 5 ml. of the broth medium. Thirty seconds after this, similar operation is performed on the second medication tube. The procedure is repeated at an interval of 30 seconds with each of the 5 medication tubes working from left to right until 4 sets of cultures have been made i.e. at 2-1/2, 5, 7-1/2 and 10 minutes respectively after exposure. In each withdrawal care should be taken to ensure that the loop is removed vertically from the surface of the liquid with its plane horizontally and without touching the side of the test tubes. The loop shall be sterilized by flaming between each operation, care being taken that the loop is cooled before being again used. The inoculated broth tubes are incubated for not less than 48 hours and not more than 72 hours at 37°C, when the tubes showing growth of the test organisms will be recognised by turbidity of the broth.

Calculation of Coefficient :—The R. W. Coefficient is obtained by dividing that dilution of the disinfectant which shows life of test organism in 2-1/2 and 5 minutes but no life thereafter by that dilution of the phenol which gives the same response. A typical set of sample is given below :

Sample disinfectants	Dilutions	Time of exposures in minutes			
		2½	5	7½	10
1 : 1000	—	—	—	—	R.W.
1 : 1100	+	—	—	—	Coeff.
1 : 1200	+	+	—	—	1200
1 : 1300	+	+	+	—	100
					= 12
1 : 100	+	+	—	—	
(+= growth) — = No growth)					

Provisions applicable to other Disinfectant fluids :

Disinfectant fluids which are made with chemicals other than those specified under Part 1 of this Schedule shall conform to the formula or list of ingredients shown on the label.

Labelling : Subject to the provisions of rules on labelling, the label of container shall state :—

- (i) the name of the product.
- (ii) the name and full address of the manufacturer.
- (iii) the full formula or list of ingredients of the preparation.
- (iv) date of manufacture.
- (v) date upto which the product can be used.
- (vi) quantity present in the container and
- (vii) indications and mode of use.

Cautionary note :

Mercury compounds shall be strictly excluded from all grades."

[No. X. 11013/1/78-DMS&PFA]

नई दिल्ली 26 अगस्त, 1978

सा० का० नि० 1140.—श्रीषध और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1240 (1940 का 23) की धारा 12 और 33 की अपेक्षानुसार भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० सा०का०नि० 595 (अ) तारीख 27 अगस्त, 1977 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2 खंड 3, उपखंड (1) तारीख 27 अगस्त, 1977 के पृष्ठ 1753 से 1759 पर श्रीषध और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिये नियमों का एक प्रारूप प्रकाशित किया गया था। उक्त अधिसूचना में ऐसे सभी व्यक्तियों से आशेष और सुझाव मांगे गये थे जिनका उनसे प्रभावित होना संभाव्य था। ये आशेष और सुझाव राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिसूचना की प्रति जनसाधारण को उपलब्ध कराये जाने की तारीख से नब्बे दिन के भीतर मांगे गये थे;

और उक्त राजपत्र 9 सितम्बर, 1977 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप की बाबत प्राप्त आशेषों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 12 और 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीषध तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श के पश्चात् श्रीषध और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम श्रीषध और प्रसाधन सामग्री (अतुल्य संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. श्रीषध और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में,—

(1) नियम 48 में, "श्रीषध" शब्द के पश्चात् "या प्रसाधन सामग्री" शब्द अन्तःस्थापित किये जायेंगे

(2) अनुसूची ख के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जायगी
अर्थात् :—

अनुसूची ख

(नियम 7 और 48 देखिए)

केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला या सरकारी विश्लेषक द्वारा परीक्षण या विश्लेषण के लिये फीस।

1. जब आपापन की अपेक्षा करने वाली औषध, जिसमें हार्मोन आदि सम्मिलित हैं, के लिये फीस

₹०

एड्रिनो कार्टिकोशपिक हार्मोन	200
डिजिटैलिस	200
स्ट्रॉफैन्थस	200
पीयूषिका (पायबं खंड) तार	100
एड्रिनलीन निर्मीतियां	100
थायराइड	200
लिंग ग्रन्थि निर्मीतियां	200
प्रोवेरियल	200
ल्यूटील	200
आर्किड	200
हैपारिन	150

इंसुलिन और इंसुलिन संयोजन (दीर्घकालिक क्रिया) * 400 से 1000 तक

जैव संख्या, नियासंकेतामीन आदि 75 से 100 तक

प्रोटीमाइन सल्फेट 150

रोगाणुहीनता का परीक्षण 50

अपसामान्य विषालुता या असुचित विषालुता या सुरक्षा परीक्षण 75

घूँहों पर घातक मात्रा एल०डी० 50 से एल० डी० 10 का अवधारण 250

पाइरोजन परीक्षण 50

एटिबायोडिक्स (जैव आपापन) 75

(प्रत्येक अवयव के लिये रसायन परीक्षण) 50

रोगाणुमारी 100

शल्य सीवन (किए जाने वाले परीक्षणों की संख्या पर निर्भर करते हुए) 50 से 100 तक

हिस्टामीन जैसे पदार्थों के अपवादी परीक्षण 75

हायल्यूरोमिनेज 100

अन्य कोई परीक्षण जिसमें पशु प्रयोग अपेक्षित हो 50

सूक्ष्म जीविकी आपापन 75

सूक्ष्म परीक्षण 25

रासायनिक परीक्षण और आपापन पहचान परीक्षण 25

टेबलेटों और कैपसूलों का बिघटन

(क) सामान्य 10

(ख) शर्करा-बिलेपित 20

(ग) घात बिलेपित 40

जलीरज्जित-रासायनिक आपापन 30

आमापन से भिन्न परीक्षण (प्रत्येक परीक्षण के लिये

उपद्रव्यों, राखभन्तर्वस्तु मूल्य, पूर्ण ठोस, अम्ल मूल्य 10

आयोडीन मूल्य, साक्षुनीकरण मूल्य, शुष्क करने पर हानि आदि की सीमा के लिये परीक्षण

द्रुवण घूर्णन 25

अपवर्तनांक 25

प्रत्येक परीक्षण के लिये भौतिक परीक्षण 5

(विलेयता, पी०एच० भार की एक रूपता, भौतिक स्थिरांक आदि)

जल (कलं फिशर) 30

भारी धातुएं 25

संख्या परीक्षण 25

पत्रिल वर्णविवेचन 25

पतला स्तर वर्णविवेचन 30

स्तम्भ वर्णविवेचन 25

रीब तरल वर्णविवेचन 100

हन्फा-रेड पहचान 50

बहुकूपी परीक्षण (बलोरमफेनिकल परमिटेट में बहुकूपी

ए०की० अन्तर्वस्तु) 200

अन्य प्रकीर्ण परीक्षण * 25 से 100

2. सेरा और टीकों के लिये फीस :

सेरा (क) औषधकोष के विनिर्देश के अनुसार परीक्षित 150

(ख) यह अवधारणा करना कि नमूना विनिर्दिष्ट

अनुमापनांक (टाइटर) तक है 100

टीका—(क) वह परीक्षण जिसमें पशु-परीक्षण किया गया हो * 100 से 300

(ख) वह परीक्षण, जिसमें पशु परीक्षण नहीं किया गया है। 50

नैदानिक जीवविष : (क) पहचान परीक्षण 50

(ख) शक्तिमता परीक्षण 200

नैदानिक सेरा, शक्तिमता और अम्लता परीक्षण 100

रोहिणी, काली खांसी और धनुस्तम्भ उत्पाद

(क) टीके के काली खांसी (पारद्यूर्नस) अंश की शक्तिमता 500

(ख) धनुस्तम्भ (टिडेनस) अंश की शक्तिमता 300

(ग) रोहिणी (डिप्थीरिया) अंश की शक्तिमता 200

3. प्रसाधन सामग्री * 100 से 300 तक

4. रज्जु गिस्ताबेष्टन (कण्डोम) 250

होम्योपैथिक औषध

1. वनस्पति उत्पत्ति की अपरिष्कृत सामग्री (संघटकों के आपापन से भिन्नता के लिये पहचान परीक्षण) 50

2. रासायनिक उत्पत्ति की अपरिष्कृत सामग्री (आमापन से भिन्नता के लिये पहचान परीक्षण) 25

3. रासायनिक उत्पत्ति की औषध के लिये सीमा परीक्षण 75

4. कुल अल्कली या रासायनिक उत्पत्ति की औषध का आपापन 30

5. पशु-उत्पत्ति या सूक्ष्म-जीविक औषध के लिये पहचान परीक्षण 25

6. मरर टिकर, 3 एम० तक या उसके समतुल्य	र०
शक्तिमतायें	50

* फीस की रकम का ठीक ठाक भवधारण, यथास्थिति, निदेशक या सरकारी विश्लेषक द्वारा किया जायेगा।

टिप्पणी: 1. ऐसे परीक्षणों के लिये जो अनुसूची में नहीं दिये गये हैं का भवधारण, यथास्थिति प्रयोगशाला संस्थान के विश्लेषक या सरकारी विश्लेषक द्वारा किया जायेगा।

2. प्रायुर्वेदिक, यूनानी और भिन्न औषधियों से संबंधित परीक्षणों के लिये प्रभारों का भवधारण, यथास्थिति प्रयोगशाला संस्थान के सलाहकार (ग्राह० एम०एम०) निदेशक या सरकारी विश्लेषक द्वारा किया जायेगा।

[मं० 11013/2/78-डी०एम०एस० एण्ड पी० एफ०ए०]

जी० पंचापकेशन, अवर सचिव

New Delhi, the 26th August, 1978

G.S.R. 1140.—Whereas certain draft rules to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, were published, as required by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), at pages 1753 to 1759 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 27th August, 1977, under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 595 (E) dated the 27th August, 1977 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of ninety days from the date on which the copies of the Official Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 9th September, 1977;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the said Act, the Central Government after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, hereby makes the following rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, namely:—

1. (i) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Fourth Amendment) Rules, 1978.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945,

(i) in Rule 48 after the word 'drug' the words 'or cosmetic' shall be inserted.

(ii) for Schedule B, the following Schedule shall be substituted, namely:—

"SCHEDULE B"

(See rules 7 and 48)

Fees for test or analysis by the Central Drugs Laboratory or the Government Analyst.

1. Fees for drugs including hormones etc. requiring biological assay.

	Rs.
Adrenocorticotrophic Hormone.	200
Digitalis	200
Strophanthus	200
Pituitary (Posterior Lobe) Extract	100
Adrenaline preparations.	100
Thyroid	200
Sex gland preparations	200

Ovarial	200
Luteal	200
Orchis	200
Heparin	150
Insulin and insulin combination (prolonged action)	*400 to 1000.
Organic arsenicals, neoersphenamine etc.	*75 to 100
Protamine sulphate	150
Test for sterility	50
Abnormal toxicity or undue toxicity or safety test	75

Determination of lethal doses LD 50 to LD 10 on

Mice	250
Pyrogen test	60
Antibiotics (bio-assay)	75
(Chemical test for each ingredients)	50
Disinfectants	100
Surgical sutures (depending on the number of test to be carried out)	50 to 100
Depressor of Histamine like substances test	75
Hyaluronidase	100
Any other test requiring animal experimentation	50
Microbiological assay	75
Microscopic examination	25

Chemical tests and Assays:

Identification test	25
Disintegration of tablets and capsules	
(a) Ordinary	10
(b) Sugar coated	20
(c) Enteric coated	40
Physicochemical Assays	30

Tests other than assay (limit tests for impurities, ash content, total solids, acid value, iodine value, Saponification value, loss on drying etc.), for each test

Optical rotation	25
Refractive index	25
Physical tests (solubility, PH, uniformity of weight, physical constants etc.) for each test	5
Water (Karl Fisher)	30
Heavy metals	25
Arsenic test	25
Paper chromatography	25
Thin layer chromatography	30
Column chromatography	25
Gas liquid chromatography	100
Infra Red Identification	50

Polymorph test (content of Polymorph-A in Chloramphenicol Palmitate)	200
Other miscellaneous tests	*25 to 100

II. Fees for sera and vaccines:

Sera	
(a) Examined according to specification of a pharmacopoeia	150
(b) Determination that sample is up to titre specified.	100
Vaccine (a) examination in which animal test is employed	*100 to 300

(b) Examination in which animal test is not employed. 50

Diagnostic toxins :

- (a) Identification test 50
(b) Potency test 200

Diagnostic Sera, Potency and Acidity tests . 100

Diphtheria, pertussis and Tetanus Products :

- (a) Potency of Pertussis fraction of the Vaccine 500
(b) Potency of tetanus fraction 300
(c) Potency of diphtheria fraction 200

III. Cosmetics *100 to 300

IV. Rubber condoms 250

V. Homoeopathic medicines

- (i) Identification test for raw materials of botanical origin (other than assay of constituents) 50
(ii) Identification test for raw materials of chemical origin (other than assay) 25
(iii) Limit test for drugs of chemical origin 75
(iv) Assay of total alkaloids or of drugs of chemical origin : 30
(v) Identification test for drugs of animal origin or micro-biological 25
(vi) Fee for testing of mother tinctures, lower potencies up to 3X or equivalent. 50

*The exact amount of fee shall be determined by the Director or the Government Analyst, as the case may be.

NOTE :—

1. For tests not listed in the Schedule, charges will be determined by the Director or the Government Analyst of the laboratory institute as the case may be.

2. For the tests relating to Ayurvedic, Unani and Siddha medicines, charges will be determined by the Adviser (Indigenous System of Medicine) Director or Government Analyst of the Laboratory/Institute as the case may be.

[No. X. 11013/2/78-DMS&PFA]

G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1978

सा.का.नि. 1142.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में उपनिवेशक (बागिकी सांख्यिकी) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कृषि विभाग, उपनिवेशक (बागिकी सांख्यिकी) भर्ती नियम, 1978 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1978

सा. का. नि. 1141.—विनाशकारी कीट तथा कृषि अधिनियम, 1914 (1914 का 2) की धारा 4 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इसके साथ संलग्न अनुसूची में विशिष्ट मधु को, जिनसे सेब का "स्कैब" नामक विनाशकारी खुम्भी रोग फैलाने तथा अन्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में सेब के बागीचों के रोगग्रस्त होने की संभावना होती है, जम्मु एवं काश्मीर से दूसरे अन्य राज्यों या संघ राज्य क्षेत्रों को निर्यात एवं परिवहन पर, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से प्रतिबंध लगाती है।

अनुसूची

- सेब के पौधे एवं बीजांकुर।
- सेब के पौधे के संवर्धन के लिए ऐपल बड वुड एवं कटिंग।
- स्कैब सेब मालम बाकाटा (एल) बोर्स (साइन पावरस बाकाटा, एल. पी. बाकाटा, एल. बार. सीबिरिका-मैक्सिम) सहित सभी जातियां।

[नं० 8-21/74-पी० पी० एस०]

ए० जे० एस० सोद्दी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 28th August, 1978

G.S.R. 1141.—In exercise of the powers conferred by section 4A of the Destructive Insects and Pests Act, 1914 (2 of 1914), the Central Government hereby prohibits with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India, the export and the transport from the State of Jammu and Kashmir to any other State or Union Territory, of the articles specified in the Schedule attached hereto which are likely to carry the destructive fungus disease known as apple scab (*Venturia inaequalis*) and thereby cause infection to apple orchards in other States and Union Territories.

SCHEDULE

- Apple plants and seedlings.
- Apple bud wood and cuttings meant for propagation of apple plants.
- All species of Malus including crab apple *Malus baccata* (L.) Borkh. (Syn. *Pyrus baccata* L.; *P. baccata* L. var. *sibirica*—Maxim.)

[No. F. 8-21/74-P.P.S.]

A. J. S. SODHI, Jt. Secy.

4. निरहताएं—बहु गणित—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रुत है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इस नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अधिकाधिक चयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7

उपनिवेशक (बानिकी सांख्यिकी)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपञ्चित	1100-50-1600 ₹०	लागू नहीं होता	40 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)। टिप्पणी : आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आदेश प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या सक्रिय अनुसंधान या (सांख्यिकी सहित) गणित में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि या समतुल्य। (ii) किसी कृषि संबंधी विषय में मांग, पूर्ति आप, आदि के प्राक्कलन के लिए किसी कृषि सेक्टर में बड़े पैमाने के सर्वेक्षण में मापीटरिंग कार्यक्रम अथवा किसी कृषि कार्यक्रम की योजना में अपेक्षित आंकड़ों के प्रोजेक्शन विश्लेषण में निर्धारित और मूल्यांकन अध्ययन में अथवा कृषि प्रयोजन के किसी क्षेत्र से संबंधित सांख्यिकीय आंकड़ों के विश्लेषण के लिये संगणक कार्यक्रम में 5 वर्ष का अनुभव।
-----------------------------	---	---	-----------------	----------------	---	--

टिप्पणी:—1. अर्हताएं अन्यथा सुपरहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।

टिप्पणी:—2. अनुभव संबंधी अर्हता संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उस दशा में शिथिल की जा सकती है जबकि चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इनके लिए आरक्षित पदों पर भर्ती के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं।

बांछनीय :

बानिकी सांख्यिकी के क्षेत्र में अनुसंधान का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्राप्ति और शैक्षिक प्रवृत्ति प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिषदा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी हो या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम 1958 के अधीन यथा अपेक्षित भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : भारतीय सांख्यिकीय सेवा के वर्ग 3 के ऐसे अधिकारी या भारतीय सांख्यिकीय सेवा के वर्ग 4 के ऐसे अधिकारी जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित रूप से 4 वर्ष सेवा की हो या केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के सदस्य पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने क्रमशः 700-1300 रु० 650-1200 रु० के वेतनमान वाले पदों पर 5 वर्ष/7 वर्ष नियमित रूप से सेवा की हो और जिनके पास स्तम्भ 7 में सीधी भर्ती के लिए विहित प्रकार का अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति में (सीधी भर्ती किए गए व्यक्तियों की पुष्टि के लिए) निम्नलिखित होंगे— 1. अध्यक्ष या सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव (प्रशासन)—सदस्य 3. उप-वन महानिरीक्षक—सदस्य	केन्द्रीय सरकार के समूह "ख" के अधिकारी या राज्य सरकार के अधिकारी को पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक होगा।

[सं० ए० 12018/19/76-स्था० 5]

डी०सी० बहल, धवर सचिव

1978

09 of the Constitution, the President hereby makes or (Forestry Statistics) in the Ministry of Agriculture

ment of Agriculture, Deputy Director (Forestry

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, its classification and scale of pay:—The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc:—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification:—No person:—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classifications	Scale of pay	Whether selection post or non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Deputy Director (Forestry Statistics)	1	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1100-50-1600.	Not applicable	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants). Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential: (i) At least a second class Master's degree in Statistics or Operations Research or Mathematics (with Statistics) of a recognised University or equivalent. (ii) 5 years' experience in monitoring programme in any agricultural sector in large scale surveys for estimation of demand, supply, income, etc., in any agricultural subject, or assessment and evaluation of studies in projection analysis of data required in planning of any agricultural or programme in computer or programming for analysis of Statistical data relating to any field of agricultural economy. Note:—1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note:—2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Research Experience in the field of Forestry Statistics.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment. As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulation 1958.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By transfer on deputation, failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation: Grade III Officers of the Indian Statistical Service or Grade IV officers of the Indian Statistical Service with 4 years' regular service in the grade or officers of the Central/State Governments holding analogous posts or with 5/7 years' regular service in posts in the scale of Rs. 700-1300/Rs.650-1200 respectively and possessing experience of the type prescribed for direct recruitment under column 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee for considering confirmation of the direct recruit, consisting of:— (1) Chairman or a member of Union Public Service Commission—Chairman. (2) Joint Secretary (Administration)—Member. (3) Deputy Inspector General of Forests—Member.	The Union Public Service Commission shall be consulted in making direct recruitment, appointing a Group 'B' officer of the Central Government or a State Government officer to the post.

[No.A.12018/19/76-E.V]
T. C. BAHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1978

सा० का० नि० 1143—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विस्तार निदेशालय, नई दिल्ली में फोटोग्राफिक अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम 'विस्तार निदेशालय', फोटोग्राफिक अधिकारी, भर्ती नियम 1978 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- पद संख्या उसका वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट है।
- भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु विहित अधिकतम आयु सीमा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों की दशा में केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकेगी।

4. निरर्हताएं:— वह व्यक्ति—

- जिसे ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- जिसे अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुयोग है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां, वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संयोजक सेवा प्रायोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है

सूची						
पद का नाम	पदा की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	अग्रिम पद प्रथम श्रेणी पद	संकेतित कि जहाँ कार्य करने के लिए आयु-सीमा	संबंधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आवश्यक शिक्षक और अन्य अहताएं
1	2	3	4	5	6	7
फोटोग्राफिक अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा गुरु 'ख' राजस्थान	850-30-740-35- 810-40 सी०-35- 880-40-1000-40 900-40-1200 रु०	चयन	40 वर्षों में इतिहास है। (सरकारी सेवाओं के लिए निर्दिष्ट किया जाता है) नोट : प्रत्येक मास प्रकाशित कर्म की निम्नलिखित तारीखें भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों को (उपरोक्त विभिन्न जो अंतर्गत तथा निकट-बाहर ही उपस्थित और नजदीकी में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक (1) किसी मान्यता प्राप्त/विषय-वार/पाठ्य/इन्हें में वैदिक/गणना या समस्त (2) किसी मान्यता प्राप्त से थोड़े या सम्बन्धित ने दृष्टि से प्रेषण फोटोग्राफी या किसी मान्यता प्राप्त थोड़े या सम्बन्धित में फोटोग्राफी लाइसेंस/प्रमाण (3) फोटोग्राफ की निम्नलिखित जांचाओ (रूपदार फोटोग्राफी में 2 वर्षों के अनुभव सहित) अधिकांशतः कृषि या संबन्धित विषयों में 5 वर्षों का अनुभव हो। नोट : (1) सर्वप्रकार अल्पतरु सुश्रूषित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के नियोजनार्थ निधि की जा सकती है। नोट : (2) अनुभव संबंधी प्राप्ति में संघ लोक सेवा आयोग के नियोजनार्थ अनुचित जातियों प्रथम अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामलों में उस दशा में निहित की जा सकती है जब के चयन के किसी प्रश्न पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उनके लिए आरक्षण पदों पर भर्ती के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाली इन समुदायों के अभ्यर्थी प्रमाण पत्रों में उल्लेख नहीं है।
सीजे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निहित आयु और शैक्षिक अहताएं प्रोत्तनी की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति सीधे होगी या प्रोत्तनी द्वारा या प्रतिनिधित्व/स्थापना द्वारा तथा निम्नलिखित पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	प्रोत्तनी/प्रतिनिधित्व/स्थापना द्वारा भर्ती को दया में दे दिया गया जिन्होंने प्रोत्तनी/प्रतिनिधित्व/स्थापना द्वारा भर्ती किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोत्तनी समिति है तो उत्तरी संस्करण	भर्ती करने में किस परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
आयु : नहीं	2 वर्ष	प्रोत्तनी द्वारा जिसके तहत हो सकते पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोत्तनी : फोटोग्राफिक प्रोत्तनी उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति उपरांत 3 वर्षों सेवा की हो।	समूह 'ख' विभागीय प्रोत्तनी समिति : 1. संयुक्त सचिव (विस्तार) या संयुक्त सचिव (प्रशासन) —अध्यक्ष 2. प्रशासन निदेशक/विस्तार निदेशालय — सदस्य 3. निदेशक (फसल)/उपसचिव (फसल) —सदस्य	सीधी भर्ती प्रायोगिक परामर्श ले को आयोगी	

[स० 29-20/74-क० प्र०-4]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

New Delhi, the 1st August, 1978

G.S.R. 1143. —In exercise of the powers conferred by the proviso to article 302 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Photographic Officer in the Directorate of Extension (Vistar Nideshalay), New Delhi, namely :—

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Directorate of Extension (Vistar Nideshalay) Photographic Officer Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, title, posts and Scale of pay.—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 1 to 4 of the Schedule hereinafter annexed.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid :

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruitment may be relaxed in the case of candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

4. Disqualifications.—No person,

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any provisions of these rules with respect to any Class or category of persons or post.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for the candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Photographic Officer	1	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs. 650-70-740-75-910- EB 35-880-40-1000- EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands	Essential : (i) Matriculation or equivalent of a recognised University/Board. (ii) Diploma in Visual Communication or motion picture photography or Licentiate/Diploma in Cinematography awarded by a recognised Board or Institution. (iii) 5 years' experience in various branches of Photography (including 2 years' experience in colour photography) preferably in agricultural or allied subjects.

1	2	3	4	5	6	7
					and Laksh- dweep.)	<p>Note 1 : Qualifications are relax- able at the discretion of the Union Public Service Com- mission in the case of candi- dates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2 : The qualification regard- ing experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these com- munities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Knowledge of colour process- ing work.</p> <p>(ii) Experience in the preparation and duplication of colour slides.</p> <p>(iii) Knowledge of captioning and cataloguing of photographic slides.</p> <p>(iv) Organisational capacity in equipping and maintaining the coloured photolibrary.</p>

Whether age and educational qualifi- cations prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any.	Method of recruitment, whether by direct recruit- ment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by pro- motion/deputation/transfer, grades from which promo- tion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Pro- motion Committee exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consul- ted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Age : Educational qualifications : Yes	No Two years	By promotion failing which by direct recruit- ment.	Promotion. Photographers with 3 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'B' Departmental Promotion Committee :— 1. Joint Secretary (Ex- tension) or Joint Secretary (Administra- tion)—Chairman 2. Director of Adminis- tration, Directorate of Extension—Member 3. Director (Crops)/De- puty Secretary (Crops) —Member.	The commission shall be consul- ted in making direct recruit- ment.

(खाद्य-विभाग)

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1978

सा० का० वि० 1144—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य विभाग (समूह 'क' और समूह 'ख' असंविवालयी पद) भर्ती नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- 1 (1) इन नियमों का नाम खाद्य विभाग (समूह 'क' और समूह 'ख' असंविवालयी पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 खाद्य विभाग (समूह 'क' और समूह 'ख' असंविवालयी पद) भर्ती नियम, 1963 की अनुसूची में, उप मुख्य क्रय निदेशक के पद से सम्बन्धित मद 1-ख और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6	7
"1ख उप मुख्य क्रय निवेशक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	1500-60-1800-100-2000 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	<p>स्थानान्तरण : केन्द्रीय सचिवालयी सेवा के चयन श्रेणी के वे अधिकारी जो उसमें नियमित आधार पर नियुक्त हैं प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण। भारतीय प्रशासनिक सेवा या केन्द्रीय सेवा समूह 'क' के ऐसे अधिकारी जिनकी सम्बद्ध सेवा में 9 वर्ष की नियमित सेवा हो, या केन्द्रीय सचिवालयी सेवा के श्रेणी 1 के ऐसे अधिकारी जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष तक नियमित सेवा की हो (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।</p>	<p>समूह 'क' पद 1. सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष। 2. संयुक्त सचिव (प्रशासन) —सदस्य। 3. संयुक्त सचिव (डी एण्ड प्रार) —सदस्य। 4. उपसचिव (प्रशासन) सदस्य</p>	<p>चयन, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा, सिवाय उन मामलों के जहाँ अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों या केन्द्रीय सेवा समूह 'क' के अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता हो।"</p>	

[सं० 4-2/69-ई० भाई०]

यू० पी० बी० एल० नारासिम्हन्, अवर सचिव

(Department of Food)

New Delhi, 24th August, 1978

G.S.R.1144—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Food (Group 'A' and Group 'B' Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the Department of Food (Group A Group B Non-Secretariat Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Food (Group A and Group B Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1963, for item IF relating to the post of Deputy Chief Director of Purchase and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
"1. F. Deputy Chief Director of Purchase	1	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs.1500-60-1800-100-2000	Not applicable	Not applicable	Not applicable

8	9	10	11	12	13
Not applicable.	2 years	By transfer/transfer on deputation.	Transfer : Officers of the selection Grade of the Central Secretariat to Service appointed thereto on a regular basis. Transfer on deputation : Officers of the Indian Administrative Service or Central Services Group 'A' with 9 years, regular service in the service concerned or officers of Grade I of the Central Secretariat Service with 5 years' regular service in the Grade. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 4 years)	Group 'A' posts i. Member—Chairman Union Public Service Commission ii. Joint Secretary (Administration)—Member. iii. Joint Secretary (D & R)—Member. iv. Deputy Secretary (Administration)—Member.	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission except in cases where all India Service officers or officers belonging to the Central Services Group 'A' are appointed on deputation.

[14-2/69-EI]

U. V. V. L. NARASIMHAM, Under Secy.

सांस्कृतिक विभाग

सई दिल्ली, 22 अगस्त, 1978

सांस्कृतिक 1145—आदेशानुसार, सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, अभिलेख केन्द्र, जगपुर में कनिष्ठ सगृह 'ब' और सगृह 'घ' पदों (साधारण केंद्रीय सेवा) पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. **शिक्षण नाम और प्रारम्भ**—(1) इन नियमों को भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार अभिलेख केन्द्र, जगपुर (सगृह 'ब' और सगृह 'घ' पद) अर्थात् नियम 1978 कहा जाएगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को पवृत होंगे।

2. **आयु सीमा**—ये नियम इनके अनुबद्ध अनुसूची के स्लम 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. **पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान**—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्लम 2 में 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. **भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि**—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उपरोक्त अनुसूची के स्लम 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

पारन्तु विहित अधिसूचना आयु सीमा, केंद्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के मामले में शिथिल की जा सकेंगी।

5. **अनुसूचित**—का व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसा व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह अथवा विवाह का अनुबंध किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह अथवा विवाह का अनुबंध किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि वेदविवेक परमाणु अनुबंध हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन अनुबंध है तो ऐसा करने में विचार करने आवश्यक हो सकता है कि वह व्यक्ति को इस नियम के पारम्भ में छूट दे सकती है।

6. **पद रिक्तियों के रूप में नियुक्त व्यक्तियों का होम गार्ड के रूप में प्रशिक्षण लेने का वायव्य**—इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, इन नियमों के अन्तर्गत पदों के रूप में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति तब तक अवधि के लिए होम गार्ड के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करेगा:

पारन्तु सहाय विभाग, होम गार्ड, दिल्ली व्यक्ति द्वारा प्रशिक्षण की अवधि के दौरान प्रशिक्षण के कार्य निष्पादन और स्वयं को ध्यान में रखते हुए इस अवधि को घटाने की वर्ष के अधिकार है।

7. **नियम निर्माण कार्य की शक्ति**—जहां केंद्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उनके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इस नियमों के तहत उपबन्ध को किसी वर्ष या वर्षों के व्यक्तियों या पदों की वार्षिक आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

8. **अधिसूचना**—इन नियमों का कोई भी बात ऐसे अधिसूचनाओं और अन्य नियमों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर विचारित गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वर्ग पद धारण पद है या नहीं वर्गीकरण	रहित रहने योग्य बातें और रहित रहने योग्य बातें के विषय में अधिकतम अनुसूची में वर्णित	7
1	2	3	4	5	6	7
समूह 'ग' पद						
1. क्लीक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अग्रज-पत्रित, लिपिकवर्गीय	550-25-750-द०रो० 30-900 रु०	लागू नहीं होता	30 वर्ष (1) 6 वर्ष से कम की आयु के व्यक्ति 35 वर्ष की आयु तक नहीं हो सकते हैं।	1. साधारण केन्द्रीय सेवा; (1) क्लीक वर्ग के पदों में नियुक्ति के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता में 10वीं कक्षा तक होनी चाहिए। (2) क्लीक वर्ग के पदों में नियुक्ति के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता में 10वीं कक्षा तक होनी चाहिए।
2. आणुलिपिक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अग्रज-पत्रित, लिपिकवर्गीय	330-10-380 द०रो० 2-500-द०रो०-15-500 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष (भारतीय सेवकों के लिए) शिथिल करने 35 वर्ष की आयु तक नहीं हो सकती है।	2. आणुलिपिक (1) मैट्रिकुलेशन या समतुल्य अर्थात् (ii) अंग्रेजी में टंकण में कम से कम 40 शब्द प्रति मिनट और हिन्दी या उर्दू में कम से कम 100 शब्द प्रति मिनट की गति।
3. निम्न श्रेणी लिपिय	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अग्रजपत्रित, लिपिकवर्गीय	260-6-290-द०रो० 6-326-8-366-द०रो० 8-390-10-400 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष।	3. (1) मैट्रिकुलेशन या समतुल्य अर्थात् (2) टंकण में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति पन्तु: (क) ऐसे व्यक्ति को, जो टंकण में उक्त शर्तों नहीं रखता, इस शर्त के अधीन रहते हुए नियुक्ति किया जा सकता है कि जब तक वह टंकण में 30 शब्द प्रति मिनट की गति तक प्राप्त करे, वह उस वेतनमान में रखा जायेगा जितना उस शर्त के अधीन रहने के लिए या पुनर्दृष्टि के लिए पात्र नहीं होगा, और (ख) ऐसा विकलांग व्यक्ति जो अन्यथा लिपिकीय पद धारण करने के लिए अयोग्य है किन्तु टंकण में उक्त शर्तों नहीं रखता, इस शर्त के अधीन रहते हुए नियुक्त किया जा सकता है कि विकलांगों के लिए विशेष राज-शायर कार्यालय से सहायक लिपिकता बॉर्डर या चहा ऐसा बॉर्डर न हो, निम्नलिखित शर्तों पर प्रमाणित कर दे कि उक्त विकलांग व्यक्ति अपनी विकलांगता के कारण टंकण करने में निष्पक्ष है।

सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वृत्ति में लागू होगी या नहीं।	परीक्षा की अवधि यदि कोई हो।	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या विभागीय पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रविष्टता	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसकी संरचना।	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा।
---	-----------------------------	--	--	---	--

8	9	10	11	12	13
1. लागू नहीं होता।	बी वर्ष।	प्रतिनियुक्ति द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति : सहायक, सहायक एवं रोकड़िया जिसने किसी सरकारी विभाग में अपनी श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की हो।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।
2. लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।
3. लागू नहीं होता	दो वर्ष	शन प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा। निम्न श्रेणी लिपिकों की श्रेणी में सीधी भर्ती द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का 10 प्रतिशत भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के वर्ग 4 (नियमित स्थापन में के) कर्मचारियों में से भरे जाने के लिए, निर्धारित भर्ती के अधीन रहते हुए आरक्षित किया जाएगा :-	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।
		(क) चयन ऐसे वर्ग 4 कर्मचारियों तक जो न्यूनतम शैक्षिक अर्हताओं, अर्थात् मैट्रिकुलेशन या समतुल्य, की अपेक्षा पूर्ण करते हों, सीमित विभागीय परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा।			
		(ख) इस परीक्षा के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष होगी।			
		(ग) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 45 वर्ष) अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 50 वर्ष)			
		(घ) वर्ग 4 में कम से कम 5 वर्ष की सेवा आवश्यक होगी।			
		(ङ) इस पद्धति द्वारा भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या निम्न श्रेणी लिपिकों के कांडर में एक वर्ष में होने वाले रिक्तियों के 10 प्रतिशत तक सीमित होगी : न भरी गई रिक्तियाँ अग्रणीत नहीं की जाएंगी।			

1	2	3	4	5	6	7
4. सहायक सूक्ष्म फोटोग्राफिस्ट श्रेणी-2	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराजपत्रित अलिपिकवर्गीय	425-15-500-द०रो०-15-560-20-700 रु.	लागू नहीं होता	30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)	भौतिकी में एम०एस्सी, अधिमानतः फोटोग्राफी में व्यावहारिक अनुभव सहित।
5. फोटो सहायक	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराजपत्रित अलिपिकवर्गीय	260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द०रो०-8-390-10-400 रु०	लागू नहीं होता	30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)।	विज्ञान के साथ मैट्रिकुलेशन, माष में फोटोग्राफी का अनुभव।
6. परिरक्षण सहायक	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराजपत्रित अलिपिकवर्गीय	260-8-300-द०रो०-8-340-10-380-द०रो०-10-430 रु०	चयन	30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)	मैट्रिकुलेशन, जिसमें विज्ञान एक विषय रहा हो।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
नहीं	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	ऐसे जिल्लेसाजों में से प्रोन्नति द्वारा जिनकी उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा हो।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे : (i) निदेशक अभिलेखागार- —सदस्य। (ii) उपनिदेशक, अभिलेखागार (परिरक्षण) —सदस्य। (iii) उप निदेशक अभिलेखागार (अभिलेख प्रशासन) —सदस्य। (iv) सम्बद्ध अवर सचिव (संस्कृति विभाग) —सदस्य। (v) सहायक शिक्षा सलाहकार (संस्कृति विभाग) सदस्य ; (vi) प्रशासन अधिकारी, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, —सदस्य सचिव।	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7
7. जिल्लेसाज	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराजपत्रित अलिपिकवर्गीय	225-5-260-6-326-द०रो०-8-350 रु०	चयन	30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)।	आवश्यक : (1) मिडिल स्कूल प्रमाण पत्र (आठवीं कक्षा) मैट्रिकुलेशन को अधिमान दिया जाएगा। (2) किसी वाणिज्यिक या सरकारी मुद्रणालय में उच्चवर्ग के जिल्लेसाजी के कार्य, कुष्णाप्य संग्रह पांडुलिपियों के हस्त जिल्लेसाजी या भरमस्त अथवा हस्तन का 3 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव। (3) भर्ती व्यवहारिक परीक्षण के आधार पर की जाएगी। वांछनीय : जिल्लेसाजी में 3 वर्ष का जिल्लेसा।

8	9	10	11	12	13	
नहीं	दो वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, प्रोन्नति: जिसके न हो सकने पर प्रति- निधुक्ति द्वारा, 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	परिष्कर्ता (मेन्टर) श्रेणी 1 में से जिगकी अपनी श्रेणी में कम से कम 3 वर्ष सेवा हो और जिन्होंने प्रोन्नति के लिए विचार किए जाने का पात्र होने के लिए, विभागीय परीक्षा में अर्हता प्राप्त की हो। प्रतिनिधुक्ति: ऐसे परिष्कर्ताओं/जिज्ञासुओं और सदस्य पदों में से जिनको भारत सरकार या किसी राज्य सर- कार के अभिलेखागार या पुस्तकालय में दस्तावेजों की संरक्षण और जिल्दबाजी का 3 वर्ष का अनुभव हो।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे:— (i) निदेशक, अभिलेखा- गार -- अध्यक्ष; (ii) उप निदेशक अभि- लेखागार (परिरक्षण) --सदस्य; (iii) उपनिदेशक, अभि- लेखागार (अभिलेख प्रणामन) --सदस्य। (iv) संयुक्त प्रवर सचिव (संस्कृति विभाग) --सदस्य; (v) सहायक वैशिक सलाहकार (संस्कृति विभाग) --सदस्य; (vi) प्रणामन अधिकारी, भारतीय राष्ट्रीय अभि- लेखागार --सदस्य सचिव	लागू नहीं होता	
1	2	3	4	5	6	7
8. विशेष श्रेणी अभिलेख परिचर	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अराजपन्नित अलिपिकर्मीय समूह 'घ'	225-5-260-6-326- 50008-35050	चयन	30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)।	आवश्यक: मेट्रिकुलेशन या समतुल्य अर्हताएं। वांछनीय: अभिलेखों के हस्तन से संबंधित कम से कम तीन वर्ष का अनुभव
9. प्रयोगशाला परिचर	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'घ' अराजपन्नित	210-4-250-50000 5-27050	चयन	25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)।	मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण। प्रयोगशाला में कार्य करने का कुछ अनुभव होना चाहिए।
10. परिष्कर्ता (मेन्टर) श्रेणी-1	2	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'घ' अराजपन्नित	210-4-250-50000 5-27050	चयन	25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)।	(i) मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण। (ii) अंग्रेजी भाषा का काम बलाक ज्ञान होना चाहिए। (iii) सरकारी या प्राइवेट मुद्रणा- लय में जिल्दबाजी और परिष्करण का कम से कम 3 वर्ष का अनु- भव।
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनिधुक्ति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनिधुक्ति: अभिलेख परिचरों या दस्तखतियों और सदस्य पदों में से ऐसे व्यक्ति जिनका भारत सरकार या किसी राज्य सरकार के अभिलेखा- गार या पुस्तकालय में अभि- लेखागार के रखरखाव का 3 वर्ष का अनुभव हो।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

1	2	3	4	5	6	7
11. सहायक (हेल्पर)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'घ' अराजपत्रित	196-3-220-ब०रो०- 3-232 ब०।	लागू नहीं होता	25 वर्ष	प्राथमरी स्कूल स्तर उत्तीर्ण।
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

टिप्पणी :-

- (1) परन्तु विहित अधिकतम आय सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के अभ्यर्थियों के संबंध में शिथिल की जा सकती।
- (2) प्रत्येक मामले में आय सीमा अवधारित करने की निम्नलिखित तारीख विभाग या कनेक्टाइन्ड चयन आयोग या रोजगार कार्यालयों से आवेदन प्राप्त किए जाने की अंतिम तारीख होगी।

[सं० एफ० 5-5/77-सं० ए० आई० (2)]

एच० आर० सूच, अवर सचिव।

DEPARTMENT OF CULTURE

New Delhi, the 22nd August, 1978

G.S.R. 1145.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain Group C and Group D posts (General Central Service) in the National Archives of India, Record Centre, Jaipur, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the National Archives of India, Record Centre, Jaipur (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application: These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the schedule annexed hereto.

3. Number of posts, classification and scale of pay: The number of the said postes, their classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc. : The method of recruitment to the said posts, age-limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

Provided that the upper age limit prescribed may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

5. Disqualification : No person —

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for appointment to any of the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Liability of persons appointed as Peons to undergo training as Home Guards.—Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as a peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a period of three years.

Provided that the Commandant General, Home Guards, may, having regard to the performance and standard of training achieved by any person during the period of training reduce such period to two years.

7. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

8. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Maximum age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
GROUP 'C' POSTS						
1. Superintendent	1	General Central Service Group C Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Not applicable.	30 years (relaxable upto 35 years for Government Servants).	For direct recruitment : (1) B.A. of a recognised University or equivalent. (2) About 3 years experience as Asstt. or Asstt. cum-Cashier in a Government Department.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Methods of recruitment, whether by Direct Recruitment or by Departmental promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation for transfer to be made	If a Departmental promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
---	-----------------------------	---	--	--	--

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	By deputation failing which by direct recruitment.	Deputation : Assistant, Assistant-cum-Cashier with 3 years regular service in the grade in a Government Department.	Not applicable	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7
2. Stenographer	1	General Central Service Group C Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Not applicable.	25 years (relaxable upto 35 years for Government servants).	Essential : (i) Matriculation or equivalent qualifications, (ii) Speed of at least 40 words per minute in typing and 100 words per minute in shorthand in English. Desirable : Speed of at least 30 words per minute in typing and 80 words per minute in shorthand in Hindi.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7
3. Lower Division Clerk	1	General Central Service Group C Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Not applicable.	25 years	(1) Matriculation or equivalent qualifications. (2) Minimum speed of 30 words per minute in typewriting, provided that : (a) a person not possessing the said qualification in typewriting may be appointed subject to the condition that he will not be eligible for drawing increments in the pay scale or for quasi-permanency or for confirmation in the grade till he acquires a speed of 30 words per minute in typewriting; and b) a physically handicapped person who is otherwise qualified to hold a clerical post but does not possess the said qualification in typewriting may be appointed subject to the condition that the Medical Board attached to the Special Employment Exchange for handicapped or where there is no such Board, the Civil Surgeon certifies that the said handicapped person is prevented from typing due to his physical handicap.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	100% by Direct Recruitment. 10% of the vacancies in the grade of Lower Division Clerk to be filled by direct recruitment shall be reserved for being filled up by class IV employees of National Archives of India (born: on regular establishment) subject to the following conditions :— (a) Selection would be made through a Departmental examination confined to such class IV employees who fulfil the requirement of minimum educational qualifications, namely, Matriculations or equivalent. (b) The maximum age limit for this examination shall be 40 years (45 years for Scheduled Caste for Tribe candidates). The upper age limit relaxable upto 45 years (50 years for Scheduled Caste for Scheduled Tribe candidates). (c) At least five years service in Class IV would be essential. (d) The maximum number of recruits by this method will be limited to 10% of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerk occurring in a year; unfilled vacancies would not be carried over.	Not applicable	Not applicable	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7
4. Assistant Microphotographer Grade II.	2	General Central Service Group C Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Not applicable.	30 years (relaxable upto 35 years for Government servants).	M.Sc. in Physics preferably with practical experience in Photography.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7
5. Photo-Assis- tant.	2	General Central Service Group C non- Gazetted non Ministerial.	Rs. 260-6-290-EB- 6-326-8-366-EB-8- 390-10-400.	Not applic- able.	30 years (relax- able upto 35 years for Go- vernment servant).	Matriculation with Science having experience of Photography.
6. Preservation Assistant.	2	General Central Service Group C non- Gazetted non- Ministerial.	Rs. 260-8-300-EB-8- 340-10-380-EB-10- 430.	Selection	30 years (relax- able upto 35 years for Go- vernment servants).	Matriculation with Science as one of the subjects.
7. Binder	2	General Central Service Group C Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 225-5-260 6-290-EB-6-308	Selection	30 years (Relax- able upto 35 years Govern- ment Servants).	Essential : (1) Middle School Certificate (8th class) Matriculation preferred. (2) 3 years practical experience of high class binding work, manual binding or repair or handling of rare fragile manu- scripts in a commercial or Government press. (3) Recruitment to be made on the basis of practical test. Desirable : 3 years Diploma in binding.
8	9	10	11	12		
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	
Not applicable	Two years	By Promotion failing which by direct rec- ruitment.	Promotion from Binders with three years service in the grade.	Group C Departmental Promotion Committee consisting of— (i) Director of Archives— Chairman. (ii) Dy. Director of Ar- chives; (Preservation)— Member. (iii) Dy. Director of Ar- chives; (Record Ad- ministration)—Member. (iv) Under Secretary con- cerned with Deptt. of Culture—Member. (v) Assistant Educational Advisor; (Department of Culture)—Member. (vi) Administrative Offi- cer (National Archi- ves of India)—Member Secretary.	Not applicable	
No	Two years	50 per cent by promotion, failing which by depu- tation. 50 per cent by direct recruitment.	Promotion : From Mender Grade I, with at least 3 years service in the grade who qualify at departmental test, to be eligible for con- sideration for promotion. Deputation : From Menders or Binders and analogous posts with 3 years experi- ence of repair and binding of documents in Archives or library of the Govern- ment of India or a State Government.	Group C Departmental Promotion Committee consisting of— (i) Director of Archives— Chairman. (ii) Deputy Director of Archives (Preserva- tion)—Member. (iii) Deputy Director of Archives (Records Ad- ministration)—Mem- ber. (iv) Under Secretary con- cerned with Depart- ment of Culture—Mem- ber. Asstt. Educational Advisor (Department of Culture)—Member. (vi) Administrative Of- ficer, National Archi- ves of India—Member Secretary.	Not applicat	

1	2	3	4	5	6	7
8. Special Grade Record Attendant.	1	General Central Service Group C Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 225-5-260-6-326-EB-8-350.	Selection	30 years (relaxable upto 35 years for Government servants).	Essential : Matriculation or equivalent qualifications. Desirable : At least 3 years experience involving handling of records.
GROUP 'D'						
9. Laboratory Attendant.	2	General Central Service Group D Non-Gazetted.	Rs. 210-4-250-EB-5-270.	Selection	25 years (relaxable upto 35 years for Government servants).	Middle School standard pass. Must have some experience of working in a Laboratory.
10. Mender Grade I.	2	General Central Service Group D Non-Gazetted.	Rs. 210-4-250-EB-5-270.	Selection	25 years (relaxable upto 35 years for Government servants).	(i) Middle school standards pass. (ii) Should have working knowledge of English language. (iii) Knowledge of Binding and Mending of Books. (iv) At least 3 years experience of binding and mending in Government or private press.
11. Helper	1	General Central Service Group D Non-Gazetted.	Rs. 196-3-220-EB-3-232.	Not applicable.	25 years	Primary school standard pass.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Two years	By deputation, failing which by direct recruitment.	Deputation : From Record Attendants or Daftaries and analogous posts with 3 years experience of handling records in Archives or Library of the Government of India or a State Government.	Not applicable	Not applicable	
GROUP 'D'						
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	

- NOTE : (1) The upper age limit prescribed may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.
- (2) The Crucial date for determining the age limit shall, in each case, be the closing date for receipt of applications by the Department/Staff Selection Commission/Employment Exchanges as the case may be.

[No. F. 5-5/77-CAI(2)]

H. R. SOOD, Under Secy.

(समाज कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1978

सा. का. नि. 1146:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समाज कल्याण विभाग के अधीन दृष्टिहीनार्थ राष्ट्रीय केन्द्र, वेहराडून में निरीक्षक (ब्रेल उपकरण) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एनबद्धा बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ :—(1) इन नियमों का नाम समाज कल्याण विभाग, दृष्टिहीनार्थ राष्ट्रीय केन्द्र निरीक्षक (ब्रेल उपकरण) भर्ती नियम, 1978 होगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. पद की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वे होंगे जो संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा तथा ग्रहणाएँ आदि :—पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, ग्रहणाएँ तथा उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरङ्कुश :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

6. प्रभाव:—इन नियमों की कोई भी बात उन भारक्षणे और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए आदेशों अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य विशेष प्रयोग के व्यक्तियों के लिए उपबंध किया जाना अपेक्षित है।

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन अथवा अचयन पद	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6.	7
निरीक्षक (ब्रेल उपकरण)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा बर्ग ग भराजपक्षित अतिरिक्तवर्गीय	330-8-370-10- 400-द०-रो०-10 480 रुपये	छात्र नहीं	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक छूट) टिप्पणी 1:—आयु सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तिथि भारत में (अंशमान और निकोबार द्वीप समूह लक्षद्वीप को छोड़कर) उम्मीदवारों से प्रावेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि होगी। टिप्पणी 2 :— रोजगार कार्यालय के माध्यम से भर्ती किये जाने वाले पदों के बारे में आयु-सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तिथि वह होगी जोकि रोजगार कार्यालय को नाम सेजने की अन्तिम तिथि दी गई हो।	1. मैट्रिकुलेशन अथवा उसके सम- कक्ष। 2. ब्रेल उपकरणों के विभिन्न औजारों के निर्माण/निरीक्षण में 3 वर्ष के अनुभव सहित हल्की इंजीनियरिंग में ट्रेड सर्टिफिकेट। 3. गो और मो-मोरीज रिय गैज तथा अन्य औजारों के प्रयोग का अच्छा ज्ञान होना चाहिये। 4. सभी ब्रेल उपकरणों के प्रयोग का अच्छा ज्ञान होना चाहिये। 5. ब्रेल का अच्छा ज्ञान होना चाहिये।

1. होगी या युक्ति अथवा रा तथा रा भरी जाने तिथितता

पदोन्नति अथवा अथवा स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वशा में जिनसे पदोन्नति अथवा स्थानांतरण प्रतियुक्ति अथवा किया जायेगा

यदि विभागीय समिति विद्यमान है तो उसकी परिस्थितियों में संश्लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं	यहाँ 'ग' विभागीय पदोन्नति समिति जिसमें निम्न-लिखित अधिकारी शामिल होंगे :-	लागू नहीं
				वृष्टि नारायण राष्ट्रीय केन्द्र देहरादून के निवेशक —अध्यक्ष केन्द्रीय ब्रेल प्रेम देहरादून के प्रबन्धक	
				—सदस्य	

[सं० १-१३४/७६-एन० आई०]
मास प्रहवानी, विशेष कार्यधिकारी

(Department of Social Welfare)

New Delhi, the 23rd August, 1978

G.S.R. 1146.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Inspector, Braille Appliances, in the National Centre for the Blind under the Department of Social Welfare, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Centre for the Blind (Inspector, Braille Appliances) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of Recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No persons—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Inspector (Braille appliances)	1	General Central Service Group 'C' Non-gazetted Non-Ministerial	Rs. 330-8-370-10-400-EB-10-480.	Not applicable.	30 years (Relaxable upto 35 years in the case of Government Servants).	1. Matriculation or equivalent. 2. Trade Certificate in light engineering with 3 year's experience in inspection/production of various components of Braille appliances. 3. Should be well conversant with the use of go and no-go gauge, ring gauge and other instruments. 4. Should be well versed in the use of all Braille appliances. 5. Should have good knowledge of Braille.
<p>Note : 1. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).</p> <p>2. In case of appointment through the Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.</p>						

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits applies in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of—Chairman. Director, National Centre for the Blind, Dehradun—Member. Manager, Central Braille Press, Dehradun—Member.	Not applicable

[No. 1-134/76-NI]

LAL ADVANI, Officer on Special Duty (H)

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1978

आ० का० नि० 1147.—वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने के लिए कनिष्ठ नियमों का एक प्रारूप भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 1233, तारीख, 12 दिसम्बर, 1977 में भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 31 दिसम्बर, 1977 के पृष्ठ 3487-3488 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त तारीख में जिसको उक्त राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध कराई गई थी, तीन मास की अवधि का समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उद्देश्य प्रभावित होने की सम्भावना थी,

और उक्त राजपत्र 31 दिसम्बर, 1977 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 में, नियम 81 ख के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

81- ख हवाई अड्डे के पाम परेस में पशुओं के बंध किए जाने और उन की खाल उतारे जाने, कुड़ा-करकट तथा अन्य प्रदूषित या हानिकारक सामग्री को जमा किए जाने पर प्रतिषेध—कोई व्यक्ति, हवाई अड्डा संपर्क-स्थल (रेफरेंस प्वाइंट) से दस किलोमीटर के अर्द्धवृत्त के भीतर, न तो किसी पशु का बंध करेगा, न उसकी खाल उतारेगा, और न किसी प्रकार का कुड़ा-करकट, गंदगी या कोई अन्य प्रदूषित या हानिकारक सामग्री जमा करेगा या फेंकेगा, जो गिद्धों या अन्य पक्षियों और पशुओं को आकर्षित करती है या जिससे उनके आकर्षित होने की सम्भावना है।

परन्तु नागर विमानन का महानिदेशक या उप महानिदेशक, यदि हवाई अड्डे से बंध-स्थान की निकटता, शय, कुड़ा-करकट और अन्य प्रदूषित या हानिकारक सामग्री के व्यवहन या जमा किए जाने जैसे तथ्यों का ध्यान, उसका यह समाधान हो जाए कि गिद्धों या अन्य पक्षियों

या पशुओं के आकर्षित होने को रोकने के लिए समुचित और पर्याप्त प्रबंध कर लिए गए हैं तो, उक्त प्रयोजनार्थ लिखित रूप में आवश्यक अनुज्ञा दे सकेगा।

[फा० सं० ए० बी० 11012/8/74- ए/ए आर/ए एम (1)/78]

एम० ए० काम्बरम् उप सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st August, 1978

G.S.R. 1147.—Whereas certain draft rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, were published at pages 3487-3488 of the Gazette of India Part-II, Section-3, Sub-section (i), dated the 31st December, 1977 with the notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation, No. GSR 1733, dated the 12th December, 1977 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of a period of three months from the date on which the copies of the Official Gazette in which the said notification was published were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 31st December, 1977;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely:—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, for rule 81-B, the following rule shall be substituted, namely:—

"81-B. Prohibition of slaughtering and flaying of animals, depositing of rubbish and other polluted or obnoxious matter in the vicinity of aerodrome.—No person shall slaughter or flay any animal or deposit or drop any rubbish, garbage or any other polluted or obnoxious matter which attracts or is likely to attract vultures or other birds and animals within a radius of ten kilometres from the aerodrome reference point;

Provided that the Director General or Deputy Director General of Civil Aviation may, if he is satisfied, having regard to factors such as the vicinity of place of slaughter from the aerodrome, arrangements for disposal or deposit of carcass, rubbish and other polluted and obnoxious matter, that proper and adequate arrangements have been made so as to prevent attraction of vultures or other birds and animals, grant the necessary permission in writing for the purpose".

[F. No. Av. 11012/8/74-A/AR/AM(I)/78]

S. EKAMBARAM, Dy. Secy.

नौवहन और परिवहन (परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 4 जून, 1978

सा० का० वि० 1148.—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 67 और 76 के साथ पठित धारा 126 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित प्रथम विनियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इस विनियमों का संक्षिप्त नाम मद्रास पत्तन न्याम (पत्तन न्याम प्रतिभूतियों का निर्गम और प्रबंध) विनियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की मारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना—ये विनियम निम्नलिखित को लागू होंगे—

(1) महापत्तन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) के उपबंधों के अधीन मद्रास पत्तन न्याम बोर्ड द्वारा जारी की गयी पत्तन न्याम प्रतिभूतियाँ।

(2) (क) 5-3/4 मद्रास पत्तन न्याम बन्ध पत्र, 1984, और
(ख) मद्रास पत्तन न्याम अधिनियम, 1905 (1905 का मद्रास अधिनियम 2) के उपबंधों के अधीन पत्तन न्यामियों द्वारा जारी किए गए 5-3/4 प्रतिगत मद्रास पत्तन न्याम बन्धपत्र, 1985।

3. परिभाषाएँ:—इस विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अभिप्रेत न हो—

(क) 'अधिनियम' से महापत्तन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) अभिप्रेत है,

(ख) 'बोर्ड' से अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित मद्रास पत्तन न्याम बोर्ड अभिप्रेत है,

(ग) 'विरूपित प्रतिभूति' से ऐसी पत्तन न्याम प्रतिभूति अभिप्रेत है जिसके महत्वपूर्ण ऐसे कर दिए गए हों कि वे पढ़ने में नया या नए और बिल्कुल अस्पष्ट हों गए हों तथा ऐसी प्रतिभूति के महत्वपूर्ण भाग निम्नलिखित हैं:—

(i) जहाँ वह संख्या और वह प्रॉक, जिसने वह संवर्धित है तथा उक्त प्रतिभूति का अंकित मूल्य या व्याज का संदाय अभिलिखित है, या

(ii) जहाँ पृष्ठांकन है या पाने वाले का नाम लिखा है, या

(iii) जहाँ नवीकरण रसीद या अन्तरण जापत दिया गया है।

(घ) "प्राक्पत्र" से ऐसी प्ररूप अभिप्रेत है जैसा इन विनियमों को अनुसूची में दिया गया है।

(ङ) "खोई हुई प्रतिभूति" से ऐसी पत्तन न्याम प्रतिभूति अभिप्रेत है जो वास्तव में खो गयी हो और इससे ऐसी पत्तन न्याम प्रतिभूति अभिप्रेत नहीं है जो दावाकर्ता के प्रतिकूल किसी व्यक्ति के कब्जे में हो,

(च) "विकृत प्रतिभूति" से ऐसी पत्तन न्याम प्रतिभूति अभिप्रेत है जिसके महत्वपूर्ण भाग नष्ट हो गए हों, फट गए हों या क्षत हो गए हों।

(छ) "निर्गम कार्यालय" से भारतीय स्टेट बैंक, मद्रास 600001 को ऐसी मुख्य शाखा अभिप्रेत है जिसकी बहियों में कोई पत्तन न्याम प्रतिभूति रजिस्ट्रीकृत है या की जा सकती है।

(ज) "विकृत अधिकारी" से इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए रजिस्ट्रार द्वारा नाम निर्देशित भारतीय स्टेट बैंक कोई अधिकारी अभिप्रेत है।

(झ) रजिस्ट्रार से भारतीय स्टेट बैंक, मद्रास मुख्य शाखा, मद्रास अभिप्रेत है।

4. (पत्तन न्याम) प्रतिभूति का प्राक्पत्र और उसके अन्तरण आदि की रीति

(1) पत्तन न्याम प्रतिभूति निम्नलिखित प्ररूप में जारी की जाएगी—

(क) किसी व्यक्ति के या उसके आदेश से मद्रास मद्रास या

(ख) स्टोक प्रमाणपत्र या रजिस्ट्रार की बहियों में रजिस्ट्रीकृत हो।

(2) (क) बन्धपत्र के रूप में जारी की गयी पत्तन न्याम प्रतिभूति आदेश पर देय तबतक की भांति, परिदान द्वारा अन्तरणाय होंगी।

(ख) बन्धपत्र के रूप में जारी की गयी किसी पत्तन न्याम प्रतिभूति पर कोई भी लेख परामर्श के प्रयोजनार्थ विधिमाम्य नहीं होगा यदि ऐसे लेख से उक्त प्रतिभूति द्वारा अंकित रकम का केषन एक हों मान अन्तरित करना तात्पर्य हो।

(3) (क) स्टोक प्रमाणपत्र के रूप में निर्गमित और रजिस्ट्रार की बहियों में रजिस्ट्रीकृत पत्तन न्याम प्रतिभूति प्राक्प-1 में अन्तरण-निखित के निराकरण द्वारा सम्पूर्णतया भागत अन्तरणाय होगा।

(ख) ऐसे मामलों में अन्तरणकर्ता उस स्टॉक प्रमाणपत्र के जिससे अन्तरण संबंधित है, रूप में जारी की गयी उक्त प्रतिभूति को धारक को तब तक समझा जाएगा जब तक कि अन्तरितों का नाम रजिस्ट्रार द्वारा रजिस्ट्रीकृत न किया गया हो।

(4) (क) पत्तन न्याम प्रतिभूति, बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षरों से, जो मुद्रित, उल्काणित या निवोप्राक की गयी या बोर्ड द्वारा यथानिर्दिष्ट किसी अन्य यांत्रिक प्रक्रिया से अंकित किए हुए हो सकते हैं, बोर्ड की सामान्य सील सहित और रजिस्ट्रार के किन्हीं प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा सम्पूर्णतया प्रतिहस्ताक्षरित करके जारी की जाएगी।

(ख) इस प्रकार मुद्रित, उल्काणित, निवोप्राक किए गए अथवा अन्यथा अंकित हस्ताक्षर इस प्रकार विधिमाम्य होंगे, माना वे हस्ताक्षरकर्ता किए गए उनके अपने हस्ताक्षर हों।

(5) बन्धपत्र के रूप में किसी पत्तन न्याम प्रतिभूति का कोई पृष्ठांकन अथवा स्टोक प्रमाणपत्र के रूप में किसी पत्तन न्याम प्रतिभूति की दशा में अन्तरण की कोई लिखित तब तक विधिमाम्य नहीं होगी जब तक उस पर धारक के या संयुक्त रूप में गठित उसके अटर्नी के यह प्रत्येतिवि के निपरा नाम बन्धपत्र के रूप में किसी पत्तन न्याम प्रतिभूति की दशा में स्वयं उस प्रतिभूति के पीछे और स्टोक प्रमाणपत्र की दशा में अन्तरण लिखत पर अंकित हों हस्ताक्षर न हों।

5. ऐसा न्याम जो साम्यताप्राप्त न हो—(1) रजिस्ट्रार किसी भी प्रकार से, किसी न्याम या किसी बन्धपत्र की बाबत जो उस बन्धपत्र से भिन्न हो जिसका पूर्ण अधिकारी उसके धारक में हो, चाहे उसे उसकी सूचना भी हो, साम्यता देने के लिए बाध्य नहीं होगा या विवश नहीं किया जाएगा।

(2) उपविनियम (1) के उपबंधों पर प्रतिकृत प्रमाण पत्र देने बिना रजिस्ट्रार, अनुसूच के रूप में और बोर्ड के प्रति किसी व्यक्ति के बिना, स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में जारी की गयी पत्तन न्यास प्रतिभूति के धारक द्वारा अपनी पुस्तक में उस पर ब्याज के संशय या उसके परिपक्वता मुख्य या उसके अन्तरण या स्टॉक प्रमाणपत्र से संबंधित ऐसे मामलों के जैसे रजिस्ट्रार ठीक समझे, निवेदन अभिलिखित कर सकेगा।

6 न्यासियों और पदधारियों द्वारा स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में जारी की गयी पत्तन न्यास प्रतिभूतियों को धारण करने के संबंध में—

(1) स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में पत्तन न्यास प्रतिभूति किसी पदधारि द्वारा निम्नलिखित रूप में धारण की जा सकती है;

(क) अपने नाम में, जो रजिस्ट्रार की पुस्तकों में और स्टॉक प्रमाणपत्र में न्यासी के रूप में वर्णित हो, चाहे वह, उसके आवेदन में विनिर्दिष्ट न्यास के न्यासी के रूप में हो या ऐसी किसी श्रद्धा से रहित न्यासी के रूप में हो, या

(ख) उसके कार्यालय के नाम में।

(2) रजिस्ट्रार द्वारा अपेक्षित प्रूप में रजिस्ट्रार के पास किए गए किसी लिखित आवेदन पर, वह व्यक्ति जिसके नाम में कोई पत्तन न्यास प्रतिभूति है और उक्त प्रतिभूति के अभ्यपण पर, रजिस्ट्रार—

(क) अपनी पुस्तकों में, उसे किसी विनिर्दिष्ट न्यास के न्यासी के रूप में या किसी न्यास के विनिर्देश के बिना न्यासी के रूप में, वर्णित करने द्वारा एक प्रविष्टि करेगा और, यथास्थिति न्यास के विनिर्देश सहित या रहित न्यासी के रूप में वर्णित उसके नाम में स्टॉक प्रमाणपत्र जारी करेगा, या

(ख) उसके कार्यालय के नाम से उसे एक प्रमाणपत्र जारी करेगा और उसकी पुस्तकों में, आवेदन के निदेश के अनुसार, उसके कार्यालय के नाम में स्टॉक प्रमाणपत्र के धारक के रूप में उसे वर्णित करने द्वारा एक प्रविष्टि करेगा, परन्तु यह सब जबकि—

(1) निवेशन उपविनियम (1) के उपबंधों के अनुसार हो

(2) रजिस्ट्रार द्वारा उपविनियम (7) के निबंधनों के अनुसार अपेक्षित आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किया गया हो और

(3) पत्तन न्यास प्रतिभूति यदि वह बन्धपत्र के रूप में हो तो, बोर्ड के पक्ष में पृष्ठांकित कर दी गई हो और यदि वह स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में हो तो, वह रजिस्ट्रीकृत धारक द्वारा प्रकाश 2 में प्रस्तुत कर दी गई हो।

(3) उपविनियम (1) के अधीन स्टॉक प्रमाणपत्र उन पदधारियों द्वारा अकेले या किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ अवस्था किसी अन्य पदधारी या पदधारियों के साथ संयुक्तता धारण किया जा सकेगा।

(4) जब स्टॉक प्रमाणपत्र किसी व्यक्ति द्वारा उसके कार्यालय के नाम में धूम हो तब सम्बद्ध स्टॉक प्रमाणपत्र से संबंधित कोई भी दस्तावेज उस व्यक्ति द्वारा जो तत्काल उस पद को उस नाम से धारण कर रहा है जिसमें स्टॉक प्रमाणपत्र धृत है देने ही निष्पादित किया जा सकेगा मानो इस प्रकार उसके अपने नाम का उल्लेख किया गया हो।

(5) जहाँ रजिस्ट्रार की पुस्तक में न्यासी या पदधारी के रूप में वर्णित किसी स्टॉक प्रमाणपत्र धारक द्वारा निष्पादित किए जाने के लिए तात्पर्य कोई अन्तरण विवेक, मुकदामा या कोई अन्य दस्तावेज, रजिस्ट्रार के सामने पेश किया जाता है, वहाँ यह ज्ञात करने का सम्बद्ध रजिस्ट्रार से नहीं होगा कि स्टॉक प्रमाणपत्र धारक, किसी न्यास या दस्तावेज या नियमों के निबंधनों के अधीन ऐसी कोई शक्तियाँ देने या ऐसे विवेक या या अन्य दस्तावेज को निष्पादित करने का हकदार है या नहीं और उस अन्तरण विवेक, मुकदामा या अन्य दस्तावेज पर उसी प्रकार कार्य कर सकेगा मानो निष्पादनकर्ता स्टॉक प्रमाणपत्र धारक हो तथा चाहे स्टॉक प्रमाणपत्र धारक उन अन्तरण विवेक, मुकदामा या अन्य दस्तावेज में न्यासी या पदधारी के रूप में वर्णित हो या न हो और चाहे उन अन्तरण विवेक मुकदामा या अन्य दस्तावेज का न्यासी या पदधारी की हैतियत में निष्पादित करने का उसका तात्पर्य हो या न हो।

(6) इन विनियमों में की कोई बात, किन्हीं न्यासियों या पदधारियों, के बीच या किन्हीं न्यासियों पर पदधारियों और हिताधिकारियों के बीच किसी न्यास या किसी दस्तावेज या नियमों के अधीन, न्यासियों, या पदधारियों को, न्यास को लागू होने वाले विधि के नियमों, न्यास की गठित करने वाली लिखित के निबंधनों या उस संस्था को जिसका कि स्टॉक प्रमाणपत्र धारक एक पदधारी है, शामिल करने वाले नियमों के निबंधनों के अनुसार होने से अन्यथा कार्य करने के लिए प्राधिकृत करने वाली नहीं समझी जाएगी तथा न तो बोर्ड और न ही किसी स्टॉक प्रमाणपत्र में किसी हित का धारक या उसकी अज्ञात करने वाला केवल किसी स्टॉक प्रमाणपत्र या किसी स्टॉक प्रमाणपत्र धारक के संबंध में रजिस्ट्रार द्वारा रखे गए किसी रजिस्ट्रार में को किसी प्रविष्टि या किसी स्टॉक प्रमाणपत्र से संबंधित किसी दस्तावेज में किसी चीज के होने से किसी न्यास के नोटिस से या किसी स्टॉक प्रमाणपत्र धारक की वैधानिक हैतियत से या किसी स्टॉक प्रमाणपत्र के धारण से संबंध किसी वैधानिक बाधना से प्रभावित नहीं होगा।

(7) पदधारी होने के तब किसी व्यक्ति द्वारा इस विनियम के अनुसरण से किए गए किसी आवेदन पर या निष्पादित किए जाने के लिए तात्पर्य किसी दस्तावेज पर कार्रवाई करने से पूर्व रजिस्ट्रार इस विषय में यह साक्ष्य पेश किए जाने की अपेक्षा कर सकता है कि वह व्यक्ति तत्काल उस पद का धारक है।

7. धारकों के रूप में निर्दिष्ट व्यक्ति कोई भी आवश्यक या ऐसा व्यक्ति, जो कि मध्यम न्यायालय द्वारा विकृत चित्त का पाया गया है, पत्तन न्यास प्रतिभूतियाँ धारण करने का हकदार नहीं होगा।

8. ब्याज का संशय (1) बन्धपत्र के रूप में पत्तन न्यास प्रतिभूति ब्याज उस प्रतिभूति के धाक द्वारा किसी ऐसी औपचारिकताओं के पालने के अधीन रहने द्वारा जिनकी रजिस्ट्रार अपेक्षा करे और पत्तन न्यास प्रतिभूति को प्रस्तुत करने पर, पत्तन न्यास प्रतिभूति विवरण-तंत्रिका में यथाविनिर्दिष्ट निर्गम-रजिस्ट्रार द्वारा संवत् किया जाएगा।

(2) (क) स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में पत्तन न्यास प्रतिभूति पर ब्याज रजिस्ट्रार द्वारा जारी किए गए वारण्टों द्वारा किया जाएगा।

(ख) ब्याज के संशय के समय, स्टॉक प्रमाणपत्र को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है किन्तु पाने वाला वारण्ट के पीछे प्राप्ति की अभिव्यक्ति करेगा।

9. बन्धपत्र के रूप में पत्तन न्यास प्रतिभूति के खो जाने प्राप्ति की दशा में प्रक्रिया (1) ऐसे बन्धपत्र, जिसका पूर्ण या भाग खो जाता, चोरी हो जाता, नष्ट हो जाता, विकृत या विकृत हो जाता अभिकथित है, के स्थान पर बन्धपत्र को दूसरी प्रति जारी किए जाने के लिए प्रत्येक आवेदन निर्गम कार्यालय को सम्बोधित किया जाएगा, और उसमें निम्नलिखित विनिर्दिष्टियाँ होंगी अर्थात्:—

(क) निम्नलिखित प्रत्येक के अनुसार बन्धपत्र की विनिर्दिष्टियाँ:—

—प्रतिगत बन्धपत्र —का— २० का
बन्धपत्र सं० —

- (ख) वह व्यक्ति जिसके लिए ब्याज संदाय किया गया था,
 (ग) वह व्यक्ति जिसे वह ब्याज संवेन किया गया था,
 (घ) वह व्यक्ति (यदि ज्ञान हो तो) जिसके नाम में बन्धपत्र जारी किया गया था,
 (ङ) वे परिस्थितियाँ जिनमें क्षति, चोरी, नाश, विकृति या विरूपण हुआ था,
 (च) क्या हानि या चोरी की रिपोर्ट पुलिस को की गयी थी,
 (2) ऐसे आवेदनो के साथ निम्नलिखित भी दिए जाएंगे :—

(क) जहाँ बन्धपत्र के रजिस्ट्रीकरण डाक द्वारा प्रेषण के दौरान वह खो गया था या जहाँ उस पत्र की जिसमें बन्धपत्र था डाक-घर रजिस्ट्रीकरण रसीद,

(ख) यदि खो जाने या चोरी हो जाने की रिपोर्ट पुलिस को की गयी हो तो पुलिस रिपोर्ट की प्रति,

(ग) शपथपत्र जिसकी शपथ मजिस्ट्रेट के समक्ष की गयी हो और जिसमें यह साक्ष्य हो कि आवेदक इस बन्धपत्र का अंतिम विधि धारक है और यदि आवेदक रजिस्ट्रीकृत धारक नहीं है तो रजिस्ट्रीकृत धारक के हक तक पहुँचने के लिए आवश्यक सभी दस्तावेजी साक्ष्य हों,

(घ) खो गए, चोरी गए, नष्ट विकृत या विरूपित बन्धपत्र का बाकी बचा रहने वाला कोई भाग या टुकड़ा।

10. पत्तन न्यास प्रतिभूतियों के खो जाने आदि के बारे में राजपत्र में अधिसूचना (1) किसी पत्तन न्यास प्रतिभूति या पत्तन न्यास प्रतिभूति के किसी भाग या बन्धपत्र के रूप में पत्तन न्यास प्रतिभूति के किसी भाग के खो जाने, चोरी, बिनाश विकृति या विरूपण के संबंध में आवेदक द्वारा तुरन्त भारत के राजपत्र और किसी स्थानीय राजपत्र यदि कोई हो के तीन क्रमिक अंकों में उस स्थान के बारे में जहाँ क्षति, चोरी, बिनाश, विकृति या विरूपण हुआ है अधिसूचित किया जाएगा।

11. बन्धपत्र या स्टाक प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी करना और क्षतिपूर्ति करवाना :—

(1) विनियम 10 में विनिर्दिष्ट पिछली अधिसूचना के प्रकाशन के पश्चात् विहित अधिकारी यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि पत्तन न्यास प्रतिभूति चोरी चली गयी है, खो गयी है, नष्ट हो गयी है या विकृत या विरूपित हो गयी है और आवेदक का दावा न्यायोचित है तो उस पत्तन न्यास प्रतिभूति की विशिष्टियाँ विनियम 13 के अधीन प्रकाशित सूची में सम्मिलित करवाएगा और निर्गम कार्यालय को :—

(क) यदि पत्तन न्यास प्रतिभूति का केवल एक ही भाग खो गया है चोरी हो गया है, नष्ट हो गया है या विकृत या विरूपित हो गया है और उसका एक भाग उसकी पहचान के लिए पर्याप्त है, पेश किया गया है, आवेदन वेग कि वह ब्याज दे दे और आवेदक को उसमें इसके पश्चात् यथा उचित क्षतिपूर्ति कर देने पर उस पत्तन न्यास प्रतिभूति के स्थान पर जिसका कि एक भाग इस प्रकार खो गया है, चोरी चला गया है, या नष्ट, विकृत या विरूपित हो गया है पत्तन न्यास प्रतिभूति की एक दूसरी प्रति, विनियम 13 के अधीन सूची के प्रकाशन के तुरन्त पश्चात् या उसकी सूची के प्रकाशन की तारीख से उस अवधि की समाप्ति पर जो विहित अधिकारी आवश्यक समझे या विहित अधिकारी द्वारा उन परिस्थितियों में आवश्यक समझी जाने वाली शर्तों पर जारी करे।

(ख) यदि इस प्रकार खोए, चोरी गए, नष्ट हुए या विकृत या विरूपित पत्तन न्यास प्रतिभूति का, उसकी पहचान के लिए पर्याप्त कोई भी भाग पेश नहीं किया गया हो तो,

(1) उसकी सूची के प्रकाशन के दो वर्ष पश्चात् और इसमें इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट रीति से क्षतिपूर्ति के निष्पादन पर इस प्रकार खोए, चोरी, नष्ट हुए या विकृत या विरूपित पत्तन न्यास प्रतिभूति की वापस इसमें इसके पश्चात् यथा उपबंधित चार वर्ष की अवधि की समाप्ति तक ब्याज का सदाय करने का उपदेश देगा, और

(2) इस प्रकार खोए, चोरी गए, नष्ट हुए या विकृत या विरूपित पत्तन न्यास प्रतिभूति के स्थान पर उसकी सूची के प्रकाशन की तारीख के चार वर्ष के पश्चात् पत्तन न्यास प्रतिभूति की दूसरी प्रति जारी करने का आदेश देगा, परन्तु—

(क) यदि वह तारीख जिसकी पत्तन न्यास प्रतिभूति प्रति संदाय के लिए शोध होती है, उस तारीख से पहले पड़ती है जिनकी उक्त चार वर्ष की अवधि समाप्त होती है, तो विहित अधिकारी, पहले वाली तारीख के छः ग ताह के भीतर, पत्तन न्यास प्रतिभूति पर देय मूल रकम की डाकघर बखत अंक में विनिर्दिष्ट करेगा और इस रकम का प्रतिसंदाय उस बैंक में उस पर उद्भूत होने वाले किसी ब्याज सहित, आवेदक को उस समय करेगा जब कि पत्तन न्यास प्रतिभूति की दूसरी प्रति आवेदक को अन्यथा जारी की गयी होती, और

(2) उपविनियम (1) में निदिष्ट अधिसूचना निम्नलिखित प्रथम में या उसके उनमें निकटतम प्रथम में होगी जितना कि परिस्थितियों में आवश्यक हो। यथास्थिति "खो गया", "चोरी हो गया", "नष्ट हो गया", "विकृत" या "विरूपित" पत्तन न्यास प्रतिभूति का खो जाना—

-----नाम वाली -----प्रतिपत्तन वाली मद्रास पत्तन न्यास प्रतिभूति -----की पत्तन न्यास प्रतिभूति सं० खो गयी है, सूचना दी जाती है कि भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, मद्रास, प्रतिभूति रजिस्ट्रार की प्रतिभूतियों की दूसरी प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया गया है। जना को उपर्युक्त पत्तन प्रतिभूतियों को खरीदने या उनमें अन्यथा संभवहार करने के विरुद्ध चेतावनी दी जाती है।

स्थान : हुस्ताक्षर :
 तारीख : पता :

(ख) यदि पत्तन न्यास प्रतिभूति की दूसरी प्रति जारी किए जाने से पूर्व किसी समय, मूल पत्तन न्यास प्रतिभूति भिल जाती है या अन्य कारणों से निर्गम कार्यालय को यह प्रतीत होता है कि उस आवेदन को विखण्डित किया जाना चाहिए तो उस मामले को विहित अधिकारी को और विचारण के लिए निदिष्ट कर दिया जाएगा तथा अन्त्यंतर काल में उस आवेदन पर सभी कार्यवाही निलम्बित कर दी जाएगी,

(ग) इस उपविनियम के अधीन पारित आवेदन उसमें निदिष्ट चार वर्ष की अवधि की समाप्ति पर जब तक वह अन्त्यंतर काल में विखण्डित न कर दिया गया हो या अन्यथा उपान्तरित न कर दिया गया हो, अन्तिम हो जाएगा।

(2) विहित अधिकारी पत्तन न्यास प्रतिभूति की दूसरी प्रति जारी किए जाने से पूर्व किसी भी समय, यदि उसे लगता है कि इसके लिए पर्याप्त कारण है तो इस विनियम के अधीन उसके द्वारा किए गए किसी आवेदन को परिवर्तित या रद्द कर सकता है और यह भी निदेश दे सकता है कि पत्तन न्यास प्रतिभूति की दूसरी प्रति जारी किए जाने से पूर्व इस अन्तराल को, चार वर्ष से अधिक की उतनी अवधि के लिए बढ़ाया जाएगा जितनी वह उचित समझे।

(3) (1) (क) उपविनियम (1) (क) के अधीन निष्पादित क्षतिपूर्तियाँ अन्तर्वर्तित ब्याज की रकम से दुगुने अर्थात् उस पत्तन न्यास प्रतिभूति पर देय उद्भूत सभी पिछले ब्याज की रकम को दुगुने के लिए जमा पत्तन न्यास प्रतिभूति की दूसरी प्रति जारी की जा सकने से पूर्व जितना समय बिनावा होगा उस अवधि के दौरान उस पर उद्भूत होने वाले सभी ब्याज के दुगुने के लिए होगी और :

(ख) अन्य सभी मामलों में क्षतिपूर्तियाँ, पत्तन न्यास प्रतिभूति के अंकित मूल्य के दुगुने जमा खण्ड (1) (क) के अनुसार संगणित ब्याज की रकम के दुगुने के लिए होगी।

(2) विहित अधिकारी निदेश दे सकता है कि ऐसी क्षतिपूर्ति केवल आवेदक द्वारा या आवेदक और उसके द्वारा अनुमोदित किए जाने वाले एक या दो प्रतिभूतिधों द्वारा जैसा भी वह ठीक समझे निष्पादित की जाएगी।

12. स्टाक प्रमाणपत्र के प्रथम में पत्तन न्यास प्रतिभूति के खो जाने आदि के संबंध में प्रक्रिया :—

(1) स्टाक प्रमाणपत्र जिसका कि पूर्णतः या भागतः खो जाना, चोरी हो जाना, नष्ट हो जाना, विकृत या विरूपित हो जाना अधिकांश है के स्थान पर स्टाक प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी किए जाने के लिए प्रत्येक आवेदन निर्गम-कार्यालय को सम्बोधित किया जाएगा और उसके साथ निम्नलिखित दिए जाएंगे :—

(क) यदि वह पत्र जिसमें स्टाक प्रमाणपत्र रखा था रजिस्ट्रीकरण डाक द्वारा प्रेषण में खोया हो तो उस पत्र की डाक-घर रजिस्ट्रीकरण रसीद।

(ख) यदि खोले या चोरी होने की रिपोर्ट पुलिस में की गयी थी तो, पुलिस रिपोर्ट का एक प्रति,

(ग) गणपत जिसकी गणपत मजिस्ट्रेट के समक्ष ली गयी हो और जिसमें यह साधन हो कि आवेदक उस स्टॉक प्रमाणपत्र का अधिक धारक है और यह कि स्टॉक प्रमाणपत्र त ही उसके कब्जे में है, न वह अन्तर्गत किया गया है, न वह गिरवी रखा गया है या उसके द्वारा अन्यथा व्यवहृत हुआ है।

(घ) खो गए, चोरी गए, नष्ट, विकृत या विरूपित स्टॉक प्रमाणपत्र का बाकी बच रहने वाले कोई भाग या टुकड़े।

(2) जिन परिस्थितियों में स्टॉक प्रमाणपत्र खोया है वे उपर्युक्त (1) में निर्दिष्ट आवेदन में बताई जाएगी।

(3) विहित अधिकारी, यदि उसका स्टॉक प्रमाणपत्र के खो जाने, चोरी हो जाने, नष्ट, विकृत या विरूपित हो जाने की बाबत समाधान हो गया हो तो, मूल प्रमाणपत्र के बचने में स्टॉक प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी किए जाने के लिए निर्देश देगा।

13. सूची का प्रकाशन—(1) विनियम 11 में निर्दिष्ट सूची, धर्मे-वार्षिक: जनवरी और जुलाई मास में या सुविधानुसार उनके यादग-साध्य सीधे पत्राचार भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।

(2) सभी पत्तन न्याम प्रतिभूतियां, जिनकी बाबत विनियम 11 के अधीन पारित किया गया है, उस आवेदन के पारित किए जाने के पश्चात् अगली प्रकाशित प्रथम सूची में सम्मिलित की जाएगी और तत्पश्चात् वे प्रतिभूतियां, प्रत्येक उत्तरवर्ती सूची में तब तक सम्मिलित की जाती रहेंगी जब तक कि प्रथम प्रकाशन की तारीख से चार वर्ष न समाप्त हो जाएं।

(3) उक्त सूची में, उसमें सम्मिलित प्रत्येक पत्तन न्याम प्रतिभूति के संबंध में निम्नलिखित विषयों पर रहेंगी, अर्थात्

- (1) निगम का नाम
- (2) पत्तन न्याम प्रतिभूति की सहाय और उसका मूल्य:
- (3) उस व्यक्ति का नाम जिसे वह जारी की गयी थी,
- (4) वह तारीख जिससे उस पर व्याज लगता है,
- (5) दूसरी प्रति के लिए आवेदक का नाम,

(6) व्याज के सेवार्थ या दूसरी जारी किए जाने के लिए, विहित अधिकारी द्वारा पारित आवेदन की संख्या और तारीख,

(7) उस सूची के प्रकाशन की तारीख जिसमें पत्तन न्याम प्रतिभूति प्रथम बार सम्मिलित की गयी थी।

14. विकृत पत्तन न्याम प्रतिभूति का, ऐसी प्रतिभूति के रूप में, जिसमें दूसरी प्रति का जारी करना अपेक्षित हो, अवधारण: विहित अधिकारी इस विवरण का इन्तेमाण कर सकेगा कि वह ऐसी पत्तन न्याम प्रतिभूति को, जो विकृत या विरूपित हो गयी हो, ऐसी प्रतिभूति समझे जिसमें विनियम 11 के अधीन दूसरी प्रति जारी किया जाता या विनियम 17 के अधीन केवल नवीकरण किया जाता अपेक्षित होता है।

15. ऐसे मामले जहां किसी बन्धपत्र के प्रारूप में किसी पत्तन न्याम प्रतिभूति का नवीकरण अपेक्षित हो:—बन्ध पत्र के रूप में किसी पत्तन न्याम के प्रतिभूति धारक से निगम कार्यालय यह अपेक्षा कर सकता है कि वह निम्नलिखित में से किसी भी वक्ता में उसे नवीकरण के लिए प्रार्थन करें, अर्थात्:—

(क) यदि पत्तन न्याम प्रतिभूति के पीछे एक और पृष्ठांकन के लिए पर्याप्त स्थान है या यदि विद्यमान पृष्ठांकन या पृष्ठांकन के आर-पार उक्त प्रतिभूति पर कोई शब्द लिखा हो।

(ख) यदि विहित अधिकारी की राय में पत्तन न्याम प्रतिभूति फटी हुई हो या किसी प्रकार से क्षतिग्रस्त हो या लेखों में भरी हो या अनुप-युक्त हो,

(ग) यदि कोई पृष्ठांकन स्पष्ट नहीं है या, उसमें यथास्थिति, आदाता या आदाताओं का नाम से पता नहीं चलता अथवा पत्तन न्याम प्रतिभूति के पीछे के पृष्ठांकन पृष्ठों में नहीं बरन् अन्यत्र किया गया है।

(घ) यदि पत्तन न्याम प्रतिभूति पर व्याज, दम वष या अधिक तक नहीं लिया गया है,

(ङ) यदि पत्तन न्याम प्रतिभूति के उपरी और खाली मुद्रित खाने, उन अर्द्धवार्षिकों के तात्पर्य नहीं है, जिनके लिए व्याज उस तारीख को देय हो जाता है, जिनकी पत्तन न्याम प्रतिभूति व्याज देने के लिए प्रस्तुत की जाती है,

(च) यदि पत्तन न्याम प्रतिभूति, व्याज के संघाय के लिए तीन बार लिखी जाकर, पुनः लेखन के लिए प्रस्तुत की गयी हो,

(छ) यदि निगम कार्यालय की राय में व्याज के संघाय के लिए पत्तन न्याम प्रतिभूति प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति का हक अनियमित है या पूर्णतया प्रमाणित नहीं है।

(2) जब पत्तन न्याम प्रतिभूति के नवीकरण के लिए उपर्युक्त (1) के अधीन मांग की गयी हो तब उस पर आगे और व्याज के संघाय से तब तक इत्कार किया जाएगा जब तक कि वह नवीकरण के लिए प्रार्थन न कर ली जाए और वास्तव में नवीकृत न कर दी जाए।

16. ऐसा व्यक्ति जिसके मूल एकल धारक की पत्तन न्याम प्रतिभूति के हक को मान्यता दी जा सकती है—(1) किसी पत्तन न्याम प्रतिभूति के मूल एकल धारक (साहेब, हिंदू, मुसलमान, पारसी या कोई और हो) के निष्पादक या प्रशासक अथवा भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अधीन उस पत्तन न्याम प्रतिभूति की बाबत जारी किए गए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक की केवल ऐसे व्यक्ति होंगे जिन्हें (विहित अधिकारी के किसी साधारण या विशेष अनुदेशों के अधीन रहते हुए) निगम कार्यालय द्वारा इस प्रतिभूति का हक रखने वालों के रूप में मान्यता मिल सकती है।

(2) भारतीय सविदा अधिनियम, 1872 (1872 का 9) की धारा 45 में किसी वान के होने हुए भी, जारी की गयी, विक्रीत या दो अथवा अधिक धारकों को देय पत्तन न्याम प्रतिभूति की वक्ता में, उत्तर जीवी और अंतिम उत्तरजीवी की मृत्यु पर उनके निष्पादक या उस प्रतिभूति की बाबत उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का कोई धारक ही ऐसा व्यक्ति होगा जिसे (विहित अधिकारी के किसी साधारण या विशेष अनुदेशों के अधीन रहते हुए) निगम कार्यालय द्वारा उस प्रतिभूति पर कोई हक रखने वाले के रूप में मान्यता दी जाएगी।

(3) निगम कार्यालय ऐसे निष्पादकों या प्रशासकों को मान्यता देने के लिए तब तक बाध्य नहीं होगा जब तक कि उन्होंने यथास्थिति, भारत के किसी न्यायिक न्यायालय या कार्यालय से निगम कार्यालय की प्राप्ति के स्थान पर प्रभावी प्रोबेट या प्रशासनपत्र अभिप्राय न कर दिया हो,

परन्तु यदि पत्तन न्याम प्रतिभूति या प्रतिभूतियों, जिनका संकलित अंकित मूल्य पांच हजार रुपये से अधिक नहीं है, के धारक व्यक्ति की मृत्यु के छह मास के भीतर, इस बिल का प्राबंठ या उसकी सम्पदा के प्रशासन पत्र या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अधीन जारी किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपत्र रजिस्ट्रार के पास देण न किया गया हो या रजिस्ट्रार के समाधानप्रद रूप में यह प्रमाणपत्र न दिया गया हो कि इनमें से कोई एक अभिप्राय करने के लिए कार्यवाही आरम्भ कर दी है तो, विहित अधिकारी यह अवधारित करेगा

कि उक्त प्रतिभूति या प्रतिभूतियों का हकदार कौन व्यक्ति है और उक्त प्रतिभूति या प्रतिभूतियों तथा व्यवधारित व्यक्ति में विनिहित करने वाला आदेश करेगा।

17. नवीकरण आदि की प्रक्रिया:—(1) विहित अधिकारी के किन्हीं साधारण या विशेष अनुदेशों के अधीन रहते हुए, निर्गम कार्यालय, धारक के आवेदन पर अपने आदेश द्वारा:

(क) बन्धपत्र या बन्धपत्रों के रूप में पत्तन न्यास प्रतिभूति या प्रतिभूतियों का उसके द्वारा परिदान किए जाने पर और अपने बाबे के न्यायोचित होने के संबंध में उसके द्वारा निर्गम कार्यालय का समाधान कर देने पर, बन्धपत्र या बन्धपत्रों को नवीकृत, उपविभाजित या एकीकृत कर सकता है परन्तु यह तब जब कि बन्धपत्र यथास्थिति, प्ररूप 3, प्ररूप 4, या प्ररूप 5 में प्राप्त किया गया या किए गए हों, या

(ख) बन्धपत्र या बन्धपत्रों को स्टॉक प्रमाणपत्र या स्टॉक प्रमाणपत्रों में संपरिवर्तित कर सकता है, यह तब जब बन्धपत्र या बन्धपत्रों पर निम्न-रूप में पृष्ठांकन किया हुआ हो:

“मद्रास पत्तन के न्यासियों को संदाय करें”, या

(ग) स्टॉक प्रमाणपत्र या स्टॉक प्रमाणपत्रों को नवीकृत उपविभाजित या एकीकृत कर सकता है, परन्तु यह तब जब कि स्टॉक प्रमाणपत्र, यथास्थिति, प्ररूप 6, प्ररूप 7 या प्ररूप 8 में प्राप्त किया गया या किए गए हों, या

(घ) स्टॉक प्रमाणपत्र या प्रमाणपत्रों को बन्धपत्र या बन्धपत्रों के रूप में संपरिवर्तित कर सकता है, परन्तु यह तब जब कि स्टॉक प्रमाणपत्रों प्ररूप 9 में प्राप्त किया गया या किए गए हों, या

(ङ) एक शृंखला की प्रतिभूतियों को दूसरी शृंखला वाली प्रतिभूतियों में संपरिवर्तित कर सकता है, परन्तु यह तब जब कि:—

(1) अन्तर शृंखला को संपरिवर्तन अनुज्ञेय हो, और

(2) ऐसे संपरिवर्तन को शामिल करने वाली शर्तों का पालन किया गया हो।

(2) निर्गम कार्यालय, पत्तन न्यास प्रतिभूति के नवीकरण, उपविभाजन या एकीकरण के लिए आवेदक से, उसके द्वारा अनुमोदित एक या अधिक प्रतिभूति के साथ, प्ररूप 10 में एक प्रतिभूति के निष्पादन की अपेक्षा विहित अधिकारी के आवेदों के अधीन उप विनियम (1) के अधीन कर सकता है।

18. हक की बाबत विवाद की दशा में प्रतिभूति का नवीकरण:—जहाँ उस प्रतिभूति के हक की बाबत कोई विवाद हो, जिसके नवीकरण के लिए आवेदन किया गया है, वहाँ विहित अधिकारी:—

(क) जहाँ विवाद के किसी पक्षकार ने सक्षम अधिकारिता वाले किसी न्यायालय से ऐसा कोई अंतिम विनिश्चय अभिप्राय कर लिया हो, जिसमें उसे उस प्रतिभूति का हकदार घोषित किया गया हो वहाँ, वह उस पक्षकार के पक्ष में एक नवीकृत पत्तन न्यास प्रतिभूति जारी कर सकता है, या

(ख) उस प्रतिभूति को नवीकृत करने से तब तक इन्कार कर सकता है जब तक कि ऐसा विनिश्चय प्राप्त न कर लिया गया हो।

स्पष्टीकरण:—इस विनियम के प्रयोजनार्थ, “अंतिम विनिश्चय” पद से अभिप्रेत है ऐसा विनिश्चय जिसकी अपील न हो सकती हो या ऐसा विनिश्चय जिसकी अपील हो तो सकती हो किन्तु जिसके विरुद्ध, विधि द्वारा अनुशात परिसीमा की अवधि के भीतर, कोई अपील फाइल न की गयी हो।

19. जो पत्तन न्यास प्रतिभूति नवीकृत आदि की गयी हो उसकी बाबत दायित्व:—जब किसी व्यक्ति को विनियम 11 के अधीन पत्तन न्यास

प्रतिभूति की दूसरी प्रति जारी की गयी हो या नवीकृत पत्तन न्यास प्रतिभूति जारी की गयी हो या विनियम 17 के अधीन उपविभाजन या एकीकरण पर नई पत्तन न्यास प्रतिभूति जारी की गयी हो, तब इस प्रकार जारी की गयी पत्तन न्यास प्रतिभूति, बोर्ड और उस व्यक्ति तथा उसके पश्चात् उसके माध्यम से हक प्राप्त करने वाले सभी व्यक्तियों के मध्य एक नई संविदा गठित करने वाली समझौता जाएगी।

20. उन्मोचन:—बोर्ड ऐसी पत्तन न्यास प्रतिभूति या प्रतिभूतियों की बाबत जिनकी संदाय परिपक्वता पर किया गया है, या जिनके स्थान पर दूसरी प्रति, नवीकृत या उपविभाजित या एकीकृत पत्तन न्यास प्रतिभूति या प्रतिभूतियाँ जारी की गयी हैं निम्नलिखित दशाओं में सभी दायित्वों में उन्मोचित होगा:—

(क) संदाय की दशा में उस तारीख से जिनको संदाय शोध्य या छह वर्ष के व्यपगत होने पर,

(ख) पत्तन न्यास प्रतिभूति की दूसरी प्रति की दशा में, विनियम 13 के अधीन उस सूची, जिसमें उस बन्धपत्र का पहले उल्लेख हुआ था, के प्रकाशन की तारीख से छह वर्ष के व्यपगत होने के पश्चात्, या विनियम 11 में निविष्ट मूल पत्तन न्यास प्रतिभूति पर न्याज के संदाय की तारीख से, जो भी बाव में हो,

(ग) उपविभाजन या एकीकरण पर जारी की गयी, नवीकृत पत्तन न्यास प्रतिभूति या नई पत्तन न्यास प्रतिभूति की दशा में, उसके जारी किए जाने की तारीख से छह वर्ष के व्यपगत होने पर।

21. न्याज की बाबत उन्मोचन:—पत्तन न्यास प्रतिभूति के निबन्धनों में अन्यथा स्पष्टतः उपबोधित के विना, कोई भी व्यक्ति, ऐसी किसी भी प्रतिभूति पर, उस पूर्वतम तारीख के, जिसको कि उस प्रतिभूति पर देय रकम के संदाय के लिए मांग की जा सकती है, पश्चात् व्यपगत होने वाली अवधि की बाबत न्याज के लिए दावा करने का हकदार नहीं होगा।

22. पत्तन न्यास प्रतिभूति का उन्मोचन:—जब कोई पत्तन न्यास प्रतिभूति मूल के संदाय के लिए शोध्य हो गयी हो तब ऐसी प्रतिभूति उस रजिस्ट्रार के कार्यालय में जहाँ उस पर न्याज देय है या निर्गम कार्यालय में प्रस्तुत की जाएगी और उस प्रतिभूति की उल्टी श्रांग, धारक सम्पत्ति रूप से हस्तांतर करेगा।

23. स्टॉक प्रमाणपत्र, पत्तन न्यास प्रतिभूतियों की दूसरी प्रति जारी करने और नवीकरण, संपरिवर्तन, एकीकरण और उपविभाजन आदि की बाबत संदाय की जाने वाली फीस:—

स्टॉक प्रमाणपत्र, पत्तन न्यास प्रतिभूतियों की दूसरी प्रति जारी करने और उनके नवीकरण, संपरिवर्तन एकीकरण और उपविभाजन की बाबत 3.00 रुपये (केवल तीन रुपये) फीस अग्रहीत की जाएगी।

अनुसूची

प्ररूप 1

[विनियम 4(3) देखें]

अन्तरण का प्ररूप

मै/हम

..... रुपये, जो इस लिखत पर यथा विनिर्दिष्ट
..... रुपये के स्टॉक प्रमाणपत्र के एक भाग की रकम
(रकम) है(हैं), की की

..... प्रतिभूति की मद्रास पत्तन न्यास प्रतिभूतियों के अंकित स्टॉक प्रमाणपत्र में अंगत हित या अंग, उस पर उद्धृत न्याज सहित, को उसके उनके निष्पादकों, प्रशासकों या समनुदेशितियों को समनुदिष्ट तथा अन्तरित करता हूँ/करते हैं और मै/हम

..... उपर्युक्त स्टॉक प्रमाणपत्र को उस सीमा तक, जिन सीमा तक वह मुझे/हमें अन्तरित किया गया स्वीकार करता हूँ/करते हैं।

में/उप, धारक को यह प्रमाणपत्र देकर दे/करने है कि मेरे/हमारे इस स्टॉक प्रमाणपत्र के, जो मुझे/हमें अन्तरित किया गया है, धारक के रूप में रजिस्ट्रीकृत हो जाने पर, उपर्युक्त स्टॉक प्रमाणपत्र, उस सीमा तक उपर्युक्त स्टॉक प्रमाणपत्र जिस सीमा तक यह मुझे/हमें अन्तरित किया गया है, मेरे/हमारे नाम(नामों) में नवीकृत कर दिया जाए, मेरे/हमारे नाम(नामों) में समर्थित कर दिया जाए ।

(*) (*) मेरे/हमारे यह प्रमाणपत्र देकर दे/करने है कि उपर्युक्त अन्तरित (अन्तरितियों) के ऐसे स्टॉक प्रमाणपत्र के, जो उसे/उन्हें अन्तरित किया गया है/कि गये हैं, धारक (धारकों) के रूप में रजिस्ट्रीकृत हो जाने पर, उपर्युक्त स्टॉक प्रमाणपत्र, उस सीमा तक जिस सीमा तक यह उसे/उन्हें अन्तरित नहीं किया गया है, मेरे/हमारे नाम(नामों) में नवीकृत कर दिया जाए ।

एक हजार नौ सौ और में के दिन की की उपस्थिति में

ऊपर नामित अन्तरक द्वारा जारी के रूप में हस्ताक्षर किए गए ।

अन्तरक .

पता :

ऊपर नामित अन्तरित द्वारा अन्तरित *की उपस्थिति पता में हस्ताक्षरित

+ उस विषय को काट दें जो लागू नहीं होता है ।

(*) (*) इस पत्र का अभी प्रयोग किया जाए जबकि किसी स्टॉक प्रमाणपत्र के एक भाग को अन्तरित करना हो ।

*भाषी के हस्ताक्षर, व्यवसाय और पता ।

प्रकार 2

[विनियम 6(2)(ख)(iii) देखें]

स्टॉक प्रमाणपत्र के प्रकार में जारी की गई मद्रास पत्तन व्याप प्रतिभूति के रसीद के प्रकार के नवीकरण के लिए

इसके बदले में भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, मद्रास-600001 में व्याप सहित संदेय, के पक्ष में रु० की प्रतिभूति को मद्रास पत्तन व्याप प्रतिभूतियों 19....., का नवीकृत स्टॉक प्रमाणपत्र प्राप्त किया ।

रजिस्ट्रीकृत धारक के हस्ताक्षर

प्रकार 3

[विनियम 17(1)(क) देखें]

बंधपत्र के रूप में मद्रास व्याप प्रतिभूति के नवीकरण के लिए पृष्ठांकन का प्रकार

इसके बदले में, भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, मद्रास-600001 में, (धारक का नाम) को व्याप सहित संदेय नवीकृत बंधपत्र प्राप्त किया ।

धारक/..... (धारक का नाम) के सम्पत्त प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

.....

प्रकार 4

[विनियम 17(1)(क) देखें]

बंधपत्र के रूप में मद्रास पत्तन व्याप प्रतिभूति के उन्निभाजन के लिए पृष्ठांकन का प्रकार

इसके बदले में, भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, मद्रास शाखा, मद्रास-600001 में व्याप सहित (धारक का नाम) को संदेय रु० के बंधपत्र प्राप्त किये ।

धारक/..... (धारक का नाम) के सम्पत्त प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

.....

प्रकार 5

[विनियम 17(1)(क) देखें]

बंधपत्र के रूप में मद्रास पत्तन व्याप प्रतिभूतियों के नवीकरण के लिए पृष्ठांकन का प्रकार

इसके बदले में, भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, मद्रास-600001 में व्याप सहित संदेय, बंधपत्र सं० (इसके साथ एकीकृत किए जाने के लिए बॉर्डर पर बंधपत्रों को नवीकृत और रकमों का उल्लेख करें) के साथ एकीकरण द्वारा ।

रु० के

(धारक का नाम) को संदेय तथा बंधपत्र प्राप्त किया ।

धारक/..... (धारक का नाम) के सम्पत्त प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

.....

प्रकार 6

[विनियम 17(1)(ग) देखें]

स्टॉक प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए पृष्ठांकन का प्रकार

इसके बदले में भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, मद्रास-600001 में व्याप सहित संदेय के नाम में रु० का प्रतिभूति नवीकृत स्टॉक प्रमाण पत्र प्राप्त किया ।

धारक/..... (रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम) के सम्पत्त प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

.....

प्रकार 7

[विनियम 17(1)(ग) देखें]

स्टॉक प्रमाणपत्र के उन्निभाजन के पृष्ठांकन का प्रकार

इस स्टॉक प्रमाणपत्र के बदले में भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, मद्रास-600001 में व्याप सहित संदेय, प्रतिभूति नवीकृत रु० के स्टॉक प्रमाण पत्र प्राप्त किया ।

धारक/..... (रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम) के सम्पत्त प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

.....

प्रारूप 8

[नियम 17(1)(ग) देखें]

एकीकरण स्टाक प्रमाणपत्रों के लिए पृष्ठांकन का प्रारूप

..... रूप के स्टाक प्रमाणपत्र सं०
 के बचले, जो क्रमशः
 प्रतिशत ऋण का है
 प्रतिशत ऋण का
 रूप का स्टाक प्रमाणपत्र, भारतीय स्टेट बैंक
 मुख्य शाखा, मद्रास 600001 में ब्याज सहित संवेय प्राप्त किया।

धारक/..... (रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम)
 के सम्मन्तः प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर।

प्रारूप 9

[नियम 17(1)(घ) देखें]

स्टाक प्रमाणपत्र के बन्धपत्र में संपरिवर्तन के लिए पृष्ठांकन का प्रारूप

इस प्रमाणपत्र के बचले में भारतीय स्टेट बैंक,
 मुख्य शाखा, मद्रास-600001 में ब्याज सहित संवेय प्रत्येक
 रूप के बन्धपत्र (शेष ६० के नए स्टाक
 प्रमाणपत्र सहित) प्राप्त किए।

धारक/..... (रजिस्ट्रीकृत
 धारक का नाम) के सम्मन्तः प्राधिकृत प्रतिनिधि
 के हस्ताक्षर

प्रारूप 10

[नियम 17 (2) देखें]

अतिपूर्ति बंधपत्र का प्रारूप

हम निम्न द्वारा सभी व्यक्तियों को शात हो कि हम (प्रधान)
 सुपुत्र
 और (प्रतिभूतियों)
 सुपुत्र
 निवासी सुपुत्र
 निवासी
 स्वयं को, अपने में से प्रत्येक को अपने उत्तराधिकारियों और निष्पादकों, प्रशासकों
 और प्रतिनिधियों में से प्रत्येक को तथा उन सब को संयुक्तः और पृथक्तः,
 महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) के अधीन यथागठित
 मद्रास पत्तन न्यासी बोर्ड (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त बोर्ड कहा गया
 है) के प्रति, उक्त बोर्ड, उनके कनिष्ठ अधिनियमों, उत्तराधिकारियों और
 समनुदेशितियों के ६० की राशि के संदाय के
 लिए आबद्ध करते हैं,

और हम, उक्त में से प्रत्येक, स्वयं अपने लिए, अपने
 उत्तराधिकारियों, निष्पादकों, प्रशासकों प्रतिनिधियों और समनुदेशितियों
 के लिए, मद्रास पत्तन के उक्त न्यासियों, उनके उत्तराधिकारियों और
 समनुदेशितियों के साथ प्रसंगिक करते हैं कि हम बाध्यता के विषय या
 इसमें लिखित किसी शर्त सम्बन्धी कोई वाद किसी न्यायालय में, जो उक्त न्या-
 यालय, मद्रास के अधीक्षण के अधीन हो किन्तु उक्त न्यायालय की साधारण
 58u GI/78—8

मूल सिविल अधिकारिता उस उक्त न्यायालय से भिन्न हो लाया जाएगा
 तो, मद्रास पत्तन के उक्त न्यासियों के अनुरोध पर, उसे उक्त उक्त
 न्यायालय उसकी असाधारण मूल सिविल अधिकारिता में उस उक्त न्या-
 यालय में भेज दिया जायेगा जहाँ उसका विचारण और अवधारण किया
 जाएगा।

उक्त ने उक्त बोर्ड
 को, इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित उक्त बोर्ड द्वारा जारी की गई
 मद्रास पत्तन न्यास प्रतिभूति (प्रतिभूतियों) के नवीकरण/एकीकरण/उप-
 विभाजन के लिए आबेदन किया है।

और उक्त बोर्ड ने, उक्त पर उक्त
 आबेदन को, दो अच्छी और पर्याप्त प्रतिभूतियों के साथ जो इसके अधीन
 लिखित शर्तों के अधीन रहने हुए ऊपर लिखित प्रतिभूति को सम्पन्न और
 निष्पादित करें, स्वीकार करने के लिए सहमति दी है।

और ऊपर आबद्ध और
 (यदि दो प्रतिभूतियाँ हों) में उक्त प्रधान
 के निवेदन पर के लिए प्रतिभू बनना और ऊपर
 लिखित प्रतिभूति के निष्पादन में उक्त के साथ मिलना
 स्वीकार कर लिया है ;

अब, उल्लिखित प्रतिभूति की दशा ऐसी है कि यदि ऊपर आबद्ध
 और प्रधान और प्रतिभूतियों के नाम और या उनमें से प्रत्येक या उनके
 उत्तराधिकारी, निष्पादक, प्रशासक या प्रतिनिधि या उनमें से एक या
 उनमें कोई, समय-समय पर और हर समय उक्त बोर्ड को, इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में उल्लिखित उक्त बोर्ड द्वारा जारी की गई मद्रास पत्तन न्यास
 प्रतिभूति (प्रतिभूतियों) या उन पर किसी हित का हकदार होने का
 दावा करने वाले सभी व्यक्तियों या उक्त प्रतिभूति (प्रतिभूतियों) की
 बाबत अन्य व्यक्तियों के दावों और मांगों से और उनके विषय, प्रथम
 उक्त प्रतिभूतियों उसके नवीकरण या उस पर ब्याज के संदाय तथा ऐसी
 सभी नुकसानी, हानियों, खर्चों, प्रभारी और व्ययों जो उक्त बोर्ड ऐसे
 किसी दावे या मांग के परिणामस्वरूप या यथापूर्वोक्त नवीकृत मद्रास पत्तन
 न्यास प्रतिभूति (प्रतिभूतियों) के जारी किए जाने के कारण या ऊपर
 लिखित प्रतिभूति (प्रतिभूतियों) पर शोध या नवीकृत प्रतिभूति (प्रति-
 भूतियों) पर शोध किसी ब्याज के संदाय के लिए उठाए, भ्राम्यत करे
 या दायी हो प्रभावी रूप बनाएगा, रक्षा करेगा और अपह्निरहित
 रखेगा और क्षतिपूर्ति करेगा, जो ऊपरलिखित प्रतिभूति गृह्य होगी अन्यथा
 पूर्णतया प्रवृत्त और प्रभावी रहेगी।

..... द्वारा और
 की उपस्थिति में हस्ताक्षरित और परिदल किया गया।

अनुसूची

मद्रास पत्तन न्यास प्रति- भूति की प्रकृति और वर्णन	संख्या	जारी की जाने की तारीख	रकम
---	--------	--------------------------	-----

टिप्पणी :—इस अधिसूचना का अंग्रेजी अनुवाद भारत राजपत्र भाग II,
 खण्ड 3(i) दिनांक 27-5-78 में सांकांनि० 682 के अन्तर्गत प्रकाशित
 हो चुका है।

[सं० पी जी एल-63/]

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1978

सांकां० 1149—मुम्बई पत्तन यात्री नौका (संशोधन) नियम, 1978 का प्रारूप, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के नौबहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या सांकां० नि० 468, तारीख 29 मार्च, 1978 के अन्तर्गत, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 8 अप्रैल, 1978 के पृष्ठ 806-807 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी;

और उक्त राजपत्र 20 अप्रैल, 1978 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और जनता से उक्त प्रारूप की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ट) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुम्बई पत्तन यात्री नौका नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मुम्बई पत्तन यात्री नौका (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. मुम्बई पत्तन यात्री नौका, नियम, 1962 में,—

(1) नियम 13 में “अनुज्ञप्ति की मंजूरी पर उद्गृहीत की जाने वाली फीसों का मापमान” शीर्षक और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“अनुज्ञप्ति की मंजूरी पर उद्गृहीत की जाने वाली फीसों का मापमान:

(1) यंत्रनोदित जलयान . 82 रु

(2) नौका (यंत्रनोदित जलयान से भिन्न) . 10 रु०

(3) अनुज्ञप्ति का दूसरी प्रति देखिए नियम 18

(क) यंत्रनोदित . 41 रु०

(ख) नौका (यंत्रनोदित जलयान से भिन्न) . 5 रु०

(2) नियम 25 में “50 पैसे” शब्द और शब्द के स्थान पर “4 रुपये” शब्द और शब्द रखे जाएंगे।

[सं० पी०जी०एस०-8/78]

New Delhi, the 28th August, 1978

G.S.R. 1149.—Whereas the draft of the Port of Bombay Passenger Boats (Amendment) Rules, 1978 was published as required by sub-section (2) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), at pages 806-807 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i), dated the 8th April 1978, under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 468, dated the 29th March 1978, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of sixty days from the date of publication of that notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 20th April, 1978;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (k) of sub-section (1) of section 6 of the Act, the Central Government hereby makes the following rules (further

to amend the Port of Bombay Passenger Boats Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Port of Bombay Passenger Boats (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Port of Bombay Passenger Boats Rules, 1962,—

(i) in rule 13, for the heading “Scale of fees to be levied on granting a licence” and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“Scale of fees to be levied on granting a licence:

(i) Mechanically propelled vessel Rs. 82

(ii) Boat (other than mechanically-propelled vessel) Rs. 10

(iii) Duplicate licence vide Rule 18

(a) Mechanically propelled vessel Rs. 41

(b) Boat (other than a mechanically-propelled vessel), Rs. 5

(ii) in rule 25, for the figures and letter “50 P”, the letters and figure “Rs. 4” shall be substituted.

[No. PGL-8/78]

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1978

सां० कां० नि० 1150.—नव मंगलौर पत्तन (बन्दरगाह यान) नियम, 1976 में संशोधन करने के लिए नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा 6 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि के अन्तर्गत पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व प्राप्त किन्हीं आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नव मंगलौर पत्तन (बन्दरगाह यान) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये को प्रवृत्त होंगे।

2. नव मंगलौर पत्तन (बन्दरगाह यान) नियम, 1976 में:—

(1) नियम 3 में परन्तु के स्थान पर निम्नलिखित परन्तु रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु इस नियम की कोई भी बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी—

(2) ऐसा यान जो किसी पोत या स्टीमर के उपस्कर के भाग के रूप में है, जब तक कि वह लाभ के लिए यात्रियों या स्थोरा को वहन नहीं करता,

(ख) ऐसा यान जिसे एकमात्र आसोव-प्रमोद के प्रयोजनों के लिए रखा गया हो और जिसका लाभ के लिए यात्रियों या स्थोरा को वहन करने से कोई संबंध न हो,

(ग) ऐसा यान जो पत्तनों का हो”।

(2) नियम 12 के उपनियम (3) के नीचे के स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण—इस उपनियम के प्रयोजनार्थ सभी ऐसी मरम्मतें, जिनमें यान की समुद्र में चलने की योग्यता को प्रभावित करने वाले प्रतिस्थापन या नवीकरण अन्तर्भूत हैं, बड़ी मरम्मतें समझी जाएंगी”.

- (3) नियम 13 के उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(3) पत्तन के भीतर चलने वाले प्रत्येक अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान अपने साथ उतने जीवन जैकेट में ले जाएगा, जितने उस पर व्यक्ति, जिनमें यात्री और कर्मचारी सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त यान, प्रत्येक बन्दरगाह यान में शून्यतम दो जीवन बोया के अधीन रहते हुए, प्रत्येक दो व्यक्तियों, जिनमें यात्री और कर्मचारी सम्मिलित हैं, के लिए एक की दर से जीवन बोया ले जाएगा। विकल्पतः जीवन बोया के बदले, व्यक्तियों, जिनमें यात्री और कर्मचारी सम्मिलित हैं, की कुल संख्या को ले जाने के लिए पर्याप्त तरण-शील साधन की व्यवस्था की जाएगी। जीवन बोया या तरणशील साधन परिवहन मंत्रालय द्वारा यथा अनुमोदित नमूने के होंगे।”

- (4) नियम 19 में, निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान में टिण्डल द्वारा अधिक लदान पाये जाने की वशा में, अनुज्ञप्ति जारी किए जाने संबंधी शर्तों के अनुसरण बनाने के लिए, व्याप्यति, केवल उन्हीं यात्रियों को यान छोड़ने के लिए या स्थोरा की उस मात्रा को हटाए जाने के लिए कहा जाएगा, जो अनुज्ञप्ति में यथा विनिर्दिष्ट विहित सीमा के पश्चात् यान में प्रविष्टि हुए थे या यान में लदा गया था”.

- (5) नियम 25 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“25. स्वामी द्वारा अपने यान पर नियोजित टिण्डल या कर्मचारी के किसी सदस्य के कार्यों के लिए स्वामी का दायित्व है—यान, का स्वामी, इन नियमों के उपबन्धों के अधीन यान को चलाते समय, अपने द्वारा अपने यान पर नियोजित टिण्डल या कर्मचारी के किसी सदस्य के किन्हीं कार्यों के लिए उत्तरदायी होगा”।

- (6) नियम 26 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाए, अर्थात्:—

“26. अनुज्ञप्तियों का प्रतिसंहरण :—यदि उन संरक्षक की राय में किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान के स्वामी या टिण्डल या कर्मचारी के किसी सदस्य ने इन नियमों के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया है, तो वह, किसी अन्य कार्यवाही पर जो उस उल्लंघन की बाबत ऐसे स्वामी के विरुद्ध की जाए, प्रतिकूल प्रभाव डाल बिना, ऐसे स्वामी द्वारा पारित सभी या किसी अनुज्ञप्ति को रद्द कर सकेगा”.

- (2) नियम 31 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“32. शास्त्रियों अधिरोपित करने की प्रक्रिया :— ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को, जिस पर इन नियमों के अधीन उपबन्धों में से किसी के भंग का दोष लगाया गया है, ऐसे अपराध के लिए किसी शासित पर विधिबध्न करने के पूर्व, सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर दिया जाएगा और इन नियमों के अधीन शास्त्र अधिरोपित करने वाला कोई आदेश नब तक नहीं किया जाएगा जब तक उन व्यक्तियों को, जिन पर ऐसी शास्त्र अधिरोपित करने का प्रस्ताव है, सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर न दे दिया गया हो।”

[सं० पी० जी० एन०-39/77]

New Delhi, the 31st August, 1978

G.S.R. 1150.—The following draft of certain rules to amend the Port of New Mangalore (Harbour Craft) Rules 1976 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) is hereby published as required by sub-section (2) of the said section 6 for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Port of New Mangalore (Harbour Craft) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the.....

2. In the Port of New Mangalore (Harbour Craft) Rules, 1976 :—

(1) In Rule 3, for the provisos the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that nothing in this rule shall apply to

(a) any craft forming part of the equipment of a ship or steamer unless it carries the passengers or cargo for profit ;

(b) any craft maintained solely for purpose of pleasure and not connected with the carrying of passengers or cargo for profit ;

(c) any craft belonging to the port”.

- (2) for the Explanation under sub-rule (3) of rule 12, the following Explanation shall be substituted, namely :—

“Explanation—For the purpose of this sub-rule, all the repairs which involve replacement or renewals affecting sea-worthiness of the craft shall be deemed to be major repairs”;

- (3) for sub-rule (3) of rule 13, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

(3) “Every licenced harbour craft plying within the port shall carry as many number of life jackets as there are number of persons including passengers and crew. In addition, craft shall carry life buoys at the rate of one for every two persons including passengers and crew, subject to a minimum of two numbers of life buoys in every harbour craft Alternatively in lieu of life buoys, buoyant apparatus sufficient to carry the total number of persons including passengers and crew shall be provided. The life buoys and buoyant apparatus shall be of the pattern as approved by the Ministry of Transport”.

- (4) in rule 19, the following proviso shall be inserted namely :—

“provided that in the event of a licenced harbour craft being found over-loaded by the Tindal, only those passengers who entered the craft or the quantity of cargo that was loaded after the prescribed limit as specified in the licence, shall be asked to leave or that quantity of cargo to be removed, as the case may be, to confirm with the conditions of the assignment of the issue of licence”;

- (5) for rule 25 the following rule shall be substituted, namely :—

“25. Liability of the owner for the acts of tindal or any member of the new employed by him on his craft.— The owner of the craft shall be responsible for any acts of tindal or any other member of the crew employed by him on his craft, while plying the craft under the provisions of these rules”;

(6) for rule 26, the following rule shall be substituted namely :—

26. Revocation of licences.—If in the opinion of the Deputy Conservator, the owner of any licensed harbour craft or tindal or any member of the crew has contravened any of the provisions of these rules, he may, without prejudice to any other action that may be taken against such owner in respect of the contravention, cancel all or any of the licences held by the owner.

(7) after rule 31, the following rule shall be inserted, namely :—

"32. Procedure for imposing penalties.—Every person on whom a charge of breach of any of the provisions under these rules are made shall be given a reasonable opportunity of being heard before any penalty is decided for such offence, and that no order imposing a penalty under these rules shall be made except after giving the person on whom such a penalty is proposed to be imposed a reasonable opportunity of being heard."

[No. PGL-39/77]

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1978

पत्तन

सां. कां. निं. 1151—केन्द्रीय, सरकार भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नव मंगलौर पत्तन (अभिवहन में माल) नियम, 1976 में कतिपय संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा 6 की उपधारा (2) में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम नव मंगलौर पत्तन (अभिवहन में माल) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये को प्रवृत्त होंगे।

2. नव मंगलौर पत्तन (अभिवहन में माल) नियम, 1976 में,—

(1) नियम 7 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—
"7. ऐसा माल जिसके बारे में दावा नहीं किया गया है: पोत के स्वामियों या स्टीमर अधिकारियों से ऐसे माल पर, जिसका दावा नहीं किया गया है, अभिवहन फीसें प्रभावित नहीं की जाएंगी, परन्तु यह तब जब कि उस जलयान से, जिससे माल उतारा गया था, माल के पूरी तरह से उतारे जाने की तारीख से दो मास के भीतर निकाली कर दी जाए";

(2) नियम 18 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"18 माल का जमाव :—यदि किसी समय पत्तन के यातायात प्रबंधक को यह आशंका हो कि अभिवहन शोधों या अभिवहन में माल के लिए आबद्धित अन्य स्थानों पर गंभीर जमाव होने वाला है जिससे पत्तन से होकर माल का शोध अभिवहन अवायकर हो सकता है तो वह किसी विनिर्दिष्ट माल के स्वामी या परेषकों या अधिकारियों को, किसी विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर पत्तन परिसरों से ऐसे माल को हटाने का निदेश दे सकेगा। यदि माल ऐसी अवधि के भीतर नहीं हटाया जाता है तो उक्त यातायात प्रबंधक स्वामी या माविक/अधिकारियों के खर्च और उन्हीं की एक मात्र जोखिम पर पत्तन परिसरों के भीतर किसी अन्य स्थान पर हटवा और पुनः जमा करवा सकेगा। ऐसे माल पर नियम 16 में विनिर्दिष्ट दर के अनुसार अभिवहन फीस उद्ग्रहणीय होगी।"

[पी० जी० एल०-27/77]

सुदर्शन वसुदेव, अवसर सचिव

New Delhi, the 8th September, 1978

PORTS

G.S.R. 1151.—The following draft of certain rules to amend the Port of New Mangalore (Goods in Transit) Rules, 1976, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) is hereby published as required by sub-section (2) of the said section 6 for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

Draft Rules

1. (1) These rules may be called the Port of New Mangalore (Goods in Transit) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on.....

2. In the Port of New Mangalore (Goods in Transit) Rules, 1976,—

(1) for rule 7, the following rule shall be substituted, namely :—

"7. Unclaimed goods.—Transit fees shall not be charged on unclaimed goods from masters of the ship or the steamer agents, provided that they are cleared within two months from the date of complete discharge of the vessel, from which they were landed";

(2) for rule 18, the following rule shall be substituted, namely :—

"18. Congestion of goods.—If at any time the Traffic Manager of the Port apprehends a serious congestion in the transit sheds or other spaces allotted for the goods in transit to the detriment of the rapid transit of goods through the port, he may direct the owner or consignors of Agents of any specified goods to remove such goods from the Port premises within a specified period. If the goods are not removed within such period, the said traffic Manager may cause them to be removed and re-stacked in any other place within the Port premises at the expense and the sole risk of the owner or shipper/agents. Transit fees shall be leviable on such goods in accordance with the rate specified in rule 16".

[F. No. PGL-22/77]

S. VASUDEV, Under Secy.

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय
(पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1978

सा० का० नि० 1152.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, एतद्वारा पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय के पूर्ति विभाग नई दिल्ली में रिकार्ड कीपर के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) ये नियम पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय के पूर्ति विभाग, नई दिल्ली (रिकार्ड कीपर) सर्वा नियम, 1978 कहे जायेंगे।
(2) ये सरकारी राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से लागू माने जायेंगे।
- संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—पद की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके संलग्न वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों की सम्बन्ध अनुसूची के स्तम्भ (2) से (4) तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, ग्रहणाएँ आदि:—उक्त पद के सम्बन्ध में भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, ग्रहणाएँ और लस्संधी अन्य बातें वे होंगी जो कथित अनुसूची के स्तम्भ (5) से (13) तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- ग्रहणाएँ:—कोई भी व्यक्ति :
(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी/जिसका पति जीवित है, अथवा
(ख) जिसने अपनी पत्नी/अपने पति के जीवित रहते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया हो उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :
परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसे व्यक्ति पर और जिस व्यक्ति से विवाह किया जाता है, उस पर लागू होने वाले निजी कानून के अन्तर्गत ऐसे विवाह की अनुमति है और यदि ऐसा करने के अन्य आधार हैं, तो वह इस नियम के प्रवर्तन से किसी व्यक्ति को छूट वे सकती है।
- शिक्षण करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह आदेश द्वारा और लिखित रूप से अंकित किए जाने वाले कारणों से किसी भी वर्ग या व्यक्तियों के वर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्ध में से किसी को भी शिक्षण कर सकती है।
- छूट:—इन नियमों की कोई बात अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार किए गए आरक्षण तथा अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेंगे।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवर्ण पद अथवा अप्रवर्ण पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा तथा अन्य ग्रहणाएँ
1	2	3	4	5	6	7
रिकार्ड कीपर	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "सी" अराज- पक्षित धर्मापक वर्गीय	225-5-260-6-290 द०रो-6-308	प्रवर्ण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

क्या सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित आयु और शैक्षिक ग्रहणाएँ पदोन्नति वाले कर्मियों पर भी लागू होती हैं	परिवीक्षा की प्रवृत्ति	भर्ती का तरीका क्या सीधी भर्ती द्वारा या अन्य	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती किए जाने की स्थिति में किन श्रेष्ठों से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाना है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति विद्यमान हो तो उसका गठन क्या है	वे परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती करने में संघ भौक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा	दफ्तरियों (प्रवर्ण ग्रेड और साधारण ग्रेड) और रिकार्ड साटैरों (ग्रुप डी) से पदोन्नति द्वारा जो निम्नलिखित ग्रहणाएँ रखते हों:— प्रतिवार्य: मिडिल पास हो और कम से कम छः वर्ष की दफ्तरी की सेवा हो (साधारण ग्रेड) या चार वर्ष दफ्तरी की सेवा हो (प्रवर्ण ग्रेड) या रिकार्ड साटैर (ग्रुप डी)। बाछनीय: वैदिक लिपिकीय कार्य को अंग्रेजी या हिन्दी या दोनों में करने में सामर्थ्य रखता हो।	उप सचिव (संवर्ग)—अध्यक्ष अवर सचिव (स्थापना) —सदस्य अवर सचिव (निर्माण और आवास मंत्रालय)—सदस्य अधिकारी जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति से हो और जिसे अध्यक्ष नामांकित करे— सदस्य	लागू नहीं होता

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Supply)

New Delhi, the 13th July, 1978

G.S.R. 1152.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Record Keeper in the Department of Supply, Ministry of Supply and Rehabilitation, New Delhi, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Supply, Ministry of Supply and Rehabilitation, New Delhi (Record Keeper) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns (5) to (13) of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or,

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Record keeper	1	General Central Service Group C Non-gazetted Ministerial	Rs. 225-5-260-6-290-EB-6-308	Selection	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation	Method of recruitment whether by direct recruitment or etc.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
Not applicable	Two years	By promotion	Promotion from amongst Daftries (both Selection as well as Ordinary Grade) and Record Sorters (Group D) having the following qualifications : Essential : Middle pass and a minimum service of six years as Daftry (Ordinary Grade) or four years as Daftry (Selection Grade) or Record Sorter (Group D). Desirable : Capable of handling routine clerical job in English or Hindi or both.		Deputy Secretary (Cadre) —Chairman. Under Secretary (Establishment)—Member. Under Secretary (Ministry of Works and Housing) —Member. An Officer belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe to be nominated by Chairman —Member.	Not applicable

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 गितम्बर, 1978

सा० का० वि० 1153.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रोजगार निदेशालय, रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1961, में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रोजगार निदेशालय, रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. रोजगार निदेशालय, रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1961 में—

(1) जहाँ कहीं भी “वर्ग 1” और “वर्ग 2” शब्द और श्रृंखलाओं उनके स्थान पर क्रमशः “-ग्रेड क” और “-ग्रेड ए” और “-ग्रेड बी” और “-ग्रेड सी” रखे जाएंगे।

(2) (क) अनुसूची में शीर्षक “वर्ग 1 पद” के नीचे,

(i) सब संख्या 4, 5, 6 और 6 के और उन से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मर्दाने और उन से संबंधित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6	7
4. सहायक निदेशक, रोजगार कार्यालय	11	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह “क” राजपत्रित	1100-50-1600 रु०	चयन	40 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिये शिथिल की जा सकती है) टिप्पण — आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहते वाले अभ्यर्थियों से (उन से भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र या गणित या सांख्यिकी या मनोविज्ञान या शिक्षा शास्त्र या वाणिज्य में द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि या समतुल्य। (2) निम्नलिखित क्षेत्रों में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव। (क) डेमोग्राफी रोजगार एवं जनशक्ति की समस्याओं से संबंधित आंकड़ों का संग्रह, विश्लेषण और निर्वचन या सामाजिक-आर्थिक अनुसंधान। अथवा (ख) रोजगार बाजार जानकारी सहित रोजगार सेवाओं का प्रबन्धन। अथवा (ग) व्यावसायिक मार्गदर्शन तथा रोजगार संबंधी परामर्श। अथवा (घ) कार्मिक संगठन एवं प्रबंध (पद की आवश्यकता के अनुसार)
						टिप्पण — अर्हताएं, अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।

1	2	3	4	5	6	7
						टिप्पण :—2 अनुभव संबंधी ग्रहणा (ग्रहणाएं) अनुसूचित जातियों या अनुसूचित अजजातियों के अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार तब सिधिल की जा सकती है जब जयन के किसी प्रक्रम में संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उन समुदायों से, अपेक्षित ग्रहणा रखने वाले अभ्यर्थियों के, उनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए, उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।
						वांछनीय :— रोजगार कार्यालयों के प्रचालन का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
आयु— नहीं शैक्षिक ग्रहणाएं—नहीं	2 वर्ष	60 प्रतिशत प्रोत्सति द्वारा, जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, और दोनों के न होने पर, सीधी भर्ती द्वारा और 40 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोत्सति: अनुसंधान अधिकारी श्रेणी-1 जिस को उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष से बाकी हो, जिसके न होने पर, अनुसंधान अधिकारी श्रेणी-2 या योजना अधिकारी और उप-क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी, जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 8 वर्ष सेवा की हो।	समूह "क" विभागीय पदोन्नति समिति : संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य —अध्यक्ष महा-निदेशक, रोजगार और प्रशिक्षण/संयुक्त सचिव —सदस्य निदेशक, रोजगार सेवाएं— —सदस्य उप सचिव—सदस्य	प्रोत्सति करने समय और राज्य सरकार के किसी अधिकारी को या केन्द्रीय सरकार के समूह "ख" के किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्ति करते समय, और सीधी भर्ती करते समय, संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।
			प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय या राज्य सरकारों के अधीन सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 700-1300 रु० या 650-1200 रु० या समतुल्य वेतनमान क्रमशः 5/8 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास सीधी भर्ती वालों के लिए लिखित श्रेणाएं और अनुभव हों। (प्रतिनियुक्ति की अधिक मात्रा- रणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।		

1	2	3	4	5	6	7
5. उद्येष्ठ वैज्ञानिक धिकारी श्रेणी-1	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क'—राज- पत्रित	1100-50-16000०	चयन	40 वर्ष से अधिक नहीं, (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पण :—आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्धमान और निकोबार दीप- समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक :— (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व- विद्यालय से मनोविज्ञान या शिक्षा शास्त्र में द्वितीय श्रेणी में मास्टर, की उपाधि, जिसमें मानसिक परीक्षण एवं सांख्यिकी विषय रहे हों। (2) परीक्षण संरचना के क्षेत्र में पी० एच० डी० की उपाधि अथवा मानसिक योग्यताओं के परीक्षण संरचना के कम से कम 5 वर्ष के अनुभव सहित अथवा मानसिक योग्य- ताओं के परीक्षण संरचना के कम से कम 7 वर्ष के अनुभव सहित पी०एच० डी० की उपाधि। टिप्पण :—1 अर्हताएं, अन्यथा सूचित अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेका- नुसार शिथिल की जा सकती है। टिप्पण :—2 अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों या अनु- सूचित जनजातियों के अभ्या- र्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उन समुदायों से अपेक्षित अर्हता रखने वाले अभ्यर्थियों के, उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए उपलब्ध होने की संभावना नहीं है। बांछनीय: मानसिक योग्यताओं के माप संबंधी प्रकाशित कार्य।

8	9	10	11	12	13
आयु—नहीं शैथिल्य अर्हताएं—नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न होने पर, सीधी भर्ती द्वारा,	प्रोन्नति: उद्येष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्रेणी-2 जिसने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष की सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण: केन्द्रीय या राज्य सरकार के अधीन सद्वृत्त पद धारण करने वाले अधिकारी अथवा ऐसे अधि- कारी जिनकी 700-13000० या समतुल्य वेतन मान के पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा हो और जिनके पास सीधी भर्ती बालों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं एवं अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	संघ लोक सेवा आयोग का प्रोन्नति एवं सीधी भर्ती सदस्य—अध्यक्ष करते समय और सदस्यगण: महानिदेशक, रो० और प्र०/संयुक्त सचिव—सदस्य निदेशक, रोजगार सेवाएं —सदस्य उप सचिव—सदस्य	प्रोन्नति एवं सीधी भर्ती करते समय और राज्य सरकार के अधिकारी की प्रति- नियुक्ति पर नियुक्त करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना अवश्यक होगा।

1	2	3	4	5	6	7
6. ज्येष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्रेणी-2 (मनोविज्ञान)	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "क" राजपत्रित	700-40-900-६० रो०-40-1100- 50-1300 रु०	चयन	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है।) टिप्पण: आयु-सीमा अवधारित करने की निम्नलिखित तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अग्रजमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक: (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से मनोविज्ञान या शिक्षा-शास्त्र में द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि जिसके साथ यानि (क) मानसिक परीक्षण विषय हो या (ख) मार्गदर्शन का डिप्लोमा हो। (2) अभिरूपा परीक्षण की संरचना तथा उपयोग का तीन वर्ष का अनुभव। टिप्पण: 1—अर्हतायें अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार नुसार शिथिल की जा सकती है। टिप्पण: 2—अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर यह राय हो कि उन समुदायों से उनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अर्हता रखने वाले अभ्यर्थियों के उपलब्ध होने की सम्भावना नहीं है।

8	9	10	11	12	13
आयु—यहाँ शैक्षिक अर्हताएं—यहाँ	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति : कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी/मनो-वैज्ञानिक जिस ने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष सेवा की हो।	संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य—अध्यक्ष महानिदेशक, रो० प्र०/संयुक्त सचिव निदेशक, रोजगार सेवाएं उप सचिव	प्रत्येक अवसर पर नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से की जाएगी

1	2	3	4	5	6	7
6.क. अनुसंधान अधि- कारी श्रेणी-1	4	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" राज- पत्रित	700-40-900-४० १००-40-1100- 50-1300 २०	चयन	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पण: आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	अतिवार्ध : (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व- विद्यालय से अर्थशास्त्र/सांख्यिकी गणित/सोवियत/वार्णिज्य/शिक्षा शास्त्र में मास्टर की उपाधी या समतुल्य। (2) रोजगार संबंधी समस्याओं से संबंधित कार्य का 4 वर्ष का अनुभव जिसके साथ व्यवसाय जगत संबंधी अनु- संधान और प्राकड़ों के संग्रहण का 2 वर्ष का अनुभव हो। टिप्पण: 1—अर्हताएं अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेका- नुसार शिथिल की जा सकती हैं। टिप्पण: 2—अनुभव संबंधी अर्हता: अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उन समुदायों से उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी के उपलब्ध होने की संभावना नहीं है। बीछनीय: रोजगार कार्यालय प्रबालन का अनुभव

8	9	10	11	12	13
आयु—नहीं और अधिक अर्हताएं—नहीं	2 वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा, 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : अनुसंधान अधिकारी श्रेणी-2, योजना अधिकारी और उप- क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी जिस में उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय/राज्य सरकार के अर्धन सदस्य पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिनकी 650-1200 रु० या समतुल्य के वेतनमान के पदों में 3 वर्ष नियमित सेवा हो और जिनके पास सीधी भर्ती वालों के लिए ब्रिटिश अर्हताएं एवं अनुभव हों। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।	सब लोक सेवा आयोग का सदस्य—अध्यक्ष महानिदेशक, रो० प्र०/समुक्त मन्त्रिण निदेशक, रोजगार सेवाएं उप निदेशक —सदस्य —सदस्य	प्रोन्नति और सीधी भर्ती करने समय और केन्द्र सरकार के अर्धन समूह "ख" के अधिकारी की राज्य सरकार के अधिकारी की प्रति- नियुक्ति पर नियुक्ति करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।

(ii) मद् सं० 3क, 9, 10, 11, 12, 14, 15, और 16, और उनसे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जायेगा।

(iii) मद् संख्या 13 को मध्य संख्या 9 के रूप में पुनः संख्यांकित किया जायेगा "बर्ग"

(ख) 2 पद के शीर्षक के नीचे

(i) मद् संख्या 1, 2, 3, और 4 तथा उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न मद् संख्या और उनसे संबंधित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की
जायेंगी, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
अवश्यक :						
1. अनुसंधान अधिकारी श्रेणी-2/योजना अधिकारी।	7	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" अनिवार्य, राजपवित्र	650-30-740-35-810-द-रो-35-880-40-1000-द-रो-540-1200 रु०	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं	1. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय (सरकारी सेवाओं के लिए) में अर्थशास्त्र/वाणिज्य/गणित शिथिल की जा सकती है मनोविज्ञान/वाणिज्य/शिक्षाशास्त्र में मास्टर की उपाधि या समतुल्य। 2. रोजगार संबंधी समस्याओं पर करने की निर्णायक कार्यवाही करने का 3 वर्ष का तारीख भारत में रहने अनुभव, जिसमें व्यवसाय जगत वाले अभ्यर्थियों से संबंधी आकड़ों के संग्रहण व अनु- (उन में वित्त जो संघान का दो वर्ष का अनुभव सम्मिश्रित और निकोबार लिखित है। द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप टिप्पण-1 : में रहने हैं) आवेदन अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों को दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है। टिप्पण-2 : अनुभव संबंधी अर्हताएं अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजाति जातियों के अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग को यह राय हो कि उन समुदायों से उनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये अपेक्षित अर्हता रखने वाले अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है। वांछनीय : रोजगार कार्यालय प्रचालन का अनुभव।
8	9	10	11	12	13	
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हता : नहीं	2 वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा और 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति :— उच्च श्रेणी/योजना सहायक जिम्मे उम श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय/राज्य सरकार के अधीन सक्षम पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने रु० 550-900 या समतुल्य के वेतनमान के पदों पर 3 वर्ष की नियमित सेवा की हो और जिनके पास सीधी भर्ती वालों के लिये बिहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हों।	महानिदेशक, रो० प्र० संयुक्त सचिव—अध्यक्ष निदेशक, रोजगार सेवाएं—सदस्य उप/सचिव (प्रशा०)—सदस्य अपर/संयुक्त उप-निदेशक जो मुख्यतः में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व करता हों। —सहयोगित सदस्य	सीधी भर्ती करते समय और यदि राज्य सरकार के अधीन किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करना हो तो संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक होगा।	

1	2	3	4	5	6	7
2. उप क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी/विशेष कार्य अधिकारी समूह 'ख'	14	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' अतिथिक-वर्गीय राजपत्रित	650-30-740-35-810-२००-35-880-40-1000 २०००-40-1200 रु०	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिये शिथिल की जा सकती है) टिप्पण :—आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उन से भिन्न जो अद्यतन और तिको-वार हीन समूह तथा लक्ष्मी में रहने हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक :— (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से समाज कल्याण या समाज कार्य या अध्यात्म या सांख्यिकी या मनोविज्ञान या वाणिज्य/शिक्षाशास्त्र में मास्टर की उपाधि या समतुल्य। (2) सामाजिक आर्थिक अनुसंधान का, विशेषकर डेमोग्राफी, रोजगार एवं बेरोजगारी अथवा जनशक्ति की समस्याओं में, 3 वर्ष का अनुभव। (3) रोजगार सेवाओं से संबंधित कार्य की जानकारी। टिप्पण : 1. अर्हताएँ, अन्यथा सुसहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है। टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उन समुदायों से उनके लिये आरक्षण रिक्तियों को भरने के लिये अपेक्षित अर्हता रखने वाले अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है। वांछनीय :— रोजगार कार्यालय के प्रचालन का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : नहीं	2 वर्ष	60 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, और दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा, 40 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति :— सहायक रोजगार अधिकारी जिसमें उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पञ्चात् 3 वर्ष सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :— केन्द्रीय राज्य सरकारों के अधीन सर्वोच्च पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 550-900 रु० या समतुल्य वेतनमान के पदों पर 3 वर्ष की नियमित सेवा की हो और जिनके पास सीधी भर्ती वालों के लिये बिहित अर्हताएं एवं अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	महानिदेशक/रोजगार और प्रशिक्षण संयुक्त सचिव— अध्यक्ष निदेशक, रोजगार सेवाएँ— सदस्य उप-सचिव (प्रशा.) रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशक— सदस्य अपर/संयुक्त उप निदेशक जो मुख्यालय में अ०जा०/अ०ज०जा० के समुदाय का हो—सह-योजित सदस्य	सीधी भर्ती/करते समय और यदि राज्य सरकार के किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाना हो तो, संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक होगा।

1	2	3	4	5	6	7
3. सहायक रोजगार अधिकारी	13	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अतिरिक्त वर्ग, राजपत्रित	550-25-750-द० १०-30-900 द०	लागू नहीं	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिये शिथिल की जा सकती है) टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्तर्गत और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक :— (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य/समाज कल्याण/समाज कार्य/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी/मनोविज्ञान/शिक्षा-शास्त्र में मास्टर की उपाधि या समतुल्य। (2) सामाजिक-आर्थिक अन्वेषण या अनुसंधान का विशेषकर डिमो-ग्राफी रोजगार और बेरोजगार या जनजनित समस्याओं से संबंधित, दो वर्ष का अनुभव। (3) रोजगार सेवा कार्य का ज्ञान। टिप्पण : 1. अभ्यर्थी, अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है। टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार तब शिथिल की जा सकती है जब घयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उन समुदायों से, उनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये अपेक्षित अर्हता रखने वाले अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है। आंशिकीय :— रोजगार कार्यालय प्रचालन का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी अर्जी द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	घयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

1	2	3	4	5	6	7
4. ज्येष्ठ अन्वेषक/योजना सहायक	13	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अतिरिक्त वर्गीय अराजपत्रित	550-25-750-द० १०-30-900 द०	अयन	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है।) टिप्पण :—आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्तर्गत और निकोबार द्वीप	आवश्यक :— (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी/गणित/वाणिज्य अथवा किसी सामाजिक विज्ञान में मास्टर की उपाधि या समतुल्य। (2) सामाजिक-आर्थिक अन्वेषण अनुसंधान या सर्वेक्षण कार्य का 2 वर्ष का अनुभव।

1	2	3	4	5	6	7
					समूह तथा लक्ष्यीय में रहने हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।	टिप्पण :—1 ग्रहंताएं अन्यथा सुसज्जित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है। टिप्पण :—2 अनुभव संबंधी ग्रहंता अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उन समुदायों से उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित ग्रहंता रखने वाले अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।
					बाछतीय :—	
					रोजगार कार्यालय के प्रचालन का अनुभव।	

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं वैधिक ग्रहंताएं : नहीं	2 वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा त्रिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति : कनिष्ठ सार्वजनिक/तकनीकी सहायक जिन्होंने अपनी अपनी श्रेणियों में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष सेवा की हो।	अनुवैक/महानिदेशक रोजगार और प्रशिक्षण/संयुक्त संचिब—अध्यक्ष निवेशक रोजगार सेवाएं —सदस्य उप सचिव (प्रशासन) —सदस्य उप सचिव (रो०प्र०म०नि०) —सदस्य अपर/संयुक्त निदेशक उप निवेशक जो मुख्यालय में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जन जाति के समुदाय के हों। —सह-योजित सदस्य	सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

(i) मद संख्या 5, 6, 7, 10, 12, 13, 14 और 15 तथा उनसे सम्बन्धित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा।

(ii) मद संख्या 8, 9 और 11 को क्रमशः 5, 6 और 7 के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।

[सं० डी०जी०ई०टी०-12(48)/76-ए०डी०एम०-II]

के० एस० बरोई, उप सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 6th September, 1978

G.S.R 1153.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Employment, Directorate General of Employment & Training (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1961, namely :—

1. (1) These rules may be called the Directorate of Employment, Directorate General of Employment and Training (Class I and Class II Posts) Recruitment (Amendment) Rules 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Directorate of Employment, Directorate General of Employment and Training (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1961.

(1) for the words and figures "Class I" and "Class II" wherever they occur, the words and figures "Group A" and "Group B", respectively shall be substituted;

(2) in the Schedule,

(a) Under the heading "Class I Posts", —

(i) for item numbers 4, 5, 6 and 6A and entries relating thereto, the following items and entries relating thereto shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
4. Assistant Director of Employment Exchanges	11	General Central Service Group A Gazetted	Rs. 1100-50-1600.	Selection	Not exceeding 40 years (Relaxable for Govt. Servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Second Class Master's degree in Economics or Mathematics or Statistics or Psychology or Education or Commerce of a recognised University or equivalent. (ii) At least 5 years' experience in the field of— (a) Collection, analysis and interpretation of data or Socio-Economic Investigation or Research, relating to demographic, employment and manpower problems Or (b) Employment Service/operations including Employment Market information Or (c) Vocational Guidance and Employment Counselling Or (d) Personnel Organisation and Management. (According to the requirement of the post) Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification (s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Experience of employment exchange operations.

8	9	10	11	12	13
Age—No Educational Qua- lifications—No	2 years	60% by promotion fail- ing which by transfer on deputation and failing both by direct recruit- ment and 40% by direct recruitment.	Promotion : Research Officer Grade I with 5 years' service in the grade rendered after app- ointment thereto on a re- gular basis failing which Research Officer Grade II or Planning Officer and Sub-Regional Employment Officers with 8 years' service in the respective grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation : Officers under the Central or State Governments holding analogous posts or with 5 or 8 years' service in posts in the scale of Rs. 700-1300 or Rs. 650-1200 or equiva- lent respectively and pos- sessing the educational qua- lifications and experience laid down for direct recruits (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Member U.P. S.C.—Chairman DGET/JS— Member DEX—Member DS—Member	Union Public Service Commission is to be consulted while making promotion and if a State Government Officer or a Group 'B' Central Government Officer is to be appointed on deputation, and for making direct recruit- ment.

1	2	3	4	5	6	7
5. Senior Scientific Officer, Grade I	1	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1100-50-1600	Selection —	Not exceeding 40 years (Relax- able for Govt. Servants). Note: The cru- cial date for de- termining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Ni- cobar Islands and Laksh- dweep).	Essential : (i) Second Class Master's Degree in Psychology or Education of a recognised University with papers in Mental Testing and Statistics. (ii) Ph. D. degree in the area of test construction, for Ph.D. degree with at least 5 years experience in the construction of tests of Mental abilities, or at least 7 years' experience of constructing tests of men- tal abilities. Note:—1. Qualifications are re- laxable at the discretion of the Union Public Service Commis- sion in case of candidates otherwise well qualified. Note:—2. The qualifications re- garding experience is/are relax- able at the discretion of the Union Public Service Commis- sion in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commis- sion of the opinion that suffi- cient number of candidates from the communities posses- sing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Published work concerning mea- surement of mental abilities.

8	9	10	11	12	13
Age : No	2 years	By promotion failing	Promotion :		
Educational		which by transfer on	Senior Scientific Officer,	Member U.P.S.C.—	Consultation
Qualifications : No		deputation and failing	Grade II with 5 year's ser-	Chairman.	with the Union
		both by direct recruit-	vice in the grade rendered	D.G.E.&T.—Member	Public Service
		ment.	after appointment thereto	D.E.X.—Member	Commission
			on a regular basis.	D.S.—Member	will be neces-
			Transfer on Deputation:		sary while
			Officers under the Central or		making pro-
			State Government holding		motions and
			analogous posts or with		direct recruit-
			5 years' regular service in		ment and
			posts in the scale of Rs.		while appoint-
			700-1300 or equivalent and		ing a State
			possessing the educational		Government
			qualifications and experi-		officer on
			ence laid down for direct		deputation.
			recruitment.		
			(Period of deputation shall		
			ordinarily not exceeding 3		
			years).		

1	2	3	4	5	6	7
6. Senior	2	General Central	Rs. 700-40-900-EB	Selection	Not Exceeding	(i) Second Class Master's degree
Scientific		Service	40-1100-50-1300.		35 years.	in Psychology or Education
Officer Grade II		Group 'A'			(Relaxable for	of a recognised University
(Psychology).		Gazetted.			Govt. servants).	with either (a) paper in
					Note: The cru-	Mental Testing or (b) dip-
					cial date for de-	loma in Guidance.
					termining the	(ii) 3 years' experience in the
					age limit shall	construction and use of apti-
					be the closing	tude tests.
					date for receipt	Note:—1. Qualifications are re-
					of applications	laxable at the discretion of the
					from candidates	Union Public Service Commis-
					in India (other	sion in case of candidates
					than those in	otherwise well qualified.
					Andaman and	Note:—2. The qualification(s) re-
					Nicobar Islands	garding experience is/are relax-
					and Laksh-	able at the discretion of the
					dweep).	Union Public Service Commis-
						sion in the case of candidates
						belonging to the Scheduled
						Castes and the Scheduled
						Tribes if, at any stage of selec-
						tion the Union Public Service
						Commission is of the opinion
						that sufficient number of candi-
						dates from these communities
						possessing the requisite experi-
						ence are not likely to be
						available to fill up the vacancies
						reserved for them.

8	9	10	11	12	13
Age : No	2 years	By promotion failing	Promotion :		
Educational		which by direct rec-	Junior Scientific Officer/Psy-	Member U.P.S.C.—	Selection on
Qualifications : No		ruitment.	chologist with 3 years ser-	Chairman.	each occasion
			vice in the grade rendered	D.G.E.T./JS—Member	shall be made
			after appointment there to	DEX—Member	in consultation
			on a regular basis.	S.S. —Member	with the Union
					Public Service
					Commission.

1	2	3	4	5	6	7
7. Research Officer Grade I	4	General Central Service, Group 'A' Gazetted	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.	Selection	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Govt. servants). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Master's Degree in Economics Statistics or Mathematics or Psychology for Commerce or Education of a recognised University or equivalent. (ii) 4 years' experience of handling employment problems including 2 years' experience in research and collection data concerning the world of occupations. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualifications(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Experience of employment exchange operations.
8	9	10	11	12	13	
Age—No Educational Qualifications—No	2 years	50% by promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment, 50% by direct recruitment.	Promotion : Research Officer, Grade II/ Planning Officer and Sub-Regional Employment Officer with 3 years' service in the respective grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on Deputation : Officers under the Central or State Governments holding analogous posts or with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent and possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Member U.P.S.C.—Chairman. DGET/JS—Member DEX—Member DS—Member	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making promotion and direct recruitment and appointing on deputation a Group 'B' officer under the Central Government or an officer of a State Government.	

(ii) item number 3A, 9, 10, 11, 12, 14, 15 and 16 and entries relating thereto, shall be omitted.

(iii) Item number 13 shall be renumbered as item number 9.

(b) under the heading "Class 'II' posts",

(i) for items numbers 1, 2, 3 and 4 and entries relating thereto, the following item numbers and entries relating thereto shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
1. Research Officer Grade II/Plan- ning Officer	7	General Central Service Group B Non-Minis- terial Gazetted	Rs. 650-30-740-35- 810-EB-35-880- 40-1000-EB-40- 1200.	Selection	Not exceeding 30 years (Re- laxable for Govt. servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Laksha- dwcep).	Essential : (i) Master's degree in Economics or Statistics or Mathema- tics or Psychology or Com- merce of Education of a re- cognised University or equi- valent. (ii) 3 years' experience of hand- ling employment problems including 2 years' experience in research and collection of data concerning the world of occupations. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of can- didates otherwise well qual- ified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of Union Public Service Com- mission in the case of can- didates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that suffi- cient number of candidates from these communities pos- sessing the requisite experi- ence are not likely to be avail- able to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Experience of employment ex- change operations.
8	9	10	11	12	13	
Age : No Educational Qualifications : No	2 years	50% by promotion fail- ing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment and 50% by direct recruitment.	Promotion : Senior Investigators/Planning Assistants with 3 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation : Officers under the Central or State Governments holding analogous posts or with 3 years' regular service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent and possessing the educa- tional qualifications and experience laid down for direct recruits. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	DGET/JS—Chairman DEX—Member DS (Adm.)—Member DS(DGET)—Member Addl/Jt/Dy. Dir. belong- ing to SC/ST communi- ties—Associate Member	Consultation with the Union Public Ser- vice Commis- sion will be necessary while making direct recruitment, and if a State Go- vernment Officer is to be appoint- ed on deputa- tion.	

1	2	3	4	5	6	7
2. Sub-Regional Employment Officer or Officer on Special Duty Group 'B'	14	General Central Service Group B Non-Ministerial Gazetted	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Govt. Servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Master's degree in Social Welfare or Social Work or Economics or Statistics or Psychology/or Commerce or Education of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' experience of Socio-Economic Investigation or Research preferably in relation to demography, employment and unemployment or manpower problems. (iii) Knowledge of Employment Service work. Note 1: Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Experience of employment exchange operations.

8	9	10	11	12	13
Age : No Educational Qualifications : No	2 years	60% by promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment and 40% by direct recruitment.	Promotion : Assistant Employment Officer, with 3 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation : Officers under the Central or State Governments holding analogous posts or with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900 and possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	DGET/JS—Chairman DEX—Member DS(Adm)—Member DS(DGET)—Member Addl/Jt./Dy. Dir. belong to the SC/ST communities at the Headquarters—Associate Member	Consultation with the Union Public Service Commission will be necessary while making direct recruitment, and if a State Government Officer is to be appointed on deputation.

1	2	3	4	5	6	7
3. Assistant Employment Officer	13	General Central Service Group B Non- Minis- terial Gazetted.	Rs. 550-25-750-EB- 30-900.	Not appli- cable	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Govt. Servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Laksha- dweep).	Essential : (i) Master's degree in Commerce or Social Welfare or Social Work or Economics or Sta- tistics or Psychology or Education of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience of Socio- economic Investigation or Research preferably in re- lation to demography, em- ployment and unemployment or manpower problems. (iii) Knowledge of Employment Service Work. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of can- didates otherwise well qual- ified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that suffi- cient number of candidates from these communities pos- sessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Experience of employment ex- change operations.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Selection will be made in con- sultation with the Union Pub- lic Service Com- mission.	

1	2	3	4	5	6	7
4. Senior Investigator/Planning Assistant	13	General Central Service Group B Non-Ministerial Non-Gazetted.	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Govt. servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Master's degree in Statistics or Mathematics or Commerce or a Social Science of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience of socio-economic Investigation or research or survey work. Note 1 : The qualification(s) are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note : 2 The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Experience of employment exchange operations.

8	9	10	11	12	13
Age : No Educational Qualifications : No	2 years	50% by promotion failing which by direct recruitment and 50% by direct recruitment.	Promotion : Junior Investigator/Statistical Assistants or Technical Assistant with 5 years' service in the respective grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	DGET/JS—Chairman DES—Member DS(Adm)—Member DS(DGET)—Member Addl/Jt/Dy. Direc. belonging to the SC/ST communities at the Headquarters).—Associate Member.	Consultation with the Union Public Service Commission will be necessary while making direct recruitment.

(ii) Item numbers 5, 6, 7, 10, 12, 13, 14 and 15 and entries relating thereto shall be omitted;

(iii) Item numbers 8, 9 and 11 shall be renumbered as 5, 6 and 7 respectively.

[No. DGET—12(48)/76—Adm.II]

K.S. BAROI, Dy. Secy.

